THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

भाजपा और शिवसेना के निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों की राज्य चुनाव आयोग करेगा जांच

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र निकाय चुनाव में विपक्ष ने सत्ताधारी पार्टी पर नामांकन को लेकर गड़बड़ी का आरोप लगाया है। राज्य चुनाव आयोग अब इन आरोपों की जांच कर रही है। चुनाव आयोग ने उन नगर निगमों की रिपोर्ट मांगी है जहां उनके उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। आयोग यहां उम्मीदवारों को निर्विरोध चुनाव जीतने की जांच करेगा। यह जानने की कोशिश करेगा कि कहीं विरोधियों पर नामांकन वापस लेने का दबाव तो नहीं बनाया गया या किसी तरह के लालच और जबरदस्ती तो नाम वापस नहीं करवाए गए।

वर्ष-30 अंक : 278 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष पूर्णिमा 2082 शनिवार, 3 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुसी परियोजना जल्दी ही शुरू होगी : सीएम

* खुद को रियल एस्टेट दलाल कहे जाने का कड़ा विरोध किया

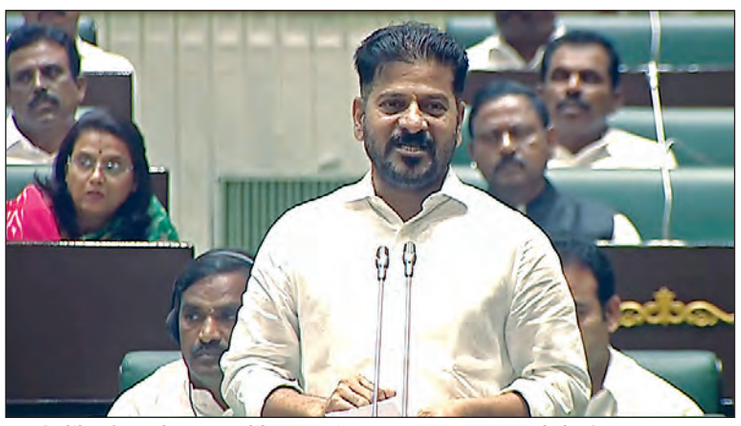

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंतरेड्डी ने घोषणा की है कि प्रतिष्ठित मुसी पुनरुद्धार परियोजना के लिए अनुमान इस साल 31 मार्च तक अंतिम किए जाएंगे और इसके लिए निविदाएं आमंत्रित करने के तुरंत बाद कार्य शुरू किए जाएंगे। विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एडीबी बैंक ने पहले ही मुसी परियोजना के लिए 4,000 करोड़ रुपये का ऋण देने के लिए सहमति दी है और केंद्र सरकार ने भी मुसी परियोजना के तहत गांधी सरोवर के विकास के लिए मंजूरी दी है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि बापू घाट मुसी और ईसा नदियों के संगम पर बनाया गया था, जहां महात्मा गांधी की अस्थियां विसर्जित की गई थीं। मानव सभ्यता नदियों के किनारे विकसित हुई। काकतीयों से लेकर निजाम नवाबों तक, सिंचाई, पीने के पानी और औद्योगिक विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए परियोजनाएं बनाई गईं। डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार होने के बाद, हम सभी विधायकों को पावरपॉइंट प्रस्तुति देंगे और उनके सुझाव लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावशाली परिवारों के फार्महाउसों से निकलने वाले सीवर के कारण उस्मान सागर और हिम्मायत सागर जलाशयों के प्रदूषण पर पहले ही कड़ा कदम उठाया गया है। 1908 में जब शहर में बाढ़ आई थी, निजाम सरकार ने बाढ़ समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए उस्मान सागर और हिम्मायत सागर परियोजनाएं बनाईं। ये जलाशय आज भी हैदराबाद के लोगों की प्यास बुझा रहे हैं।

मुसि परियोजना के विकास के तहत, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने लंदन (टेम्स नदी), न्यूयॉर्क, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसी देशों की यात्रा की और देखा कि सभी विश्व-स्तरीय शहरों ने अपनी नदी घाटियों की रक्षा की है। गुजरात में साबरमती नदी की सफाई के दौरान 60 हजार परिवारों को पुनर्वासित किया गया। गंगा नदी को भी साफ किया गया और उत्तर प्रदेश में रिवरफ्रंट बनाया गया। भाजपा नेताओं ने इन संरचनाओं को विकास का प्रतीक बताया। रेवत रेड्डी ने कहा कि नलगोंडा के लोग पहले ही मुसी नदी में बढ़ते प्रदूषण से परेशान हैं। औद्योगिक प्रदूषण और पशु अपशिष्ट से भारी प्रदूषण होता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुसी नदी के किनारे रहने वाली महिलाएं स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रही हैं। वैश्विक शहरों के विकास का अध्ययन करने के बाद, सरकार यह सुनिश्चित करने की योजना बना रही है कि मुसी नदी में साफ पानी बहता रहे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने मुसी परियोजना के लिए योजनाएं तैयार करने हेतु सलाहकार नियुक्त किए हैं। विकास कार्य बापू घाट के पास गांधी सरोवर में वी-आकार में पहले से ही चल रहा है। >14

'इन चालबाजियों से हकीकत नहीं बदलेगी'

अरुणाचल की महिला के चीन में उत्पीड़न के मुद्दे पर भड़के जयशंकर

चेन्नई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बीते नवंबर में अरुणाचल प्रदेश की एक महिला ने चीन पर आरोप लगाया था कि भारतीय पासपोर्ट होने के चलते उनका चीन के हवाई अड्डे पर उत्पीड़न किया गया। महिला ने आरोप लगाया कि चीन के आव्रजन अधिकारियों ने उनके भारतीय पासपोर्ट को मानने से ही इनकार कर दिया था। अब इसे मुद्दे पर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपनी बात रखी। उन्होंने इसे चीन की चालबाजी करार दिया और सख्त लहजे में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और हमेशा रहेगा।

चेन्नई में आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अरुणाचल प्रदेश की महिला को कथित तौर पर चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा शंघाई हवाई अड्डे पर उत्पीड़न किए जाने को लेकर सवाल किया गया। इस पर जयशंकर ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह की चालबाजियों से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी। जयशंकर ने कहा, हमने इस मुद्दे पर चीन के सामने अपना विरोध दर्ज कराया था। साथ ही हमने साफ कह दिया कि इस तरह की चीजें करने से कुछ भी नहीं बदलने वाला। लेकिन यह एक बड़ा मुद्दा है और लोगों को आवागमन के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियम, कायदे-कानून हैं और हम चाहते हैं कि देश इनका सम्मान करें। हमारा इस मुद्दे पर दृढ़ रुख रहा। कार्यक्रम के दौरान डॉ. जयशंकर से भारत की विदेश नीति को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, आपके पड़ोसी बुरे भी हो सकते हैं। अगर हम पश्चिम की तरफ देखें तो पता चलता है कि दुर्भाग्य से हमारे साथ भी ऐसा है। अगर कोई देश जानबूझकर और लगातार आतंकवाद फैलाता है तो हमारे पास भी आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा का अधिकार मौजूद है और हम उसका इस्तेमाल भी करेंगे, लेकिन ये हम पर है कि हम इसका कैसे इस्तेमाल करते हैं। कोई हमें ये नहीं बता सकता कि क्या करना चाहिए या क्या नहीं।

गुजरात में पूर्व कलेक्टर अरेस्ट

> 1500 करोड़ की जमीन घोटाले का मामला, डिप्टी तहसीलदार के साथ 1 करोड़ लेने का आरोप

सुरेंद्रनगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने 1500 करोड़ रुपये के जमीन घोटाले के मामले में गुजरात में सुरेंद्रनगर के पूर्व कलेक्टर राजेंद्र पटेल को अरेस्ट किया है।

शुक्रवार को ईडी की तीन टीमें गांधीनगर स्थित राजेंद्र पटेल के आवास पर पहुंचीं, जहां पहले उनसे पूछताछ की गई। हाल ही में ईडी की टीम ने सुरेंद्रनगर के कलेक्टर राजेंद्र पटेल के अलावा उनके पीए जयराजसिंह झाला, डिप्टी तहसीलदार चंद्रसिंह मोरी और क्लर्क मयूरसिंह गोहिल के घर पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान मोरी के घर से 60 लाख से अधिक का कैश भी जब्त किया गया था। यह कैश बेडरूम में छिपाकर रखा गया था। इसके बाद 23 दिसंबर को पीएमएलए की धारा 17 के तहत दर्ज अपने बयान में मोरी ने माना था कि जब्त किया गया कैश रिश्वत का पैसा है, जो आवेदकों से सीधे या बिचौलियों के जरिए लिया गया था। ईडी की पूछताछ में मोरी ने बताया था कि रिश्वत का 50 प्रतिशत हिस्सा जिला कलेक्टर को मिला था।

10 प्रतिशत उन्होंने खुद रखा और बाकी रकम रेजिडेंट एडिशनल कलेक्टर आरके ओझा (25 प्रतिशत), तहसीलदार मयूर दवे (10 प्रतिशत) और क्लर्क मयूरसिंह डी. गोहिल (5 प्रतिशत) को दी गई थी। मोरी का कहना था कि सारा हिसाब-किताब कलेक्टर का पीए जयराजसिंह झाला तय करता था।

सऊदी अरब जा रहे हैं तो दवाओं की ऑनलाइन मंजूरी ले लें

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब जाने वालों के लिए यह काम की खबर है। खासतौर से उन लोगों के लिए, जो किन्हीं वजह से अपने साथ दवा ले जाते हैं। अब दवा ले जाने ले जाने के लिए अनिवार्य ऑनलाइन मंजूरी लेने की सुविधा प्रारंभ हो गई है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो 'एनसीबी' के मुताबिक, यात्रियों को प्रतिबंधित दवाओं की सूची देखने की सलाह दी जाती है। >14

'इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा'

> दूषित पानी के मामले पर राहुल गांधी ने साधा सरकार पर निशाना

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी की वजह से हुई 15 मौतों के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने निशाना साधा। राहुल गांधी ने एक्स पर साझा पोस्ट में कहा, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं- और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, सरकार ने घमंड परोस दिया। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की- फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? राहुल गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा, सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? ये 'फोकट' सवाल नहीं- ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है- कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में खड़गे ने लिखा, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाली प्रधानमंत्री मोदी हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं।

> जनरल अनिल चौहान का निकोबार दौरा

एयरबेस पर रनवे का किया उद्घाटन

श्रीविजयपुरम, 2 जनवरी (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायुसेना के कार निकोबार एयर बेस पर अपग्रेड किए गए रनवे का शुभारंभ किया।

सीडीएस सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। एक अधिकारी ने बताया कि सीडीएस ने भारतीय वायुसेना के कार निकोबार एयर बेस पर फिर से तैयार और अपग्रेड किए गए रनवे का उद्घाटन किया। निकोबार जिले में स्थित कार निकोबार श्री विजय पुरम (पूर्व नाम पोर्ट ब्लेयर) से करीब 535 किलोमीटर दूर है और 2004 की सुनामी में यहां सबसे अधिक नुकसान हुआ था। अधिकारी ने बताया कि अपग्रेड किए गए रनवे से पूर्वी मोर्चे को और मजबूती मिलेगी, क्योंकि यहां से मलक्का जलडमरूमध्य पर सीधी रणनीतिक नजर रखी जा सकती है, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक अहम समुद्री मार्ग है। इससे भारतीय वायुसेना को तेजी से हवाई अभियान चलाने की क्षमता भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि विमानों की सुचारू आवाजाही के लिए एप्रन का विस्तार किया गया है और यह सुविधा वायुसेना को कम समय में लंबी दूरी के फायरिंग अभ्यास करने में मदद करेगी। कमान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीडीएस का यह दौरा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अंडमान और निकोबार द्वीपों के रणनीतिक महत्व, 'एक्ट ईस्ट' नीति पर फोकस और क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं विकास के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को दर्शाता है। अधिकारी ने बताया कि सीडीएस एक भंडारण सुविधा का भी उद्घाटन करेंगे और सुनामी स्मारक का दौरा भी करेंगे।

डीएसी ने 36 मीटियोर मिसाइलों की खरीद को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए चालू वित्तवर्ष 2025-26 में दिसंबर के अंत तक 1.82 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) ने इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) के लिए 36 से अधिक अतिरिक्त मेटियोर बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलों की खरीद के लिए औपचारिक रूप से 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' (एओएन) दे दी है।

इस खरीद को मंजूरी से वायु सेना की एयर डिफेंस क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने इस सप्ताह अपने सबसे एडवांस फ्रांससी राफेल फाइटर जेट के लिए 36 मीटियोर एयर-टू-एयर मिसाइलों की खरीद को अप्रूव किया है। फॉलो-ऑन डील के फाइनल क्लोजर से पहले एओएन लेने का फैसला, प्रोसीजरल अप्रूवल को 'फ्रंट-लोड' करने की स्ट्रैटेजी दिखाता है।

'मुकदमेबाजी निजी बदला लेने का जरिया नहीं'

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। वैवाहिक विवादों से जुड़े मामलों में एक अहम टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पति का पत्नी पर आर्थिक या वित्तीय प्रभुत्व अपने आप में क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता। शीर्ष अदालत ने कहा कि आपराधिक मुकदमेबाजी को निजी बदले या हिसाब चुकता करने का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता। यह टिप्पणी अदालत ने एक ऐसे मामले में की, जहां पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया गया था।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पति की अपील स्वीकार करते हुए उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया। इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को पलटते हुए कहा कि लगाए गए आरोप कानूनी कसौटी पर खरे नहीं उतरते।

सरकार का बड़ा फैसला

निर्यातकों के लिए 7,295 करोड़ के पैकेज का एलान, एमएसएमई को सस्ता कर्ज

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक व्यापार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय निर्यातकों को बड़ी राहत देते हुए केंद्र सरकार ने शुक्रवार को 7,295 करोड़ रुपये के एक व्यापक 'एक्सपोर्ट सपोर्ट पैकेज' की घोषणा की है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य निर्यातकों, विशेषकर एमएसएमई सेक्टर के लिए कर्ज (क्रेडिट) की उपलब्धता को आसान और किफायती बनाना है।

यह योजना अगले वर्षों (2025-31) के लिए लागू की जाएगी। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, इस पैकेज के जरिए निर्यातकों की 'ट्रेड फाइनेंस' यानी व्यापार के लिए पूंजी से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। सरकार की ओर से घोषित इस 7,295 करोड़ रुपये के पैकेज को दो मुख्य भागों में बांटा गया है। इसका पहला हिस्सा है ब्याज सहायता योजना। इसके लिए 5,181 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। दूसरा भाग है कोलेटरल सपोर्ट। इसके लिए 2,114 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सस्ता कर्ज और क्रेडिट गारंटी : क्या है खास?

ब्याज सहायता योजना के तहत, पात्र एमएसएमई निर्यातकों को प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट एक्सपोर्ट क्रेडिट पर सब्सिडी मिलेगी। सरकार ने इसके तहत 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी का लाभ देने का फैसला किया है। हालांकि, प्रति फर्म सालाना लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब वैश्विक व्यापार चुनौतियों का सामना कर रहा है, ताकि भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धी दरों पर रुपये में कर्ज प्राप्त कर सकें।

वहीं, 2,114 करोड़ रुपये के कोलेटरल सपोर्ट के तहत निर्यात से जुड़े वर्किंग कैपिटल लोन (कार्यशील पूंजी ऋण) के लिए क्रेडिट गारंटी दी जाएगी। इसके तहत प्रति फर्म 10 करोड़ रुपये तक की कोलेटरल गारंटी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे निर्यातकों को बिना अतिरिक्त संपत्ति गिरवी रखे कर्ज लेने में मदद मिलेगी। >14

सबरीमाला सोना चोरी के आरोपी की सोनिया गांधी के साथ तस्वीर पर बवाल

> सीएम विजयन और भाजपा ने पूछे सवाल

तिरुवनंतपुरम, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सबरीमाला सोना चोरी मामले को लेकर केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) संयोजक और कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल, एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, सबरीमला चोरी मामले के मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और अदूर प्रकाश एक साथ नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री विजयन ने पूछा कि पोट्टी, सोनिया गांधी तक कैसे पहुंचा। उन्होंने इस ओर भी इशारा किया कि आरोपी के अदूर प्रकाश से करीबी संबंध हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अदूर प्रकाश का नाम इस मामले में तब सामने आया, जब यह तस्वीर सार्वजनिक हुई। विजयन ने कहा कि पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी उन्होंने इस तस्वीर का जिक्र किया था, जिसमें सोनिया गांधी के साथ पथनमथिट्टा से जुड़े दो लोग और उस समय के सांसद अदूर प्रकाश मौजूद थे।

'प्रलय मिसाइल' का तांडव और आकाश-एनजी का अभेद्य कवच

> 2026 में दुश्मन की तबाही की नई इबारत लिखेगी भारतीय सेना!

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ष 2026 भारतीय सैन्य इतिहास में एक निर्णायक 'टर्निंग पॉइंट' के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह महज कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि रणनीतिक संतुलन के टूटने-जुड़ने का वर्ष है। एक ओर, चीन आक्रामक विस्तारवाद के साथ एलएसी पर दबाव बनाता रहा है तो दूसरी ओर, पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है, जबकि बांग्लादेश का बदलता सामरिक रुख भारत की पूर्वी सीमाओं पर नई मुश्किलें पैदा कर रहा है। इन्हीं हालात में भारतीय सेना खुद को एक ऐसी लीथल फोर्स में बदल रही है, जिसका सामना करना अब किसी भी दुश्मन के लिए न केवल कठिन नहीं, आत्मघाती होगा।

भारत के लिए इस महा-आधुनिकीकरण के केंद्र में साल 2026 में दो सबसे घातक योद्धा हैं 'प्रलय' और 'आकाश-एनजी'। जहां 'प्रलय' मिसाइल अपनी अचूक बैलिस्टिक क्षमता से दुश्मन के बंकरों और सैन्य अड्डों को मिट्टी में मिलाने का दम रखती है, वहीं 'आकाश-एनजी' आसमान में एक ऐसा अभेद्य सुरक्षा घेरा तैयार करेगी जिसे भेदना आधुनिकतम लड़ाकू विमानों के लिए भी एक दुःस्वप्न जैसा होगा। यह केवल हथियारों का अपग्रेड नहीं है, बल्कि भारत की 'प्रहारक क्षमता' और 'रक्षात्मक कवच' का एक ऐसा मेल है जो युद्ध के मैदान में भारत की श्रेष्ठता सुनिश्चित करेगा। लद्दाख जैसे ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विकसित जोरावर लाइट टैंक का ट्रायल 2025 में शुरू हो चुका है। उम्मीद है कि 2026 के अंत या 2027 की शुरूआत तक यह सेना में शामिल होना शुरू हो जाएगा।

यही नहीं, भारत टैंक जैसे अन्य लाइट टैंकों के प्रोटोटाइप भी 2026 तक सामने आने की संभावना है। इनके शामिल होने से पहाड़ी क्षेत्रों में दुश्मन को मार गिराना भारत के लिए और भी आसान हो जाएगा।

मिसाइल और आर्टिलरी, धरती से आकाश तक भारत का दिखेगा दम :

मैन पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) भारत की अपनी 'जैवलीन' मिसाइल है। डीआरडीओ द्वारा विकसित इस तीसरी पीढ़ी की 'दागो और भूल जाओ' मिसाइल का सेना में शामिल होना 2026 में संभावित है। आकाश-एनजी (आकाश अगली पीढी) सतह से हवा में मार करने वाली उन्नत मिसाइल प्रणाली, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों और ड्रोन को मार गिराने में सक्षम है। यह 2026 में सेना और वायुसेना का हिस्सा बन सकती है। इसके अलावा प्रलय मिसाइल कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (एसआरबीएम) के और अधिक परीक्षण और तैनाती की योजना है। 2025 के आखिरी दिन डीआरडीओ ने प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण भी किया है।

भाजपा विधायक समेत 11 पर एफआईआर

बेल्लारी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेल्लारी में वाल्मीकि बैनर फाड़ने को लेकर गुरुवार को भाजपा-कांग्रेस समर्थक भिड़ गए। दोनों गुटों में हुई हिंसक झड़प के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। झड़प बीजेपी विधायक जनार्दन रेड्डी और कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी के समर्थकों के बीच बैनर लगाने को लेकर हुई, जो 3 जनवरी को शहर में वाल्मीकि प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम से पहले पोस्टर-बैनर लगा रहे थे। भरत रेड्डी के समर्थक अवमभावी इलाके में जनार्दन रेड्डी के घर के सामने बैनर लगाने की कोशिश कर रहे थे, जिसका रेड्डी के समर्थकों ने विरोध किया। इससे दोनों गुटों में जमकर बहस हुई। दोनों पक्षों में पत्थरबाजी हुई, पुलिसकर्मियों पर भी पत्थर फेंके गए। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और हवाई फायर भी किए।

उन्नाव रेप पीड़िता और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार

ऐश्वर्या सेंगर की अमित शाह से गुहार

उन्नाव, 2 जनवरी (एजेंसियां)। उन्नाव रेप कांड के मुख्य आरोपी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की बेटी ऐश्वर्या सेंगर ने रेप पीड़िता और उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। ऐश्वर्या ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दो पेज का लेटर लिखा है। इस लेटर को उन्होंने एक्स पर अपने हैंडल पर शेयर करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी, सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस को टैग किया है। उनके दो पेज के इस लेटर का सार यह है कि अगर रेप पीड़िता ने खुद को कुछ कर लिया या उसके साथ कुछ हो गया तो सारा दोष उनके पिता कुलदीप सिंह सेंगर पर ही आ जाएगा। इसके बाद मीडिया ऐसा नैरेटिव सेट करेगा कि वही खलनायक हैं और न्याय मिलने की राह में मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। अमित शाह को लिखे गए इस लेटर में ऐश्वर्या ने कहा है कि वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री आवास के सामने शिकायतकर्ता महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया था। इसके बाद ही मीडिया के दबाव में आकर कुलदीप सेंगर को अरेस्ट कर लिया गया। इसी तरह इस मामले की सुनवाई के दौरान शिकायत करने वाली महिला की कार के साथ एक्सिडेंट हुआ था। लेकिन इस दुर्घटना के लिए भी कुलदीप सिंह सेंगर को जिम्मेदार ठहराया गया। हालांकि, बाद में निष्कर्ष निकाला कि वह घटना महज एक दुर्घटना थी और उसमें कुलदीप सेंगर की कोई भूमिका नहीं थी। इतना ही नहीं दिल्ली की कोर्ट ने उस मामले में मेरे सेंगर को दोषमुक्त कर दिया। ऐश्वर्या के शब्दों में, शिकायत करने वाली महिला और मीडिया आज तक यही कहती है कि यह हादसा कुलदीप सिंह सेंगर के कहने पर हुआ था।

कार ने एक्टिवा को टक्कर मारी:सौ फीट घिसटते हुए गए युवक-युवती, हालत गंभीर; पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लिया

इंदौर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के विजय नगर में एक कार ने एक्टिवा को टक्कर मार दी। दुर्घटना से एक्टिवा करीब 100 फीट घिसटते हुए चली गई, जिसमें एक युवक एवं युवती गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार जब्त कर ड्राइवर को हिरासत में लिया है। कार पर 'करणी सेना परिवार' लिखा है। विजय नगर पुलिस के मुताबिक हादसा सयाजी चौराहे के पास हुआ है। घटना रात करीब 2:30 बजे की है। सयाजी पेट्रोल पंप की ओर से चौराहे पर मुड़ रही एक्टिवा एमपी20-एसएल-8410 को बापट चौराहे से विजय नगर की ओर जा रही तेर रफ्तार कार एमपी13-सीई-2080 ने सामने से टक्कर मार दी। एक्टिवा पर सवार युवक हर्ष सोनी और युवती भवानी यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।

जोहरान ममदानी ने उमर खालिद को लिखा पत्र, भड़का विहिप

कहा- हिंदुओं के उत्पीड़न पर क्यों नहीं बोलते

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और दिल्ली दंगों के मामले में आरोप उमर खालिद को न्यूयॉर्क के नए मेयर जोहरान ममदानी ने पत्र लिखा है। इसके लेकर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने पलटवार किया है। वहीं पूर्व कूटनीतिज्ञ केपी फेबियन ने भी इस प्रतिक्रिया दी है। वीएचपी प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, ताज्जुब होता है कि अभी-अभी नए मेयर बने हैं। मेयर न्यूयॉर्क के बने हैं और निष्पक्ष मुकदमे के लिए भारत को बोल रहे हैं। अमेरिका में जो नस्लवाद चल रहा है, उस पर कहा होता तो समझ में आता। ये जो कानून निर्माता हैं।। जब वहां पर हमारे मंदिरों पर हमले होते हैं, तब ये चुप्पी साध जाते हैं। आखिरकार ये कानून निर्माता तब क्यों नहीं बोलते, जब बांग्लादेश, पाकिस्तान अफगानिस्तान में हिंदुओं का उत्पीड़न होता है।

आप समझिए अफगानिस्तान में हम (हिंदू समुदाय) लगभग शून्य (आबादी) पर आ गए। पाकिस्तान के अंदर एक फीसदी रह गए। बांग्लादेश के अंदर 37 फीसदी थे, अब सात फीसदी पर आ गए। लेकिन इनमें कोई सीनेटर बोला है क्या? ममदानी खुद को भारतीय मूल का बताते हैं, लेकिन इनका कैसा मूल है, यह उनके पहले बयान से ही पता लग रहा है।

'भारत के कानून में दखल देने का अधिकार नहीं'

बंसल ने आगे कहा, भारत की न्याय व्यवस्था इतनी सुदृढ़ है, भारत का लोकतंत्र इतना जबरदस्त है कि इसकी बराबरी अमेरिका भी नहीं कर पाएगा। इसीलिए इसे लोकतंत्र की मां कहा जाता है। शरजील इमाम, उमर खालिद।।इस तरह के आतंकी मानसिकता के जो लोग हैं, उनको इसलिए बचाना चाहते हो कि वे मुसलमान हैं? कम से कम न्यूयॉर्क के मेयर को ऐसा तो नहीं सोचना चाहिए। जो अपने आपको कानून निर्माता कहते हैं, उनको भारत के कानून के अंदर दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। उनको अपनी अंतर-आत्मा में झांकना चाहिए।

भारत में निष्पक्ष मुकदमेबाजी पूरी दुनिया के अंदर प्रसिद्ध है। देखिए जो आतंकी हैं, अलगाववादी हैं।।।भारत तेरे टुकड़े होंगे-इंशाल्लाह इंशाल्लाह।। इस तरह के नारे लगाने वाले, दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वाले, दर्जनों लोगों को मरवाने वाले।।उनकी आप पैरवी कर रहे हैं? पत्र लिख रहे हैं? शर्म आनी चाहिए।

हमारे अंदरूनी मामलों में भी रुचि ले सकते हैं विदेशी: केपी फेबियन

वहीं, पूर्व कूटनीतिक केपी फेबियन ने कहा, बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, एक हिंदू पर हमला हुआ, वह बांग्लादेश का आंतरिक मामला है। लेकिन हम चिंतित हैं। इसलिए, आपका यह मानना कि कुछ चीजें आंतरिक होती हैं, इसलिए विदेशी उनमें रुचि नहीं ले सकते, गलत है, क्योंकि हम अलग तरह से व्यवहार करते हैं। वह (जोहरान ममदानी) इसमें रुचि क्यों नहीं ले सकते? भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसलिए भारत में जो कुछ भी होता है, वह बाकी दुनिया के लिए रुचिकर है।

इंदौर मामले में 15 मौत का दावा

उमा भारती ने सरकार को घेरा, कहा- 'घोर प्रायश्चित करना होगा'

इंदौर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश ही नहीं, पूरे देश का सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर में दूषित पानी से करीब 9 लोगों की जान चली गई है। 9 की मौत का आंकड़ा आधिकारिक है, लेकिन बीजेपी पार्षद कमल वाघेला ने 15 लोगों की मौत का दावा किया हैं। वहीं, इस गंभीर मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी की सीनियर नेता उमा भारती ने मोहन यादव सरकार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इंदौर दूषित पानी मामले का संज्ञान लेते हुए उमा भारती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है, साल 2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुई मौतें हमारा प्रदेश, हमारी सरकार और हमारी पूरी व्यवस्था को शर्मिंदा और कलंकित कर गईं। प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहर का अवॉर्ड प्राप्त करने वाले नगर में इतनी बदसूरती, गंदगी, जहर मिला पानी जो कितनी जिंदगियों को निगल गया और निगलता जा रहा है, मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है।

वहीं, उमा भारती ने लिखा, जिंदगी की कीमत दो लाख रुपये नहीं होती क्योंकि उनके परिजन जीवन भर दुःख में डूबे रहते हैं। इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा। पीड़ितजन से माफी मांगनी होगी और नीचे से लेकर ऊपर तक जो भी अपराधी हैं उन्हें अधिकतम दंड देना होगा।

मोहन भागवत का भोपाल दौरा, कई कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

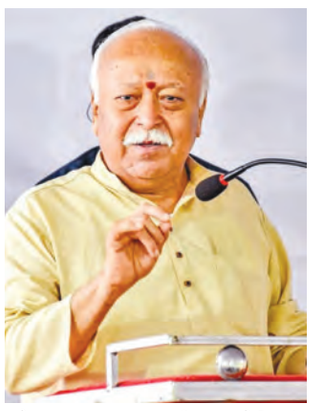

भोपाल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत शुक्रवार से दो दिन के भोपाल दौरे पर रहेंगे। अपने इस दौरे के दौरान वह कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर और रवींद्र भवन में होने वाले कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मोहन भागवत 2 और 3 जनवरी को भोपाल में अलग-अलग सेशन में सामाजिक और धार्मिक नेताओं, युवाओं और महिलाओं की सभा को संबोधित करेंगे।

संघ प्रमुख शुक्रवार को 'युवा संवाद' और 'प्रमुखजन गोष्ठी' करेंगे। इसके बाद, शनिवार को 'सामाजिक सद्भाव बैठक' और 'शक्ति संवाद' होगी। भोपाल में आरएसएस के एक सीनियर पदाधिकारी के अनुसार, 'प्रांत' के सभी 31 जिलों (प्रशासनिक ढांचे के अनुसार 16 जिले) के युवा, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में खास योगदान दिया है और पहचान बनाई है, इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पदाधिकारी ने बताया कि रवींद्र भवन के एक ऑडिटोरियम में जाने-माने नागरिकों के साथ बातचीत होगी, जिसमें भोपाल डिवीजन के अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियों को बुलाया गया है।

मोहन भागवत शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में होने वाली 'सामाजिक सद्भाव बैठक' को भी संबोधित करेंगे, जिसमें अलग-अलग समुदायों के जाने-माने सदस्य शामिल होंगे। आरएसएस कार्यालय द्वारा हाल ही में जारी एक बयान के अनुसार, पिछले 10 महीनों में यह भागवत का मध्य प्रदेश का 5वां दौरा होगा।

दिल्ली के कर्मचारी को पंजाबी बोलने-पढ़ने पर मजबूर किया

अमृतसर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठी के बाद अब पंजाब के अमृतसर में डाकघर में तैनात पोस्टल असिस्टेंट को पंजाबी पढ़ने-बोलने के लिए मजबूर किया गया। पोस्टल असिस्टेंट मूल रूप से दिल्ली के रहने वाले हैं। यहां एक पंजाबी युवक काम कराने आया और कहा कि पंजाब में हो तो पंजाबी आनी चाहिए। यह मामला 30 दिसंबर का है, जिसके बाद इसका वीडियो वायरल हुआ था। अब इस मामले में पोस्टल असिस्टेंट पहली बार सामने आए। उन्होंने कहा कि मैं 4 साल से अमृतसर पोस्ट ऑफिस में हूं। मुझे हिंदी और अंग्रेजी पूरी आती है। मगर, मुझ पर पंजाबी बोलने-पढ़ने का दबाव बनाया गया। उन्होंने इस मामले में युवक पर कार्रवाई की मांग की।

क्या नई मुसीबत में फंसेंगे केजरीवाल?

'एफआईआर दर्ज कराएगी दिल्ली सरकार'; कुत्ते गिनवाने के बयान से पैदा हुआ विवाद

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शिक्षकों से कुत्ते गिनवाने का आरोप लगाने पर दिल्ली सरकार एक्शन लेनी की तैयारी में है। इस बयान को लेकर दिल्ली सरकार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज कराएगी। दिल्ली के गृह व शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने सोच विचार कर यह फैसला लिया है कि चंडीगढ़ में बैठकर केजरीवाल सोशल मीडिया पर जिस तरीके से दिल्ली सरकार को बदनाम करने की साजिश के तहत अपने एक्स हैंडल से पोस्ट कर रहे हैं।

सरकार इस बारे में सख्ती से कदम उठाने जा रही है। बता दें कि केजरीवाल ने कुछ दिन पहले अपने एक एक्स अकाउंट से पोस्ट किया था कि दिल्ली के शिक्षक बच्चों को पढ़ाएं या कुत्ते गिनें। सूद ने कहा कि जिस सर्कुलर को लेकर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल दिल्ली सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, उस सर्कुलर में कहीं पर कुत्ते गिरने की बात नहीं लिखी है। सूद ने कहा कि केजरीवाल बताएं कि किस सर्कुलर में कुत्ते गिनने की बात है, अगर नहीं है तो जनता से माफी मांगे अन्यथा कल उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

पुलिस को कहा गया है कि पुलिस मामले की जांच करे और जिन लोगों को एक साजिश के तहत शिक्षक बनाकर इस मामले में बयान दिलवाए गए हैं, वह सच्चाई भी सामने आएगी।

हर हफ्ते नहीं मिली मजदूरी तो 15 दिन में मिलेगा ब्याज भी- शिवराज सिंह चौहान

अहमदनगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के लोनी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा की जगह लेने वाली नई स्कीम वीबी जी राम जी के तहत मजदूरी करने वाले मजदूरों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान करना अनिवार्य कर दिया गया है। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के लोनी बुद्रुक में एक विशेष ग्राम सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नए विकसित भारत-जी ग्राम जी अधिनियम 2025 के बहुत से फायदे हैं। उनमें से एक ये है कि इसके तहत काम करने वाले हर मजदूर को 1 सप्ताह के भीतर मजदूरी देनी होगी और अगर ऐसा 15 दिन के भीतर नहीं होता है तो मजदूरों को 0.05% की दर से ब्याज के रूप में अतिरिक्त मजदूरी दी जाएगी।

इस स्कीम के फायदे बताते हुए चौहान ने कहा कि नया कानून 125 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी देता है, जिसमें एक हफ्ते के अंदर मजदूरी का पेमेंट करना जरूरी है। अगर 15 दिन से ज्यादा की देरी होती है, तो मजदूरों को 0.05 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह एक्ट एमजीएनआरईजीए को ज्यादा असरदार, पारदर्शी और जवाबदेह बनाकर इसे मजबूत बनाता है।

चौहान ने आगे कहा कि अब कामों पर फैसले स्थानीय जरूरतों के हिसाब से ग्राम सभा लेगी। इस योजना में पानी बचाने, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, रोजी-रोटी से जुड़ी एक्टिविटीज और आपदा राहत शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि कम से कम 33 प्रतिशत काम महिलाओं के लिए रिजर्व हैं, जबकि राज्यों को पीक सीजन के दौरान 60 दिनों तक खेती के कामों में मजदूरों को लगाने का अधिकार दिया गया है। समय पर पेमेंट और आसानी से लागू करने के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव खर्च 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है।

एक्सटॉर्शन का दोषी शख्स लड़ सकेगा बीएमसी का चुनाव, हाई कोर्ट ने दिया बेहद अहम फैसला

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में हो रहे बीएमसी चुनावों में उगाही जैसे गंभीर आरोप के बावजूद एक दोषी शख्स अब चुनाव लड़ सकेगा। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में 43 साल के विनोद घोगले की दोषसिद्धि पर अस्थायी रोक लगा दी है। इससे उसे आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका या बीएमसी चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत मिल गई है। घोगले अब तक इस मामले में करीब 7 साल की जेल की सजा काट चुका है। यह पूरा मामला साल 2009 से जुड़ा हुआ है, तब घोगले पर उगाही का आरोप लगा था और उसे महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम या एमसीओसीए जैसे सख्त कानून के तहत दोषी ठहराया गया था।

घोगले ने हाई कोर्ट में दायर की थी अपील

बता दें कि सजा मिलने की वजह से वह जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के नियमों के अनुसार चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो गया था। इस कानून में साफ कहा गया है कि अगर किसी व्यक्ति को 2 साल से ज्यादा की सजा मिली हो, तो वह चुनाव नहीं लड़ सकता। लेकिन घोगले ने अपनी सजा के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। अदालत में सुनवाई के दौरान जजों ने माना कि अपील पर फैसला आने तक दोषसिद्धि पर रोक लगाना जरूरी है। इससे घोगले को ऐसी अपूरणीय क्षति नहीं होगी जो बाद में ठीक न की जा सके। अदालत ने यह भी कहा कि उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए।

अंतिम फैसला आने तक ही सजा पर रोक

हाई कोर्ट ने साफ-साफ बताया कि यह राहत सिर्फ अस्थायी है और अपील पर अंतिम फैसला आने तक ही रहेगी। अदालत ने जोर देकर कहा कि चुनाव लड़ने का अधिकार हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाई जाती, तो घोगले को ऐसा नुकसान हो सकता था जिसकी भरपाई बाद में मुमकिन नहीं होती। इस फैसले के बाद अब घोगले बीएमसी चुनाव में अपनी किस्मत आजमा सकेगा। मुंबई के राजनीतिक और कानूनी हलकों में इस फैसले को काफी अहम माना जा रहा है।

अवैध रॉक ब्लास्टिंग से चार तेंदुओं की गई जान, जांच के आदेश

बेंगलुरु, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु के पास बसवनतारा वन क्षेत्र में एक मादा तेंदुए और उसके अजन्मे शावकों की मौत हो गई। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। शुरुआत में यह मामला अवैध रॉक ब्लास्टिंग का सामने आ रहा है। राज्य के वन मंत्री का यह निर्देश बेंगलुरु शहर मंडल के अंतर्गत कग्गलीपुरा रेंज के वन कर्मचारियों द्वारा नियमित गश्त के दौरान एक तेंदुए का शव मिलने के बाद आया है। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने एक नोट में कहा, '27 दिसंबर, 2025 को कग्गलीपुरा रेंज के बसवनतारा वन क्षेत्र में गश्त के दौरान सर्वेक्षण संख्या 51 में एक तेंदुए का शव मिला। प्रारंभिक आकलन से पता चला है कि 3-4 वर्ष की मादा तेंदुए की मृत्यु दो-तीन दिन पहले हुई थी।

पोस्टमार्टम में उसके गर्भ में तीन शावक भी पाए गए।' वन मंत्री ने आगे बताया कि 'ऐसा अनुमान लगाया गया है कि पास में ही खदान से बड़े पत्थरों के विस्फोट के कारण तेंदुए की मौत हुई है और इस संबंध में एफआईआर भी दर्ज कर ली गई है।' खंड्रे ने आगे कहा कि इस मामले में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। यशवंतपुर विधायक एस टी सोमशेखर ने मादा तेंदुए की मौत हो जाने पर कई तरह के आरोप लगाए थे। वन मंत्री ने इन आरोपों का जवाब देते हुए बताया कि यह पता लगाने के लिए व्यापक जांच करने के निर्देश दिए गए हैं कि क्या वन क्षेत्र के भीतर खनन गतिविधि हो रही है या नहीं। इसके साथ ही वन्यजीवों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई शुरू की जाएगी।

ठंड ने दिखाए तेवर, कई जगह गिरा पारा, अगले 7 दिन कैसा रहेगा मौसम

कोलकाता, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल 2026 की शुरुआत पश्चिम बंगाल में हाड़ कंपा देने वाली ठंड के साथ हुई है। पिछले मानसून में भारी बारिश देखी गई थी। मई से शुरू होकर अक्टूबर तक बार-बार बारिश हुई। अब सर्दी भी अपना जलवा दिखा रही है। पूरे बंगाल में लगातार ठंड का अहसास हो रहा है। 2025 का आखिरी दिन मौसम का सबसे ठंडा दिन था।

नए साल में भी ठंड का असर रहा। 1 जनवरी को पूरे राज्य में ठंड महसूस हुई। पिछले चौबीस घंटों में बंगाल में शुष्क मौसम रहा। रात में तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस कम था। सुबह कोहरा था। कोलकाता हवाई अड्डे पर भी कोहरा था। अलीपुर मौसम विभाग के मुताबिक, अगले सात दिनों तक दक्षिण बंगाल में ऐसा ही मौसम रहेगा। हालांकि, उत्तर बंगाल में दो-तीन दिन छिटपुट बारिश हो सकती है। पर्यटकों के लिए खुशखबरी है। दार्जिलिंग की ऊंची जगहों पर बर्फबारी की संभावना है। पश्चिम और पूर्वी बर्धमान, बीरभूम, मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, उत्तर और चौबीस परगना में घना कोहरा रहेगा। बाकी जिलों में हल्का कोहरा रहेगा, ऐसा अनुमान है। अगले 24 घंटों में उत्तर बंगाल में भी हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा।

6-7 जनवरी से तापमान फिर से गिरेगा

अगले दो दिनों में रात में न्यूनतम तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ेगा। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि उत्तर-पश्चिम की ओर पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव होगा। हालांकि, इससे ठंड का अहसास कम नहीं होगा। बल्कि ठंड और बढ़ सकती है। 6-7 जनवरी से तापमान फिर से गिरेगा। विक्षोभ के हटते ही पारा नीचे आएगा। कल, 31 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस था। आज, 1 जनवरी को नए साल के पहले दिन न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस था। कल न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। परसों, शनिवार को न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। उसके बाद तापमान फिर से गिरेगा, ऐसा मौसम विभाग का अनुमान है।

ठंड का भरपूर आनंद ले रहे हैं लोग

बंगाली लोग ठंड का भरपूर आनंद ले रहे हैं। साल के पहले दिन से ही पूरा बंगाल उत्सव के मूड में है। कोलकाता से लेकर जिलों तक आज उत्सव का माहौल है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भीड़ है। ठंड के कारण सुबह से ही अलीपुर चिड़ियाघर में पर्यटकों की भीड़ है। बच्चे खुश हैं। निको पार्क में सुबह से ही टिकट काउंटर पर लंबी कतारें लगी हैं। साइंस सिटी सहित सभी दर्शनीय स्थलों पर भीड़ है।

हाशिम बाबा के खिलाफ बोल रहा था, इसलिए निपटा दिया'

लारेंस बिश्नोई गैंग ने ली वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। उत्तरी पूर्वी दिल्ली के गैंगस्टर हाशिम बाबा के लिए बिश्नोई गैंग ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। हालांकि पुलिस ने इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार कर बताया था कि आपसी रंजिश के चलते हत्या हुई है। वसीम की हत्या दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुई थी। आइए जानते हैं इस हत्याकांड की पुरी कहानी क्या है। मामले को पुलिस ने कुछ ही घंटों में सुलझा लिया है। पुलिस ने इस सनसनीखेज मर्डर केस में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया है।

30 और 31 दिसंबर की रात शास्त्री पार्क स्थित जेपीसी अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली थी कि चाकू लगने से घायल एक शख्स को अस्पताल लाया गया है, जिसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क निवासी 33 साल वर्षीय वसीम के रूप में हुई थी। जांच में सामने आया कि वसीम पर डीडीए पार्क के पीछे बने लूप के पास चाकू से हमला किया गया था।

सूचना मिलते ही शास्त्री पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए और हत्या का केस दर्ज किया गया। इसके बाद एसएचओ इंस्पेक्टर मनजीत तोमर के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय सूत्रों और अन्य तकनीकी सबूतों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस ने दो सगे भाइयों 26 साल के शाकिर और 22 साल के इस्लाम उर्फ बॉर्डर को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी भी बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क के ही रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की बात कबूल कर ली। उन्होंने बताया कि मृतक वसीम के साथ उनका पहले से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में उन्होंने उस पर चाकू से हमला किया।

इंदौर दूषित पानी मामले में बीजेपी पार्षद का खुलासा- 'तीन साल से कर रहे थे शिकायत, किसी ने नहीं सुनी'

इंदौर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से लोगों की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस पूरे घटनाक्रम पर भागीरथपुरा के कमल बाघेला ने प्रशासन और सिस्टम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने साफ कहा कि यह पूरी तरह सिस्टम की लापरवाही का नतीजा है।

कमल बाघेला ने बताया कि उन्होंने दूषित पानी की समस्या को लेकर तीन साल पहले ही शिकायत दर्ज कराई थी। उस समय भी इलाके में लोगों को गंदा और बदबूदार पानी मिल रहा था। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। बीजेपी पार्षद ने कहा कि सिर्फ मौखिक ही नहीं, बल्कि करीब 6 महीने पहले उन्होंने लिखित में भी संबंधित विभागों को शिकायत दी थी। शिकायत में साफ तौर पर चेतावनी दी गई थी कि अगर समय रहते सुधार नहीं हुआ तो बड़ा हादसा हो सकता है। बावजूद इसके अधिकारियों ने आंखें मूंदे रखीं। कमल बाघेला ने कहा कि अब तक जो कार्रवाई की गई है, उससे वह बिल्कुल संतुष्ट नहीं हैं।

उनका कहना है कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से लोगों की जान गई, उन पर हत्या का प्रकरण दर्ज होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस मामले में उनकी खुद की कोई जिम्मेदारी बनती है, तो उन पर भी कार्रवाई की जाए। मौतों के आंकड़ों को लेकर हो रहे कन्फ्यूजन पर भी कमल बाघेला ने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि अब तक 12 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। जिन लोगों की मौत अस्पताल के बजाय घर पर हुई, उन्हें अब तक गिनती में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी मौतों को आधिकारिक आंकड़ों में शामिल कराया जाएगा। बीजेपी पार्षद ने आशंका जताई कि सप्लाई किए जा रहे पानी में किसी तरह का केमिकल मिला हो सकता है।

2026 में जबलपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस होंगे सेवानिवृत्त

6 अन्य जज का भी इसी साल रिटायरमेंट, वर्तमान में 42 जज पदस्थ;4 लाख 82 हजार केस लंबित

जबलपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में आने वाले समय में जजों की संख्या को लेकर गंभीर स्थिति बन सकती है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा आगामी 25 दिसंबर 2026 को सेवानिवृत्त होंगे। उनके साथ ही इसी वर्ष हाईकोर्ट के सात अन्य जज भी रिटायर होने जा रहे हैं। यदि इस दौरान नई नियुक्तियां नहीं हुईं तो हाईकोर्ट में जजों की संख्या घटकर महज 35 रह जाएंगी। वर्तमान में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में 42 जज पदस्थ हैं, जबकि स्वीकृत पदों की कुल संख्या 53 है। पहले से ही 11 पद रिक्त हैं और रिटायरमेंट के बाद यह अंतर और बढ़ने की आशंका है।

इधर, हाईकोर्ट में लंबित मामलों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 तक पेंडिंग मुकदमों की संख्या 4 लाख 82 हजार 747 तक पहुंच चुकी है। जजों की कमी के चलते मामलों के निराकरण की गति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। कानूनी जानकारों का मानना है कि समय रहते नई नियुक्तियां नहीं की गईं, तो न्यायिक प्रक्रिया पर इसका सीधा असर पड़ेगा और आम लोगों को न्याय के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

राजू की तलाश में 6 राज्यों की पुलिस

भोपाल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भोपाल के ईरानी डेरा अमन कॉलोनी के प्रमुख कुख्यात राजू ईरानी और उसके गिरोह के पांच सदस्यों की तलाश में 6 राज्यों की पुलिस ने भोपाल में डेरा डाल रखा है। इसी के साथ भोपाल पुलिस ईरानी डेरा को अपराधियों को संरक्षण देने वाले तमाम राज्यों में मौजूद उनके करीबियों का डेटा तैयार कर रही है। गिरफ्तार ईरानी गैंग के सदस्यों से उनके काम करने के तरीके, संरक्षण देने वाले और अन्य राज्यों में रहने वाले उनके रिश्तेदारों की जानकारी पुलिस ने हासिल की थी। भोपाल के ईरानी गैंग के सदस्य वारदातों के बाद प्रमुख रूप से नर्मदापुरम, देवास, मुंबई, बैंगलुरू, दिल्ली, छत्तीसगढ़ जैसे जगहों में फरारी काटने जाते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 3 जनवरी, 2026 3

सुविचार

सुनना सिख लो तो सहना सिख जाओगे
और सहना सिख लिया तो रहना सिख जाओगे!

नागरिक सुविधाओं को मजबूत करेगी सरकार : पोन्नम

नवनिर्मित चिकड़पल्ली-दोमलगुड़ा लिंक ब्रिज का उद्घाटन

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनता सरकार हैदराबाद के बढ़ते आकार के अनुरूप बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना बना रही है।

मंत्री और मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने हुसैन सागर के अधिशेष नाले पर नवनिर्मित चिकड़पल्ली-दोमलगुड़ा लिंक ब्रिज का उद्घाटन किया। यह पुल ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम द्वारा 6 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और यह केंद्रीय हैदराबाद में कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण सुधार लाने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में सांसद अनिल कुमार यादव, विधायक मुत्था गोपाल, उपमहापौर श्रीलता शोभन रेड्डी, जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्नान, अतिरिक्त कमिश्नर रघु प्रसाद, सीई प्रोजेक्ट्स भास्कर रेड्डी, जोनल कमिश्नर रवि किरण, स्थानीय पार्षद और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री प्रभाकर ने कहा कि आउटर रिंग रोड के भीतर और आसपास के नगरपालिकाओं के विलय के बाद, ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र आकार और जनसंख्या दोनों के लिहाज से देश का सबसे बड़ा शहर बन गया है। उन्होंने कहा, इतने बड़े शहर में सड़कों, वर्षा जल निकासी, स्ट्रीट लाइटिंग, पार्क और अन्य नागरिक सुविधाओं का विकास जनसंख्या के अनुपात में होना चाहिए। मुख्यमंत्री इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक योजनाओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में पोन्नम प्रभाकर ने आश्वासन दिया कि सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को समन्वित तरीके से शामिल करके नागरिक सुविधाओं में सुधार और बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी। चिकड़पल्ली-दोमलगुड़ा लिंक ब्रिज के खुलने से यात्रियों को राहत मिली है। अब इस पुल के खुलने के बाद चीकड़पल्ली से अशोक नगर और दोमलगुड़ा तक- और आगे लिबर्टी जंक्शन, जीएचएमसी मुख्यालय और सचिवालय तक यात्रा का समय लगभग आधा होने की उम्मीद है। नाले के दोनों ओर कॉलोनियों के निवासियों ने पुल के खुलने पर खुशी जताई और राज्य सरकार और जीएचएमसी को लंबे समय से चली आ रही यात्रा संबंधी कठिनाइयों को कम करने के लिए धन्यवाद दिया।

पुलिस उप-निरीक्षक को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

संगारेड्डी, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने कोल्लूर पुलिस स्टेशन में पुलिस उप-निरीक्षक रमेश को 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार, उप-निरीक्षक ने एफआईआर से एक व्यक्ति का नाम हटाने के बदले यह राशि मांग थी। एसीबी ने मौके पर कार्रवाई कर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। अधिकारियों ने कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है।

अवैध हथियार के साथ एक युवक गिरफ्तार, दो आरोपी फरार

मध्य प्रदेश से 80 हजार में खरीदा था देशी पिस्टल

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस की स्पेशल क्राइम टीम ने हुसैनी आलम थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक देशी पिस्तौल और मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार 31 दिसंबर 2025 को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कुतबुल्लापुर क्षेत्र निवासी 29 वर्षीय अमजद खान को पकड़ा गया। आरोपी चारमीनार क्षेत्र में व्यवसाय करता है और हाल ही में सऊदी अरब से लौटकर आया था। जांच में सामने आया कि अमजद खान ने करीब दस महीने पहले मध्य प्रदेश निवासी अविनाश उर्फ कल्लू से, एक अन्य व्यक्ति अमित के माध्यम से 80 हजार रुपये में 0.7 एमएम की देशी पिस्तौल खरीदी थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी इस हथियार को अपने पास रखकर आम लोगों को डराने-धमकाने में इस्तेमाल करता था। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्तौल और एक वनप्लस मोबाइल फोन बरामद किया गया। इस मामले में मुख्य आरोपी अमजद खान को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अविनाश और अमित फरार बताए जा रहे हैं।

उनकी तलाश के लिए पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं। यह कार्रवाई स्पेशल क्राइम टीम के निरीक्षक डी. भिक्षापति के नेतृत्व में, एसीपी जी. वेंकटेश्वर रेड्डी की निगरानी में की गई। पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि जिनके पास अवैध हथियार हैं, वे स्वेच्छा से नजदीकी पुलिस थाने में जमा करा दें। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

नकली रेबीज टीके को लेकर चिंता बढ़ी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में जीवन रक्षक रेबीज रोधी टीके के नकली संस्करणों के संबंध में नियामक प्राधिकरणों द्वारा समय पर जनता को सचेत न करने से आम लोगों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों में चिंता और गुस्सा बढ़ गया है।

जनवरी 2025 में हैदराबाद की कंपनी इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) ने नकली टीके का एक बैच (केए24014) सार्वजनिक किया था, लेकिन केंद्रीय औषधि नियामक और स्वास्थ्य मंत्रालय ने तत्काल सार्वजनिक चेतावनी जारी नहीं की। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और ब्रिटेन ने वैश्विक अलर्ट जारी कर चेतावनी दी कि 2023 के अंत से वितरित टीके अप्रभावी हो सकते हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवरंजनी संतोष ने कहा कि लोगों को नकली दवा मिलने की संभावना के बारे में सूचित न करना गंभीर नैतिक चूक है। आईआईएल ने सीडीएससीओ को सूचना दी थी, लेकिन आम जनता के लिए कोई सार्वजनिक सलाह नहीं दी गई। जनता में भ्रम और चिंता बढ़ गई है, क्योंकि स्वास्थ्य मंत्रालय और सीडीएससीओ ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है।

सावित्रीबाई फुले जयंती महिला शिक्षक दिवस के रूप में मनेगी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तीन जनवरी को सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती पूरे राज्य में महिला शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाएगी। जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जिला स्तर पर समारोह आयोजित करें और सरकारी, स्थानीय निकाय, केजीबीवी तथा मॉडल स्कूलों से प्रधानाध्यापक से लेकर सेकेंडरी ग्रेड शिक्षक संवर्ग तक की 10 सर्वश्रेष्ठ महिला शिक्षकों को सम्मानित करें। सम्मान समारोहों में जनप्रतिनिधियों, सामुदायिक नेताओं और शिक्षक संघों को आमंत्रित किया जाएगा। इन कार्यक्रमों पर होने वाला व्यय जिला शिक्षा अधिकारी के पास उपलब्ध निधि से वहन किया जाएगा। यह पहल महिलाओं की शिक्षा में सावित्रीबाई फुले के अग्रणी योगदान को सम्मान देने के लिए की जा रही है।

बीजेपी ने जीएचएमसी संशोधन विधेयक वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी विधायक पलवाई हरीश बाबू ने शुक्रवार को नगर पालिका एवं जीएचएमसी अधिनियम संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विधेयक में स्पष्टता का अभाव है और यह जनमत के खिलाफ है। बीजेपी विधायक ने कहा कि विपक्षी सदस्यों को विधेयक का पूरा विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया और जीएचएमसी के क्षेत्र को लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने के औचित्य पर सवाल उठाया। उन्होंने 51 ग्राम पंचायतों को नगरपालिकाओं में विलय करने और उन्हें तत्काल जीएचएमसी में शामिल करने का विरोध करते हुए कहा कि इससे गांवों की पहचान समाप्त हो जाएगी और करों में भारी वृद्धि होगी। हरीश बाबू ने चेतावनी दी कि इससे पारंपरिक पेशों पर खतरा मंडरा रहा है और उन्होंने इन विलयों के पीछे राजनीतिक मंशा होने का आरोप लगाया।

तेलंगाना के मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र शुक्रवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में महाप्रबंधक, एससीआर संजय कुमार श्रीवास्तव से मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

कोयला उत्पादन में गिरावट से अधिकारी चिंतित

मंचरियाल, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के श्रीरामपुर और मंदामारी क्षेत्रों में दिसंबर 2025 में कोयला उत्पादन में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे अधिकारियों में चिंता बढ़ गई है। श्रीरामपुर क्षेत्र में 5.90 लाख मीट्रिक टन के मासिक लक्ष्य के मुकाबले केवल 3.34 लाख मीट्रिक टन कोयले का उत्पादन हुआ, यानी लक्ष्य की 57 प्रतिशत उपलब्धि। खुले खदानों ने 95 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया, जबकि भूमिगत खदानों में केवल 46 प्रतिशत ही लक्ष्य हासिल हुआ। अधिकारियों ने बताया कि ऊपरी परत हटाने में देरी के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ। मंदामारी क्षेत्र में 2.57 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के मुकाबले 1.97 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हुआ, यानी 77 प्रतिशत। केके5 भूमिगत खदान में लक्ष्य से अधिक 103 प्रतिशत उत्पादन हुआ, जबकि केके ओसीपी और कासिपेट भूमिगत खदानों में क्रमशः 79 प्रतिशत और 65 प्रतिशत मासिक लक्ष्य हासिल हुआ। शांतिखानी भूमिगत खदान में दो महीने से खनन ठप्प रहा। इस बीच, गोलेटी (पूर्व बेलाम्पल्ली) क्षेत्र ने 3.92 लाख मीट्रिक टन कोयले का उत्पादन कर मासिक लक्ष्य का 112 प्रतिशत हासिल किया।

केटीआर ने मुसी लूटिफिकेशन पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार और गरीब-विरोधी एजेंडे का आरोप

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) ने शुक्रवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वे मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना को लेकर झूठ और ज़हर फैला रहे हैं और इसे तेलंगाना के इतिहास की सबसे बड़ी भ्रष्टाचार साजिश के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी के पास मूसी नदी को साफ करने की कोई वास्तविक दृष्टि नहीं है और वे उनकी कथित अवैध संपत्ति पर सवाल उठाने वालों से नाराज़ हैं।

उन्होंने कहा कि सदन में मुख्यमंत्री की भाषा प्रदूषित मूसी से भी अधिक बदबूदार थी। परियोजना के अनुमानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए केटीआर ने पूछा कि जब विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होने में अभी कम से कम एक साल लगेगा, तो सरकार 1.5 लाख करोड़ रुपये के खर्च की घोषणा कैसे कर सकती है। उन्होंने वैधानिक मंजूरियों और योजना पूरी होने से पहले ही गरीबों के घर गिराए जाने पर भी स्पष्टीकरण मांगा। केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर मूसी ब्यूटीफिकेशन के नाम पर बड़े पैमाने पर वित्तीय लूट की योजना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि परियोजना के प्रमुख हिस्से मेनहार्ट नामक कंपनी को सौंपने की कोशिश की जा रही है, जिसे उन्होंने ब्लैकलिस्टेड और रेड कॉर्नर नोटिस का सामना करने वाली बताया।

ऐसी कंपनी को जिम्मेदारी सौंपना इस परियोजना के पीछे की साजिश को उजागर करता है। बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि वे आधिकारिक तौर पर मूसी के किनारे रहने वाले एक लाख से अधिक लोगों के घर गिराने की योजना घोषित कर चुके हैं, जबकि हिमायत सागर और उस्मान सागर के पास मंत्रियों द्वारा किए गए कथित अवैध निर्माणों पर आंखें मूंदे हुए हैं। कांग्रेस शासन का मतलब विकास नहीं, बल्कि ध्वस्तीकरण है। कांग्रेस और टीडीपी को दशकों की उपेक्षा के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए केटीआर ने कहा कि लगभग 60 वर्षों तक अविभाजित राज्य पर शासन करने वाली ये पार्टियां ही मूसी नदी के प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी स्वयं दोनों दलों का हिस्सा रहे हैं और उनके अतीत से बच नहीं सकते।

उन्होंने नलगोंडा जिले में फ्लोराइड समस्या के समाधान के लिए बीआरएस सरकार की मिशन भागीरथ योजना का श्रेय दिया। केटीआर ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे स्पष्ट करें कि मूसी पुनरुद्धार के लिए प्रस्तावित 20 टीएमसी गोदावरी जल क्या कालेश्वरम परियोजना से आएगा, और उन पर इस योजना के खिलाफ झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया, जबकि वे उसी पर निर्भर हैं। परियोजना के असली उद्देश्य को रियल एस्टेट शोषण बताते हुए केटीआर ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को हैदराबाद के केंद्रीय और कीमती इलाकों से बेदखल किया जा रहा है ताकि बेनामी और करीबी लोगों को फायदा पहुंचाया जा सके। बीआरएस सरकार के रिकॉर्ड को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पहले लगभग 16,000 करोड़ रुपये की लागत से मूसी पुनरुद्धार का मास्टर प्लान तैयार किया गया था, जिसमें वैश्विक निविदाओं के जरिए नौ प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया था और गरीबों को विस्थापित नहीं किया गया था। लागत को मनमाने ढंग से बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये करना केवल कमीशन की ओर इशारा करता है। अंत में केटीआर ने कहा कि कांग्रेस सरकार की कार्रवाइयों को जनता के सामने उजागर किया जाएगा और बीआरएस मूसी परियोजना से प्रभावित लोगों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

मुलुगु में 12 प्राचीन पत्थर के औजार खोजे गए

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम के तीन शोधकर्ताओं ने मुलुगु जिले के भूपतिपुर गांव में 12 पुरापाषाणकालीन पत्थर के औजारों की पहचान की है। ब्रुंडम के शोधकर्ताओं कोंडावेती गोपीवर प्रसाद राव, मोहम्मद नसीरुद्दीन और अहोबिलम करुणाकर ने 18.5498ओएन, 80.2680ओई निर्देशांक पर ये औजार खोजे। औजारों की लंबाई 3 से 6 इंच तक है और इनमें क्लीवर, स्क्रैपर, चॉपर, फ्लेक्स और हैंड एक्स शामिल हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन औजारों की निर्माण शैली से पता चलता है कि वे लगभग 40,000 वर्ष पुराने हैं। इनमें बाइकोन्वेक्स हैंड एक्स, यूनिफेशियल स्क्रैपर और बाइफेशियल क्लीवर भी शामिल हैं। ये सभी औजार गोदावरी नदी के ऊपरी बेसिन के पास देवदुला पाइपलाइन के पास पाए गए, जहां एक विशाल पुरापाषाणकालीन निर्माण स्थल भी मौजूद है।

एक इंच भी अतिक्रमण नहीं किया : बीआरएस विधायक

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक कोत्ता प्रभाकर रेड्डी ने शुक्रवार को दुर्गम चेरुवु के पास भूमि अतिक्रमण के आरोपों से इनकार किया और कहा कि टैंक क्षेत्र में उनकी कोई जमीन नहीं है।

उन्होंने इन आरोपों को निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए राज्य सरकार और एचएमडीए को किसी भी तरह के अतिक्रमण को साबित करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि यदि आरोप साबित होते हैं तो वे परिणाम भुगतने के लिए तैयार हैं। रेड्डी ने बताया कि जो जमीन पहले नीलामी में खरीदी गई थी, उसे बाद में अमान्य घोषित कर दिया गया और इसके बदले ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) के जरिए मुआवजा दिया गया। रेड्डी ने कहा कि पुलिस मामला केवल कथित निजी पार्किंग से जुड़ा है और वहां कोई सरकारी जमीन नहीं है।

अभिनेता बालकृष्ण और लहरी एस्टेट के हरिबाबू वहां जमीन के मालिक हैं। किसी ने भी व्यक्तिगत शिकायत दर्ज नहीं कराई है, शिकायत में केवल एचएमडीए का नाम है। उन्होंने कहा कि वे जांच में सहयोग करेंगे और चेतावनी दी कि यदि मामला वापस नहीं लिया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। हम कानूनी रूप से लड़ेंगे। मैं पुलिस स्टेशन जाकर जांच में सहयोग करूंगा।

यदि मामला बिना शर्त वापस नहीं लिया गया तो हम एफटीएल में बने मकानों के सामने धरना देंगे।

सरकार पर श्रीशैलम-जुराला जल डेटा छिपाने का आरोप

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा श्रीशैलम और जुराला जलाशयों के जल उपयोग डेटा को आधिकारिक सिंचाई निर्णय सहायता प्रणाली की वेबसाइट से हटा दिए जाने पर कड़ी आलोचना हो रही है। यह कदम विधानसभा में पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना पर होने वाली चर्चा से ठीक पहले उठाया गया, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, अक्टूबर 2025 तक जलाशयों का वर्तमान भंडारण, जल प्रवाह, बहिर्वाह और अन्य जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध थी। शुक्रवार को वेबसाइट अपडेट होने के बाद भी सरकार द्वारा डेटा तक पहुंच प्रतिबंधित कर दी गई, जिससे नवीनतम आंकड़े प्राप्त नहीं हो सके। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रमुख जलाशयों के जल उपयोग के आंकड़े नीति मूल्यांकन, सूचित बहस और सार्वजनिक निगरानी के लिए महत्वपूर्ण हैं। डेटा छिपाने से यह आरोप लगाया जा रहा है कि सरकार सिंचाई और जल प्रबंधन पर विपक्ष के सवालों से बचने की कोशिश कर रही है। सरकार ने अभी तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया है, लेकिन सार्वजनिक रूप से आंकड़े उपलब्ध कराने की मांग लगातार बढ़ रही है।

मैं पार्षद का बेटा हूं... बोलकर दरोगा को जड़ा थप्पड़

वाराणसी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी में भाजपा पार्षद के बेटे ने दरोगा को थप्पड़ जड़ दिया। मणिकर्णिका घाट के पास भीड़ ज्यादा थी। वहां पर नो-व्हीकल जोन लागू था। तभी 3 युवक बाइक से वहां आ गए। इस पर वहां तैनात दरोगा ने उनको रुकने के लिए कहा। युवक उसके बाद भी नहीं रुका। बोला- आप हमें कैसे रोक सकते हैं? हम पार्षद के बेटे हैं। इस पर दरोगा ने कहा कि ठीक है और उसे पीछे कर दिया। इस पर अचानक से उसने दरोगा को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद वहां मौजूद पुलिसकर्मी युवक लेकर चौक थाने ले आए। दरोगा की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं, युवक के परिजनों का आरोप है कि उसे पुलिस ने जमीन में बैठाए रखा, जिससे इसकी तबीयत बिगड़ गई। जबकि, उसने कुछ नहीं किया है। घटना का पता चलते ही बड़ी संख्या में भाजपाई थाने पहुंच गए और घेराव कर दिया। घटना चौक थाने से महज 50 मीटर की दूर स्थित मणिकर्णिका द्वार की है।

क्या लालू यादव की जमीनों की फाइल खुलने वाली है?

जेडीयू की मांग पर विजय सिन्हा के संकेत से बढ़ा सियासी पारा

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में भू-माफिया और जमीन दलालों के खिलाफ चल रहे सख्त अभियान ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री तथा उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की ओर से विभागीय अधिकारियों और माफियाओं पर लगातार कार्रवाई के बीच जेडीयू ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमीन संपत्तियों की जांच की मांग उठा दी है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से इस मामले में तत्काल कदम उठाने की अपील की जिस पर विजय सिन्हा ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि अगर जेडीयू नेता उनके 'भूमि सुधार जनकल्याण संवाद' कार्यक्रम में औपचारिक आवेदन देंगे तो विभाग और सरकार इस पर गंभीरता से विचार करेगी। बता दें कि जेडीयू की यह मांग ऐसे समय में आई है जब विजय सिन्हा विभाग की कमान संभालने के बाद भू-माफिया, दलालों और उनसे सांठगांठ रखने वाले अधिकारियों के खिलाफ आक्रामक अभियान चला रहे हैं।

जेडीयू की मांग से बढ़ा सियासी तापमान

दरअसल, पिछले दिनों उन्होंने कई जिलों में जनसंवाद कार्यक्रमों के जरिए आम लोगों की शिकायतें सुनीं और फर्जी दस्तावेजों, अवैध कब्जों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।विजय सिन्हा ने स्पष्ट किया कि उनका अभियान किसी व्यक्ति या दल विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून के दायरे में सभी दोषियों पर है। उन्होंने कहा कि वह किसी दबाव में नहीं आएंगे और यह मुहिम जारी रहेगी। इसी बीच जेडीयू नेता नीरज कुमार ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव की पटना और अन्य जगहों पर मौजूद जमीनों की जांच जरूरी है, खासकर हाल के राबड़ी देवी आवास विवाद के बाद। बता दें कि जेडीयू नेता लगातार लालू परिवार की संपत्तियों पर सवाल उठा रहे हैं, जिसमें तहखाने और छिपी संपत्ति के आरोप भी शामिल हैं।

आवेदन आएगा तो होगी कार्रवाई-विजय सिन्हा

इस बीच विजय सिन्हा ने मीडिया से बातचीत में दोहराया कि विभाग हर शिकायत पर कार्रवाई के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रमों में अगर कोई ठोस आवेदन आएगा तो अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए जाएंगे। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने साफ किया कि उनका अभियान किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की गड़बड़ियों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अगर जेडीयू या किसी भी दल के नेता उनके जनसंवाद कार्यक्रम में औपचारिक आवेदन देते हैं, तो विभाग और सरकार उस पर विचार जरूर करेगी। सिन्हा ने यह भी दोहराया कि बिहार में जमीन माफिया के खिलाफ उनका अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कार ने युवक को 10 किमी घसीटा, आधा शरीर खत्म

मिर्जापुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मिर्जापुर में भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई। कंबल बांटने के कार्यक्रम में बेकाबू कार घुस गई और स्कूटी सवार को रौंद दिया। टक्कर के बाद स्कूटी सवार पिछले बंपर में फंस गया। ड्राइवर ने कार फुल स्पीड में दौड़ा दी। जिसके बाद स्कूटी सवार करीब 10 किलोमीटर तक घिसटता चला गया। सड़क से रगड़ खाने की वजह से युवक के पीठ का हिस्सा घिसटकर फट गया। कमर के नीचे के हिस्सा का पता ही नहीं चला। एक पैर का मांस रगड़कर सड़क पर फैल गया। पैर में सिर्फ हड्डियां बचीं। एक हाथ कटकर अलग हो गया। सिर पीछे से फट गया। सड़क पर मांस के लोथड़े पड़े थे। युवक को घसीटने के बाद कार आगे जाकर पलट गई। हादसे में 10 लोग घायल भी हुए हैं। कार चालक को पुलिस ने पकड़ लिया है। हादसा गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे का अदलहाट थाना क्षेत्र के भुईली गांव के पास का है। कार पर पुलिस लिखा है।

तेजस्वी यादव 5 जनवरी को लौट सकते हैं पटना

3 जनवरी को तय होगा- किस पर गिरेगी चुनावी हार की गाज

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव एक बार फिर सक्रिय राजनीति में पूरी तरह लौटने की तैयारी में हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक तेजस्वी यादव 5 जनवरी को पटना वापस आ सकते हैं। उनकी इस वापसी को बिहार की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि इससे पहले 3 जनवरी को पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है, जिसमें हालिया चुनावी हार की समीक्षा और भविष्य की रणनीति पर गहन मंथन किया जाएगा।

एक अखबार के अनुसार 3 जनवरी को होने वाली बैठक में यह तय किया जाएगा कि चुनावी नतीजों में मिली हार की जिम्मेदारी किस पर तय की जाए। इस बैठक में संगठनात्मक स्तर पर बड़े फैसले लिए जा सकते हैं और कुछ नेताओं पर गाज गिरने की भी संभावना जताई जा रही है। पार्टी के अंदरखाने से मिल रही जानकारी के अनुसार, राजद नेतृत्व अब केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि ठोस कार्रवाई के जरिए संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाने के मूड में है।

हार को लेकर राजद ने तैयार की ग्राउंड रिपोर्ट!

तेजस्वी यादव पिछले कुछ समय से बिहार से बाहर थे। हालांकि उनके विदेश दौरे पर सत्ताधारी जदयू ने तीखा हमला किया था। उधर तेजस्वी बाहर रहने के बावजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से लगातार संपर्क में थे। चर्चा है कि इसी दौरान हार को लेकर ग्राउंड रिपोर्ट भी तैयार कराई गई है। अब पटना लौटने के बाद वे सीधे तौर पर संगठन और राजनीतिक गतिविधियों की कमान संभाल सकते हैं। माना जा रहा है कि उनकी वापसी के साथ ही राजद में सक्रियता बढ़ेगी और विपक्ष की राजनीति को नई धार मिलेगी।

गिर सकती है ऐसे नेताओं पर गाज

3 जनवरी की बैठक को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें संगठनात्मक बदलाव, जिला स्तर के नेताओं की भूमिका और चुनावी रणनीति की कमजोरियों पर खुलकर चर्चा होगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जिन नेताओं या पदाधिकारियों पर चुनाव के दौरान निष्क्रियता, गलत रणनीति या गुटबाजी का आरोप है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। कुछ जिलाध्यक्षों और प्रभारियों को हटाने या जिम्मेदारी बदलने जैसे फैसले भी लिए जा सकते हैं।

राजद के अंदर ये चर्चा भी

राजद के भीतर यह भी चर्चा है कि तेजस्वी यादव अब पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने की योजना पर काम कर रहे हैं। युवाओं और नए चेहरों को आगे लाने, संगठन में अनुशासन लागू करने और जनसरोकार के मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाने पर जोर दिया जा सकता है। तेजस्वी की पटना वापसी के बाद विपक्षी दलों के खिलाफ रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा।

बांग्लादेशी बताकर युवक की पिटाई, वीडियो वायरल, एसपी ने एसआईटी गठित कर गिरफ्तारी का दिया आदेश

मधुबनी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मधुबनी जिले से एक बेहद निंदनीय और चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां बांग्लादेशी होने के आरोप में एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित युवक की पहचान सुपौल जिले के निवासी एक मजदूर के रूप में हुई है, जो मधुबनी में रहकर फेरी लगाने का काम करता है।

वायरल वीडियो सामने आने के बाद मधुबनी के पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। एसपी ने सदर डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आदेश दिया है। इसके साथ ही पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है। एसपी योगेंद्र कुमार ने वायरल वीडियो में किए जा रहे दावों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि पीड़ित युवक बांग्लादेशी नहीं है, बल्कि वह पड़ोसी जिला सुपौल का निवासी है।

अंकिता भंडारी के लिए न्याय मांगने वाली एक्ट्रेस उर्मिला लापता

सहारनपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी मर्डर केस में न्याय की मांग करने वाली सहारनपुर की एक्ट्रेस उर्मिला सनावर लापता हैं। 4 दिन पहले वह फेसबुक पर लाइव आईं थी। वीडियो में दिख रहा है कि वह एक ऑटो से कहीं जा रही हैं। वह तेज-तेज रो रही हैं। उर्मिला कह रही हैं कि पुलिस मुझे निशाना बना रही है। मेरी जान को खतरा है।

उत्तराखंड की जनता को इस पूरे मामले में सच समझना चाहिए। चुप नहीं बैठना चाहिए। इसके बाद से उर्मिला का कोई सुराग नहीं लगा। उर्मिला के सभी मोबाइल बंद है। घर पर ताला है। उर्मिला कहां है, ये किसी को नहीं पता है। दरअसल, सहारनपुर की रहने वाली टीवी एक्ट्रेस उर्मिला सनावर ने 22 दिसंबर को बीजेपी विधायक सुरेश राठौर की कथित पत्नी उर्मिला सनावर ने फेसबुक पर लाइव आकर अंकिता भंडारी हत्याकांड में कई खुलासे करने का दावा किया।

उनके मुताबिक इस पूरे मामले में भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद दुष्यंत कुमार गौतम और यमकेश्वर ब्लॉक से पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ का हाथ था। जिसमें उन्होंने पीएम मोदी से इस मामले में सीबीआई जांच कराने की मांग रखी। जिसमें अंकिता भंडारी हत्याकांड में अगर 10 दिनों के अंदर सीबीआई जांच की संस्तुति नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। साथ ही उन्होंने दावा किया की सरकार सबूतों को छिपा रही है। ऑडियो सामने आने के बाद पूर्व विधायक सुरेश राठौर और एक्ट्रेस उर्मिला सनावर पर चार थानों में एफआईआर हुई। उर्मिला की तलाश में उत्तराखंड पुलिस सहारनपुर पहुंची। मगर पुलिस को एक्ट्रेस के घर पर ताला लगा हुआ मिला। पता चला कि उर्मिला पंजाब में शूटिंग कर रही हैं।

केजीएमयू में धर्मांतरण मामला आरोपी डॉक्टर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। यौन शोषण और धर्म परिवर्तन के आरोपी केजीएमयू के रेजीडेंट डॉक्टर रमीज मलिक के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया। पुलिस ने जिला कोर्ट में इसके लिए आवेदन किया था। उधर, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस की तीन टीमें अभी तक खाली हाथ हैं। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़िता का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया गया। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ गैर जमानती वारंट के लिए आवेदन किया था, जिसे कोर्ट ने जारी कर दिया है। रमीज की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने उत्तराखंड के खटीमा के अलावा बरेली व अन्य जगहों पर दबिश भी दी, लेकिन सफलता नहीं मिली। उसका मोबाइल फोन लगातार बंद जा रहा है। इस कारण पुलिस को सही लोकेशन नहीं मिल पा रही है। पुलिस रमीज के करीबियों के मोबाइल फोन की भी निगरानी कर रही है।

21 आईएएस अधिकारियों को प्रमोशन के बाद मिली नई तैनाती, नेहा शर्मा संभालेंगी बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार के नए साल के पहले बड़े प्रशासनिक फेरबदल में 2010 बैच की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नेहा शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें प्रभारी महानिरीक्षक निबंधन (आईजी रजिस्ट्रेशन) से स्थायी महानिरीक्षक निबंधन बनाया गया है। यह नियुक्ति प्रमोशन और पदोन्नति के साथ आई है, जो उनके करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। नेहा शर्मा पिछले कई महीनों से स्टांप एवं निबंधन विभाग में प्रभारी आईजी के रूप में कार्यरत थीं। अब सरकार ने उनकी भूमिका को स्थायी करते हुए पूर्ण महानिरीक्षक निबंधन की जिम्मेदारी सौंप दी है। यह विभाग संपत्ति रजिस्ट्रेशन, स्टांप ड्यूटी और राजस्व संग्रहण से जुड़ा महत्वपूर्ण महकमा है,

जहां पारदर्शिता और सुधार की बड़ी चुनौतियां हैं। नेहा शर्मा की इस नई भूमिका से विभाग में सुशासन और डिजिटलीकरण को गति मिलने की उम्मीद है। 2010 बैच की आईएएस नेहा शर्मा उत्तर प्रदेश कैडर की चर्चित अधिकारियों में शुमार हैं। उन्होंने रायबरेली, फिरोजाबाद, कानपुर नगर और गोंडा जैसे महत्वपूर्ण जिलों में जिलाधिकारी (डीएम) के रूप में कार्य किया है। गोंडा में उनकी तैनाती के दौरान सख्त प्रशासनिक फैसलों के लिए वे सुर्खियों में रही थीं। जुलाई 2025 में बड़े तबादलों में उन्हें गोंडा डीएम से हटाकर प्रभारी आईजी रजिस्ट्रेशन बनाया गया था। अब इस पद को स्थायी रूप तैनाती मिली है।

नए साल पर प्रेमिका से मिलने गया था युवक, आपत्तिजनक हालत में पकड़े जाने पर ग्रामीणों ने कराई शादी

बांका, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जमदाहा ओपी क्षेत्र के बोकनमा गांव अंतर्गत ठाकुर टोला में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ग्रामीणों ने एक प्रेमी युगल को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और काफी देर तक गांव में इसको लेकर चर्चा होती रही। जानकारी के अनुसार बोकनमा गांव निवासी आरती कुमारी का प्रेम प्रसंग कटोरिया थाना क्षेत्र के तिलैया गांव निवासी प्रकाश कुमार के साथ पिछले करीब आठ माह से चल रहा था। गुरुवार को प्रकाश कुमार बोकनमा गांव पहुंचा था। इसी दौरान ग्रामीणों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना दोनों पक्षों के स्वजनों को दी। स्वजनों के पहुंचने के बाद गांव के बुजुर्गों एवं गणमान्य लोगों की बैठक हुई। सामाजिक मर्यादा को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से दोनों की शादी कराई गई।

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होगा

य6 नए चेहरे होंगे शामिल, कई मंत्रियों का हो सकता है पत्ता साफ!

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नियुक्ति के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, अब मंत्रिमंडल विस्तार होगा और 6 नए चेहरे शामिल हो सकते हैं और कई चेहरों को हटाए जाने की भी चर्चा है। बताया जा रहा है कि इस पर कमेटी की एक अहम बैठक में भी चर्चा की गई। यह बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक नए प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद संघ, संगठन और सरकार की पहली संयुक्त बैठक थी, जिसमें आपसी परिचय भी हुआ।

भूपेंद्र चौधरी की मंत्रिमंडल में वापसी संभव

सूत्रों के मुताबिक, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को फिर से मंत्री बनाए जाने पर गंभीरता से विचार किया गया है। उनके साथ करीब 6 विधायकों को मंत्री बनाने की योजना है। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर खास जोर दिया जा रहा है।

कब हो सकता है विस्तार

फिलहाल योगी सरकार में 54 मंत्री हैं, जबकि अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। यानी 6 नए मंत्रियों को शामिल करने की गुंजाइश है। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली से मंजूरी मिलने के बाद जनवरी या फरवरी 2026 में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है, क्योंकि खरमास के बाद शुभ मुहूर्त उपलब्ध होंगे। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, यह मंत्रिमंडल विस्तार भाजपा के मिशन-2027 का अहम हिस्सा है।

जीविका दीदियों ने पाई बड़ी सफलता शहद उत्पादन से बन रहीं आत्मनिर्भर

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में 'जीविका' योजना से जुड़ी हजारों महिलाएं आज (2 जनवरी) मधुमक्खी पालन के जरिए आत्मनिर्भर बन रही हैं। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि शहद उत्पादन ने ग्रामीण महिलाओं को घर बैठे रोजगार दिया है और उनकी आमदनी में बड़ा इजाफा किया है। मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जीविका दीदियों द्वारा तैयार किया गया शहद न केवल राज्य में लोकप्रिय हो रहा है। बल्कि देश-विदेश तक अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने बताया कि इस पहल की शुरुआत वर्ष 2009 में मुजफ्फरपुर जिले से प्रायोगिक रूप में की गई थी। आज यह योजना बिहार के 20 जिलों तक फैल चुकी है।

मधुमक्खी पालन से जुड़ी करीब 11,855 महिलाएं

वर्तमान समय में राज्य के 90 प्रखंडों में करीब 11,855 महिलाएं मधुमक्खी पालन से जुड़ी हुई हैं। ये महिलाएं हर साल 10 से 12 करोड़ रुपये मूल्य का शहद उत्पादन कर रही हैं। इससे प्रति महिला को औसतन करीब 10 हजार रुपये प्रति माह की आमदनी घर बैठे हो रही है।

जीविका दीदियों के हाथों तेजी से बढ़ रहा शहद उत्पादन- श्रवण

श्रवण कुमार ने कहा कि जीविका दीदियों के हाथों शहद उत्पादन का काम तेजी से बढ़ रहा है। महिलाओं द्वारा तैयार शहद को प्रोसेसिंग और पैकेजिंग के लिए हिमाचल प्रदेश की एक कंपनी में भेजा जाता है। इसके बाद यह शहद देश के अलग-अलग राज्यों के साथ-साथ विदेशों में भी निर्यात किया जाता है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही महिलाएं

मंत्री ने कहा कि मधुमक्खी पालन महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक आसान और स्थायी माध्यम बनकर उभरा है। सरकार की यह पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। बल्कि बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही है।

'मुझे वोट नहीं दिया तो काम क्यों करूं'

मुसलमानों को लेकर नीतीश के एमपी देवेश ठाकुर का विवादित बयान

सीतामढ़ी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी से सांसद और जेडीयू नेता देवेश ठाकुर ने मुसलमानों को लेकर विवादित बयान दिया है। मुस्लिमों के बीच एक कार्यक्रम के दौरान देवेश ठाकुर ने मुस्लिमों पर निशाना साधते हुए कहा कि मुस्लिमों ने मुझे वोट नहीं दिया, उनके लिए मैं काम क्यों करूं। हालांकि इस दौरान मुस्लिम समाज के कुछ लोग सांसद देवेश ठाकुर को समझाने की कोशिश करते हैं। लेकिन सांसद देवेश ठाकुर लगातार आरोप लगाते रहे।

उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सांसद कहते सुने जा रहे हैं, "क्यों काम करूं मैं बाकियों के लिए, अपने कौम की तरफ से आप जिम्मेवारी नहीं ले सकते। जस्टिफिकेशन मत दीजिए, नहीं तो मैं कड़ा रुख अपनाऊंगा।" सांसद के इस बयान के सामने आते ही राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर लोग इस बयान को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

'सर, दोनों मुझे मार देंगे...' कंटेंट क्रिएटर शादाब जकाती और पत्नी पर युवक के गंभीर आरोप, महिला ने दी सफाई

मेरठ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ के गंगानगर निवासी सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर शादाब जकाती एक बार फिर विवादों में हैं। इंचौली निवासी खुर्शीद ने शादाब और अपनी पत्नी पर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं शिकायतकर्ता की पत्नी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उसी पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

खुर्शीद उर्फ सोनू टायर रिपेयरिंग का काम करता है। बृहस्पतिवार को खुर्शीद ने थाने पहुंचकर सुरक्षा की गुहार लगाई। खुर्शीद का आरोप है कि उसकी पत्नी और शादाब जकाती मिलकर उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोप है कि उसकी पत्नी कई-कई दिनों तक शादाब के साथ बाहर रहती है और विरोध करने पर गालियां व तलाक की धमकी देती है। खुर्शीद ने बताया कि वह बीमार है और हृदय संबंधी दिक्कत है। उसकी पत्नी शादाब के साथ देहरादून जा रही थी। आरोप है कि उसने अपनी बीमारी का हवाला देते हुए पत्नी को जाने से मना किया तो उसने कहा कि तू मर जा। पीड़ित का दावा है कि कोर्ट केस की बात करने पर उसे पैसों की धौंस दी जाती है। सीओ सदर देहात शिव प्रताप सिंह ने बताया कि खुर्शीद थाने आया था लेकिन उसने अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं दी है। लिखित शिकायत मिलने पर ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि शादाब जकाती मीडिया के सवालों का जवाब देने से बच रहे हैं।

पत्नी बोली- काम के बदले मिलते हैं पैसे, पति करता है मारपीट

मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिकायतकर्ता की पत्नी ईरम ने भी अपना पक्ष रखा। ईरम का कहना है कि शादाब जकाती पर लगाए गए सभी आरोप झूठे और निराधार हैं। वह शादाब के साथ वीडियो में बतौर कलाकार काम करती है जिससे मिलने वाले पैसों से वह अपने बच्चों का पेट पाल रही है। वीडियो के लिए ही वह अपनी मर्जी से शादाब के साथ जाती है। ईरम ने आरोप लगाया कि खुर्शीद उसके साथ मारपीट करता है और उसे पहले ही तलाक दे चुका है। इस मामले में ईरम ने इंचौली थाने में तहरीर भी दी है।

जहरीले पानी से अबतक 15 लोगों की मौत, उल्टी-दस्त के 338 नए केस; आईसीयू में 32 मरीज

इंदौर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण बीमार होने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गुरुवार को 338 नए मरीज मिले हैं। अभी-भी 32 मरीज आईसीयू में भर्ती है। जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। अब तक करीब 2800 मरीज सामने आ चुके हैं। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी की वजह से शुक्रवार को एक और बुजुर्ग महिला की मौत की जानकारी सामने आई है। इसके साथ ही दूषित पानी से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 15 पर पहुंच गया है। जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग महिला का अरविंदो अस्पताल में इलाज चल रहा था। भागीरथपुरा स्थित स्वास्थ्य केंद्र में सुबह से लेकर देर रात तक मरीज आते रहे।

ममता बनर्जी के अमित शाह को धमकी देने का मामला गरमाया, मिथुन चक्रवर्ती ने सीएम पर बोला तीखा हमला

कोलकाता, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा नेता और फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। मिथुन चक्रवर्ती ने ममता बनर्जी द्वारा कथित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और दावा किया कि इस बार बंगाल में भाजपा सरकार बनाएगी। सिलीगुड़ी में मीडिया से बात करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'उन्होंने (ममता बनर्जी) गृह मंत्री अमित शाह को धमकी दी। उनसे कहिए पूरी तरह धमकी दें, फिर मजा देखिएगा। वो पूरी तरह से बोलें कि अमित शाह को पश्चिम बंगाल में घुसने नहीं देंगे, फिर देखिएगा क्या होता है। ऐसे बोलने से क्या होता है। हम इस बार बंगाल में सरकार बनाएंगे ही बनाएंगे।'

मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का दौरा किया और वहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ममता बनर्जी सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसी दौरान ममता बनर्जी ने भी एक जनसभा के दौरान भाजपा को निशाने पर लिया। जनसभा के दौरान ममता बनर्जी ने अमित शाह के लिए कहा, 'हम चाहते तो आप होटल के बाहर एक कदम भी नहीं रख सकते।

आप भाग्यशाली हैं कि हमने आपको होटल के बाहर निकलने दिया।' भाजपा ने इसे धमकी बताया। इसे ही लेकर अब मिथुन चक्रवर्ती ने सीएम पर निशाना साधा। ममता बनर्जी ने हाल ही में एसआईआर के मुद्दे पर भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह आग से न खेलें। ममता बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर के दौरान लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि एआई तकनीक का इस्तेमाल कर एसआईआर किया जा रहा है। उन्होंने इसे बड़ा घोटाला बताया।

वहीं अमित शाह ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि डर और भ्रष्टाचार टीएमसी सरकार की पहचान बन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने बंगाल में केंद्र की कल्याणकारी योजनाएं लागू नहीं की हैं, जिसके चलते लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। अमित शाह ने बताया कि बंगाल में घुसपैठ बड़ा मुद्दा है।

धनौरी चौकी क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा बीजेपी नेता अमित सैनी की मौत

हरिद्वार, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के धनौरी चौकी क्षेत्र में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें बीजेपी नेता अमित सैनी की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है, वहीं पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में भी गहरा दुख व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीजेपी नेता अमित सैनी किसी निजी कार्य से अपनी कार से रुड़की गए हुए थे। काम निपटाने के बाद वह वापस धनौरी की ओर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार रुड़की–धनौरी मार्ग पर दो सड़कों के बीच स्थित स्थान पर पहुंची, तभी अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया। कार का संतुलन बिगड़ते ही वह सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई और फिर नीचे की ओर जा गिरी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अमित सैनी की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने घटना को देखा और तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही धनौरी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेते हुए शव को बाहर निकाला। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सड़क हादसे में बीजेपी नेता अमित सैनी की मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया यह एक सड़क दुर्घटना का मामला प्रतीत हो रहा है, जिसमें वाहन के अनियंत्रित होने से यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है।

बीएमसी चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार पूजा मोरे ने लिया यू-टर्न, पहलगाम पर दिया बयान बन गया मुसीबत

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनाव से पहले बीजेपी ने वार्ड नंबर 2 से घोषित अपनी उम्मीदवार पूजा मोरे का नाम वापस ले लिया। यह फैसला 1 जनवरी को सामने आया, जब पार्टी के भीतर लगातार विरोध और सोशल मीडिया पर तेज ट्रोलिंग का दबाव बढ़ता गया। पूजा मोरे को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने खुलकर आपत्ति जताई, जिसके चलते पार्टी नेतृत्व को कदम पीछे खींचना पड़ा और अंततः पूजा मोरे ने चुनावी दौड़ से हटने का फैसला किया।

अब इस फैसले के बाद बवाल बढ़ गया है। बीजेपी द्वारा पूजा मोरे को उम्मीदवार घोषित किए जाने के तुरंत बाद पार्टी के भीतर असंतोष उभरने लगा। कई कार्यकर्ताओं ने उनकी उम्मीदवारी का विरोध करते हुए उनके पुराने बयानों को मुद्दा बनाया। पहलगाम हमले पर उनकी शुरुआती प्रतिक्रिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ अतीत में की गई टिप्पणियां फिर से चर्चा में आ गईं। सोशल मीडिया पर पुराने वीडियो और पोस्ट तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद पूजा मोरे को लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। यह विरोध केवल ऑनलाइन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जमीनी स्तर पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने दबाव बनाना शुरू कर दिया।

आंतरिक विरोध के तेज होने के साथ ही पूजा मोरे पर नामांकन वापस लेने का दबाव लगातार बढ़ता गया। अंततः उन्होंने अपनी उम्मीदवारी से हटने का निर्णय लिया। नामांकन वापस लेते समय वह भावुक नजर आईं। एएनआई के अनुसार मीडिया से बातचीत में उन्होंने अपने जीवन और राजनीतिक संघर्ष का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आती हैं और उन्होंने जीवन में कई कठिन दौर देखे हैं। शादी के बाद वह पुणे आईं और किसान आंदोलनों से जुड़कर सक्रिय राजनीति में कदम रखा। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्हें पुलिस लाठीचार्ज, आपराधिक मामलों और बार-बार अदालतों के चक्कर काटने पड़े। कई बार कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए उनके पास पैसे तक नहीं थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

पूजा मोरे ने विवादों पर सफाई देते हुए कहा कि उनके अतीत की एक छोटी सी गलती को बढ़ा-चढ़ाकर साजिश का रूप दे दिया गया। पहलगाम हमले पर दिए गए बयान को लेकर उन्होंने कहा कि उनकी शुरुआती प्रतिक्रिया घटना के तुरंत बाद की थी। बाद में जब उन्होंने पीड़ितों और स्थानीय लोगों से मुलाकात की, तब उन्हें समझ आया कि हमला धर्म के आधार पर किया गया था।

30 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ धरे गए तहसीलदार घर पर छापा मारा तो मिले लाखों रुपए

चंडीगढ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब सरकार के अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने जिला संगरूर में तैनात तहसीलदार जगतार सिंह को 30,000 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसके सह-अपराधी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपी तहसीलदार के घर की तलाशी के दौरान 1,45,000 रुपये नकद राशि बरामद की गई है।

आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी जिला संगरूर के गांव महलां के एक निवासी ने तहसील दफ्तर संगरूर में तैनात तहसीलदार जगतार सिंह और क्लर्क मालविंदर सिंह के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसने खरीदी गई जमीन की रजिस्ट्री करवाने के लिए आरोपी से संपर्क किया था। दोनों आरोपियों ने जमीन की रजिस्ट्री करवाने के बदले 30,000 रुपये की रिश्वत ली थी।

कौन है आदित्य ठाकरे की वो करीबी

जिसने बीएमसी चुनाव से पहले उद्धव गुट को दिया झटका

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बीएमसी चुनावों से पहले नए-नए समीकरण बन रहे हैं तो कई समीकरण खत्म भी हो रहे हैं। चुनाव से पहले उद्धव गुट की शिवसेना को बड़ा झटका लगा है। ऐसा इसलिए क्योंकि आदित्य ठाकरे की कोर टीम में शामिल शीतल देवरुखकर-शेठ ने शिवसेना (यूबीटी) छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया है। ऐसा कहा जा रहा है कि वे टिकट न मिलने के कारण नाराज चल रही थीं। यही वजह है कि उन्होंने शिवसेना का साथ छोड़ दिया है। शीतल देवरुखकर को लेकर ऐसा कहा जा रहा है कि वे बीएमसी चुनाव लड़ना चाहती थीं। इसको लेकर उन्होंने पार्टी से टिकट की मांग भी की थी। हालांकि उनको टिकट नहीं दिया गया। यही कारण है कि वे पार्टी से नाराज चल रही थी। बीएमसी चुनाव से ठीक पहले पार्टी छोड़ना शिवसेना के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

आदित्य ठाकरे के साथ काम कर चुकी हैं शीतल

शीतल देवरुखकर आदित्य ठाकरे की बेहद करीबी मानी जाती हैं। वे युवा सेना की सक्रिय सदस्य भी रही हैं और मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनावों में भी जीत हासिल की थी। इस इस्तीफे से शिवसेना (यूबीटी) में आंतरिक असंतोष की खबरें फिर से सामने आ रही हैं। पिछले कुछ दिनों में कई नेता टिकट वितरण को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। इसके साथ ही कुछ पदाधिकारियों ने इस्तीफे की धमकी भी दी थी।

15 जनवरी को कराई जाएगी वोटिंग

महाराष्ट्र के बीएमसी चुनावों पर हर किसी की नजर रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां के चुनाव हर पार्टी के लिए बेहद खास माने जाते हैं।इसके पीछे की कई वजहें है। राजधानी मुंबई और कई अन्य शहरों में एमएनएस और शिवसेना (उद्धव) गठबंधन में महानगरपालिका चुनाव लड़ रही है।बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित राज्य के 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव 15 जनवरी को कराए जाएंगे और मतों की गिनती अगले दिन होगी। बीएमसी देश का सबसे बड़ा और सबसे धनी नगर निकाय है, जिसका सालाना बजट 74,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

कश्मीर में आतंकी साजिश नाकाम

गांदरबल में दो ग्रेनेड और चीनी पिस्तौल बरामद, महिला समेत दो मददगार गिरफ्तार

गांदरबल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। पुलिस ने वीरवार को मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में एक महिला सहित दो आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार, दो हैंड ग्रेनेड और आठ लाख से ज्यादा की नकदी बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांदरबल पुलिस ने देर शाम स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया था। गुंडरेहमान के पास नाका लगाकर चेकिंग की गई। इस दौरान सूचना के आधार पर एक लोड कैरियर को रोका। तलाशी लेने पर वाहन में 1 चीनी पिस्तौल, पिस्तौल की 1 मैगजीन, पिस्तौल के 4 कारतूस, 2 हैंड ग्रेनेड और 8,40,500 नकदी बरामद की गई। साथ ही आतंकी मददगार गुलाम नबी मीर निवासी हाजिन बांदीपोरा और शबनम नजीर निवासी शालाबुग, गांदरबल को गिरफ्तार किया गया।बरामद हथियारों से जुड़े स्रोत का पता लगाने में जुटी पुलिसः प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत पुलिस थाना गांदरबल में मामला दर्ज कर लिया गया है। बरामद हथियार, गोला-बारूद और कैश से जुड़े स्रोत, मकसद और संभावित संबंधों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि पुलिस जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता से अपील है कि राष्ट्र विरोधी या आपराधिक गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस से साझा करें ताकि देश विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

घर के अंदर रखे हेलमेट में घुसकर बैठ गया कोबरा सांप देखकर चीख उठी लड़की

नागपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। देश के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड में बाहर निकलने की हिम्मत नहीं हो रही है। घर से निकलते ही शरीर कांपने लगता है। ऐसी स्थिति में सरीसृप भी गर्मी की तलाश कर रहे हैं। महाराष्ट्र के नागपुर से ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है, वहां एक कोबरा हेलमेट में लिपटा हुआ पाया गया। यह घटना महाराष्ट्र के नागपुर से सामने आई है। वहां के मानवसेवा नगर की निवासी मिताली चतुर्वेदी ने हेलमेट को स्कूटर पर नहीं लटकाया था। उन्होंने उसे घर के अंदर ही रखा था। बुधवार दोपहर करीब 2 बजे मिताली घर से निकलने की तैयारी कर रही थीं। तभी उन्होंने हेलमेट के अंदर से फुफकारने की आवाज सुनी। उस आवाज को सुनकर मिताली डर गईं। घर के बाकी लोग भी तुरंत दौड़कर आए। बहुत सावधानी से हेलमेट को उल्टा करने पर देखा गया कि अंदर एक जहरीला कोबरा लिपटा हुआ बैठा है। लोगों को देखकर कोबरा ने फन उठाया, जिससे तुरंत उत्तेजना फैल गई।

हेलमेट के अंदर कोबरा होने की बात पल भर में इलाके में फैल गई। कई लोग कोबरा को देखने के लिए मिताली के घर दौड़े आए। ऐसी स्थिति में शुभम जी आर नाम के एक युवक को खबर दी गई। वह स्थानीय संस्था 'वाइल्ड एनिमल्स एंड नेचर हेल्पिंग सोसाइटी' में सपेरा विशेषज्ञ के तौर पर कार्यरत हैं। शुभम के आते ही उन्होंने हेलमेट से कोबरा सांप को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद में सांप को जंगल में छोड़ दिया गया। हालांकि, हेलमेट के अंदर लिपटा हुआ सांप की तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे देखकर लोग सिहर उठे हैं। पता चला है कि सांप हेलमेट के अंदर कपड़े की महीन परत में घुस गया था।

कोबरा के शरीर में न्यूरोटॉक्सिक जहर होता है। एक डंक से इंसान की जान जा सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सर्दियों में घर के पास ईंट-पत्थर जमा करने पर उनके अंदर भी सांप घुस सकते हैं। वे लकड़ी और भूसे के ढेर में भी घुस सकते हैं।

अगर घर में ज्यादा पेड़-पौधे हों तो उनसे पत्ते गिरकर जमीन पर सड़ जाते हैं। लंबे समय तक पत्तों का ढेर जमा होने पर उनमें भी सांप घुस सकते हैं। इसलिए, सपेरा विशेषज्ञों का मानना है कि सर्दियों में सांपों के उपद्रव से बचने के लिए दीवारों की दरारों को भरने के साथ-साथ दीवारों और पाइपों के बीच की जगह को भी भरना चाहिए। घर के आंगन, खाली जगहों पर सामान जमा न करें। सब कुछ साफ-सुथरा रखें ताकि सांप छिप न सकें।

'बिहार में 25 हजार में मिल जाती हैं लड़कियां' मंत्री रेखा आर्य के पति के बयान पर बवाल

उत्तराखंड की मंत्री रेखा आर्य और उनके पति गिरधारी लाल

देहरादून, 2 जनवरी (एजेंसियां)। महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू का एक बयान इन दिनों उत्तराखंड की सियासत में हलचल मचा रहा है। ये बयान भारतीय जनता पार्टी के लिए नया राजनीतिक संकट बनता नजर आ रहा है, वहीं कांग्रेस को सरकार पर तीखा हमला बोलने का मौका मिल गया है। मामला सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के शीतलाखेत मंडल का बताया जा रहा है, जहां बीजेपी कार्यकर्ताओं की एक बैठक के दौरान गिरधारी लाल साहू ने कथित तौर पर महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में मंत्री के पति एक अविवाहित कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए यह कहते नजर आ रहे हैं कि "लड़कियों की कोई कमी नहीं है" और "बिहार में 20–25 हजार रुपये में शादी के लिए लड़कियां मिल जाती हैं।" हालांकि, इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन, वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस ने इस बयान को महिलाओं की गरिमा का खुला अपमान बताया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने इसे बेहद शर्मनाक करार देते हुए महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्य की नैतिक जिम्मेदारी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मंत्री और उनके पति से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है।

कांग्रेस का कहना है कि जिस सरकार में महिला सशक्तिकरण की जिम्मेदारी संभालने वाली मंत्री के परिवार से इस तरह के बयान सामने आएं, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। गौरतलब है कि गिरधारी लाल साहू का नाम पहले भी कई विवादों से जुड़ चुका है।

उनके खिलाफ डबल मर्डर केस में नाम सामने आने की बात कही जाती रही है। इसके अलावा उन पर एक गंभीर आरोप यह भी लगा था कि उन्होंने अपने नौकर की किडनी धोखे से निकलवाकर अपनी दूसरी पत्नी बैजयंती माला साहू का ट्रांसप्लांट करवाया। आरोप लगाने वाले नौकर नरेश चंद्र गंगवार का दावा है कि जून 2015 में उसे मदद के बहाने श्रीलंका ले जाया गया, जहां कोलंबो स्थित एक अस्पताल में उसकी किडनी निकाल ली गई। नरेश का यह भी आरोप रहा है कि शुरुआत में दबाव के चलते वह चुप रहा, लेकिन बाद में उसने नैनीताल के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की शिकायत की। फिलहाल ताजा बयान को लेकर राजनीतिक घमासान तेज है और बीजेपी पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं कांग्रेस ने उनके बयान के बाद हमले और तेज कर दिए हैं।

कर्नाटक चुनाव आयोग के सर्वे में ईवीएम हुई पास

बीजेपी ने राहुल गांधी पर साधा निशाना; कहा- ये करारा तमाचा

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने 2024 के लोकसभा चुनाव पर सर्वे में ईवीएम पर जनता ने मजबूत भरोसा दिखाया है। इस सर्वे के सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया, जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे। सर्वे का शीर्षक 'नागरिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर किए गए अंतिम सर्वे का मूल्यांकन' था। इसमें 83.61 फीसदी प्रतिभागियों ने कहा कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है। कुल मिलाकर 69.39 फीसदी प्रतिभागियों ने माना कि ईवीएम सही नतीजे देती है, जबकि 14.22 फीसदी ने इस बात से पूरी तरह सहमति जताई। यह सर्वे 5,100 प्रतिभागियों के बीच 102 विधानसभा क्षेत्रों में किया गया।

इसमें बंगलूरू, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूर प्रशासनिक क्षेत्रों को शामिल किया गया। कर्नाटक सरकार ने सर्वे को मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी। अनबुकुमार के माध्यम से कराया गया था। आंकड़ों में

सबसे अधिक भरोसा कलबुर्गी में देखा गया, जहां 83.24 फीसदी ने सहमति और 11.24 फीसदी ने पूरी सहमति जताई कि ईवीएम भरोसेमंद हैं। मैसूर में 70.67 फीसदी ने सहमति और 17.92 फीसदी ने पूर्ण सहमति जताई। बेलगावी में 63.90 फीसदी ने सहमति और 21.43 फीसदी ने पूरी सहमति जताई। बंगलूरू में पूर्ण सहमति सबसे कम 9.28 फीसदी रही। हालांकि 63.67 फीसदी ने सहमति जताई। बंगलूरू में तटस्थ मत सबसे अधिक 15.67 फीसदी रहे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई बार भाजपा और केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर ईवीएम में हेराफेरी और 'वोट चोरी' का आरोप लगाया है। इस सर्वे के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष आर। अशोक ने एक्स पर लिखा, वर्षों से राहुल गांधी पूरे देश में यही कहानी सुनाते रहे हैं कि भारत का लोकतंत्र 'खतरे' में है, ईवीएम 'अविश्वसनीय' हैं और हमारे संस्थानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। लेकिन कर्नाटक ने बिल्कुल अलग कहानी बताई है। भाजपा ने कहा कि राज्यव्यापी सर्वे ने यह दिखाया कि लोग चुनाव, ईवीएम और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, यह कांग्रेस के मुंह पर 'एक तमाचा' है। भाजपा ने स्थानीय निकाय चुनाव मतपत्रों का उपयोग कर रही कर्नाटक सरकार की आलोचना की। पार्टी ने कहा, जनता का स्पष्ट भरोसा होने बावजूद सिद्धारमैया सरकार कर्नाटक को पीछे ले जा रही है। स्थानीय चुनावों में के मतपत्रों की घोषणा कर रीह है, जो हेरफेर, देरी और दुरुपयोग के लिए जाना जाता है।

वहीं, शिवसेना नेता शाइना एनसी ने भी कर्नाटक सरकार की ओर से चुनाव प्रक्रिया पर किए गए ताजा सर्वे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी और (सांसद) राहुल गांधी ने कभी भी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने कहा, कर्नाटक निगरानी एवं मूल्यांकन प्राधिकरण यानी केएमईए ने 2024 के लोकसभा चुनावों पर यह सर्वे किया, जिसमें 5,100 लोग शामिल हुए। सर्वे बंगलूरू से लेकर बेलगाम और मैसूर तक पूरे राज्य में102 विधानसभा क्षेत्रों में किया गया और 91.3 फीसदी लोगों ने माना कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं।

शाइना एनसी ने आगे कहा, इससे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और चुनाव आयोग पर सभी संदेह खत्म हो जाते हैं। मुझे लगता है कि अब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के लिए देश से माफी मांगने का समय आ गया है, क्योंकि उन्होंने उन्होंने केवल झूठ फैलाए हैं और यहां आपने देखा है कि इससे इन दावों का हमेशा के लिए अंत हो जाता है। एक सशक्त लोकतंत्र की स्वतंत्रत एजेंसियों और न्यायसंगत कार्यप्रणाली के मामले में यह उनके मुंह पर करारा तमाचा है।

लॉटरी के टिकट, से शख्स ने जीते 2500000 रुपए

रोपर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शहर की अशोक लॉटरी की दुकान से खरीदी गई एक गोल्डन लॉटरी ने 25 लाख रुपये (लगभग 2.5 मिलियन) का पहला पुरस्कार जीता है। यह लॉटरी नए साल के बंपर ड्रा के हिस्से के रूप में निकाली गई थी, जिसकी टिकट की कीमत 1,000 थी। अशोक लॉटरी टीम ने बताया कि पुरस्कार ड्रा की अंतिम टिकटों में से एक पर निकाला गया। इस घोषणा ने पूरे इलाके में खुशी की लहर फैला दी और लॉटरी खरीदने वाले ग्राहक बहुत उत्साहित थे।

शादी के 14 दिन बाकी, अचानक गर्लफ्रेंड संग गायब हो गई दुल्हन

तरनतारन, 2 जनवरी (एजेंसियां)। समलैंगिक विवाह को भले ही कानून की नजर में मान्यता मिल चुकी हो, लेकिन समाज की सोच अब भी पूरी तरह बदल नहीं पाई है। पंजाब के तरनतारन से सामने आया इसी तरह का एक मामला इस वक्त सुर्खियों में है। यहां एक दुल्हन अपनी शादी से ठीक 14 दिन पहले भाग गई। वो भी एक लड़की के साथ, जो कि उसकी गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मुरादपुरा क्षेत्र में रहने वाली मजदूर परिवार की बेटी लखविंदर कौर की शादी 14 जनवरी को तय थी। खडूर साहिब निवासी युवक से उसकी सगाई हो चुकी थी। परिवार ने शादी की तैयारियां लगभग पूरी कर ली थीं। कन्यादान से लेकर दहेज का सामान तक, सब कुछ कर्ज लेकर जुटाया गया था। शादी के कार्ड तक छपने के लिए दे दिए गए थे। घर में उत्साह और उम्मीदों का माहौल था। इसी बीच लखविंदर कौर की सहेली सुनीता ने ऐसा ऐलान किया, जिसने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया। सुनीता, जो खुद को राटा नाम से बुलाती थी और लड़कों जैसा पहनावा अपनाती थी, उसने साफ कहा कि लखविंदर की शादी नहीं होने देगी। उसका दावा था कि वो और लखविंदर एक-दूसरे से प्यार करती हैं और समलैंगिक विवाह करेंगी। शुरुआत में लखविंदर की मां मनजीत कौर ने इसे महज दोस्ती की बात समझकर नजरअंदाज कर दिया। लेकिन 24 दिसंबर की सुबह सब कुछ बदल गया। सुबह करीब 10 बजे सुनीता, लखविंदर कौर को अपने साथ ले गई और दोनों अचानक घर से गायब हो गईं। परिवार ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बेटी के लापता होने से जहां मां-बाप की चिंता बढ़ी, वहीं समाज में परिवार की बदनामी का डर भी सताने लगा। मनजीत कौर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि सुनीता ने साजिश के तहत अपने स्वजनों के साथ मिलकर लखविंदर को बहला-फुसलाकर भगा लिया।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 3 जनवरी- 2026

गांवों में पलायन का दंश

शहरीकरण के चलते गांवों से पलायन तेजी से हो रहा है। रोटी-रोटी के अवसर कम होने की वजह से लोग काम-काज की तलाश में गांवों से शहरों की ओर जा रहे हैं। हालात यहां तक खतरनाक हो चुके हैं कि अब खुशी व गम के अवसर पर पुरुष साथियों की मामूली संख्या तक भी नहीं बची है। ऐसा ही एक हृदयविदारक दृश्य दिखा उत्तराखंड के सीमांत जिला पिथौरागढ़ में। पिथौरागढ़ जिले के दूरदराज क्षेत्र में स्थित ताड़ेगांव में जब 100 वर्षीया झुपा देवी का निधन हुआ, तो उनकी अंतिम यात्रा के लिए गांव में केवल तीन सक्षम पुरुष ही मौजूद थे। ऐसे में उनकी अर्थी को श्मशान घाट तक पहुंचाने के लिए सशस्त्र सीमा बल के जवानों को मदद के लिए बुलाना पड़ा। गांव से चार किलोमीटर दूर रहने वाले ग्राम प्रधान को परिवार के सदस्यों ने अंतिम यात्रा की व्यथा बताई तो उन्होंने एसएसबी जवानों से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद बुजुर्ग की अंतिम यात्रा निकाली जा सकी। दरअसल, गांव ताड़ेगांव में 100 साल की झुपा देवी का बुधवार को निधन हो गया। इसके बाद उनके परिवार के लोगों को उनकी अंतिम यात्रा की चिंता सताने लगी। गांव में उनके बेटे रमेश चंद, पोते रवि चंद और एक अन्य ग्रामीण पुरुष मौजूद थे। श्मशान घाट भारत-नेपाल सीमा के पास काली नदी के किनारे लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित है। बुजुर्ग के शव को कंधा देने के लिए चौथा पुरुष सदस्य न मिलने पर परिवार के लोगों ने ग्राम प्रधान दीपक बिष्ट को सूचना दी। दीपक बिष्ट ने ताड़ेगांव के बाहरी इलाके में सबसे नजदीकी बॉर्डर ऑब्जर्वेशन पोस्ट पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) यूनिट को एसओएस भेजा। सीमा सुरक्षा में डटी एसएसबी टीम ने न सिर्फ उनके पार्थिव शरीर को नदी किनारे तक पहुंचाया, बल्कि अंतिम संस्कार में भी मदद की। ग्राम प्रधान दीपक बिष्ट ने कहा कि परंपरा के अनुसार केवल पुरुष सदस्य ही शव को श्मशान घाट तक ले जाते हैं। हमारे गांव में उस समय केवल तीन पुरुष मौजूद थे। जबकि उम्मीद थी कि दस लोग तो होंगे ही। दीपक बिष्ट ने कहा कि इस स्थिति का कारण शिक्षा और काम के लिए बड़े पैमाने पर पलायन है। इसके कारण हमारा गांव लगभग खाली हो गया है। बीओपी में एक एसएसबी अधिकारी दीपक कुमार ने कहा कि प्रधान से संदेश मिलने के बाद, हमने तुरंत दो जूनियर अधिकारियों और चार जवानों को भेजा। बुजुर्ग के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को पूरे विधान के साथ संपन्न कराया गया। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, 3 वर्ग किलोमीटर में फैले इस छोटे से गांव में लगभग 150 लोग रहते थे। पिछले कुछ सालों में उनमें से लगभग सभी बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की तलाश में कस्बों और शहरों में चले गए। इससे गांव में कुछ बूढ़े, महिलाएं और छोटे बच्चे ही रह गए हैं। गांव अब ऐसी जगह बन गया है, जहां मुर्दों को श्मशान घाट तक ले जाने के लिए भी आदमी नहीं हैं। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2011 और 2018 के बीच लगभग 3.8 लाख निवासी अस्थायी रूप से अपने गांव छोड़कर चले गए। 2018 और 2022 के बीच 3.07 लाख लोगों ने भी यही किया। 2018 से राज्य में 24 गांव निर्जन हो गए हैं।

वुल्फ़ सुपरमून और बदलता हुआ आकाशीय परिदृश्य

आरके जैन

3 जनवरी 2026 की रात आकाश एक असामान्य खगोलीय स्थिति का साक्षी बनेगा। इसी रात वर्ष का पहला पूर्ण चंद्रमा वुल्फ़ सुपरमून के रूप में दिखाई देगा, जब चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत निकट होकर सामान्य से अधिक बड़ा और अधिक चमकीला नजर आएगा। यह स्थिति केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि सूर्य-पृथ्वी-चंद्रमा की दुर्लभ ज्यामिति का परिणाम है। ठंडी रात में फैली इसकी तेज रोशनी पूरे आकाशीय परिदृश्य को बदल देगी और सामान्य पूर्णिमा से अलग, अधिक प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएगी। यह दृश्य खगोलीय गणनाओं की सटीकता और प्रकृति की नियमित शक्ति -दोनों को एक साथ उजागर करेगा।

यह सुपरमून इसलिए विशेष माना जा रहा है क्योंकि इसी समय चंद्रमा अपनी कक्षा के उस बिंदु पर होगा जहाँ वह पृथ्वी के सबसे अधिक समीप होता है -जिसे खगोल विज्ञान में पेरिगी कहा जाता है। इस निकटता का सीधा प्रभाव उसके आकार और प्रकाश पर पड़ता है।

सामान्य पूर्णिमा की तुलना में चंद्रमा अधिक बड़ा और कहीं अधिक चमकीला दिखाई देगा। भारत में इसका पूर्ण चरण भले ही दोपहर में बने, पर इसका वास्तविक प्रभाव सूर्यास्त के बाद दिखाई देगा, जब पूर्वी क्षितिज से उभरता चंद्रमा असामान्य रूप से विशाल और प्रभावशाली लगेगा। वायुमंडल की परतें उसकी रोशनी को पीले-सुनहरे और तांबे जैसे रंगों में ढाल देंगी, जिससे पूरा दृश्य ऐसा प्रतीत होगा जैसे आकाश ने नववर्ष के स्वागत में प्रकाश प्रज्वलित कर दिया हो। "वुल्फ़ मून" नाम केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि मानव इतिहास से जुड़ी एक गहरी स्मृति है। उत्तरी गोलार्ध की प्राचीन संस्कृतियों ने जनवरी की पूर्णिमा को यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसी समय सर्द रातों में भेड़ियों की आवाज़ें अधिक सुनाई देती थीं। यह हूक भय या अभाव की नहीं, बल्कि आपसी संकेत, समूहबोध और जीवन-चक्र की निरंतरता का स्वर थी। भेड़िये सिर उठाकर आकाश की ओर हौल करते हैं ताकि उनकी आवाज़ दूर तक फैल सके -मानो वे चंद्रमा को साक्षी मानकर अपने अस्तित्व और क्षेत्र की घोषणा कर रहे हों। इस प्रकार वुल्फ़ मून केवल एक खगोलीय घटना नहीं रह जाता, बल्कि प्रकृति की सामूहिक स्मृति और जीव-जगत के संवाद का प्रतीक बन जाता है। इस वर्ष वुल्फ़ सुपरमून को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है एक दुर्लभ खगोलीय संयोग। ठीक 3 जनवरी को पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट बिंदु, पेरिहेलियन पर भी होगी। इसका परिणाम यह होगा कि सूर्य की किरणें अपेक्षाकृत अधिक ऊर्जा के साथ चंद्रमा पर पड़ेंगी, जिससे उसकी चमक में हल्की अतिरिक्त गहराई और तीव्रता दिखाई देगी। यद्यपि वैज्ञानिक दृष्टि से यह अंतर सूक्ष्म होता है, पर दृष्टिगत प्रभाव अत्यंत आकर्षक बन जाता है। समुद्री क्षेत्रों में इस संयुक्त गुरुत्वीय प्रभाव के कारण ज्वार-भाटे सामान्य से कुछ अधिक ऊँचे उठ सकते हैं, जिससे प्रकृति की यह खगोलीय संगति धरती पर भी अपना असर छोड़ती दिखाई देगी।

भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में यह पूर्णिमा पौष पूर्णिमा के रूप में प्रतिष्ठित है, जिसे आत्मशुद्धि और साधना का विशेष पर्व माना जाता है। इसी दिन से माघ मास का आरंभ होता है और प्रयागराज में कल्पवास की परंपरा प्रारंभ होती है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर लाखों श्रद्धालु स्नान कर मानसिक शांति और आत्मिक पवित्रता की कामना करते हैं। यह तिथि शाकंभरी देवी को भी समर्पित मानी जाती है, जो अन्न, वनस्पति और जीवन-पोषण की अधिष्ठात्री हैं। जब यही पावन तिथि सुपरमून से जुड़ती है, तो उसका आध्यात्मिक प्रभाव और अधिक गहन हो जाता है। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान, जप और ध्यान दीर्घकाल तक सकारात्मक फल प्रदान करता है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह पूर्णिमा मानसिक ऊर्जा को सक्रिय और सुस्पष्ट करने वाली मानी जाती है।

समुद्र की गहराइयों से उठती नारी शक्ति की गूंज

योगेश कुमार गोयल

भारत के सैन्य इतिहास में कुछ क्षण केवल घटनाएं नहीं, राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बन जाते हैं। पिछले दिनों जब भारत की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय नौसेना की अत्याधुनिक पनडुब्बी 'आईएनएस वाघशीर' पर सवार होकर समुद्र की गहराइयों में प्रवेश किया, वह क्षण भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर बन गया। उनकी यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी बल्कि यह भारत की समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व और हिंद महासागर क्षेत्र में देश की निर्णायक भूमिका का सशक्त प्रदर्शन थी। राष्ट्रपति मुर्मू न केवल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने पनडुब्बी यात्रा की बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भारत अब तकनीकी, रणनीतिक और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर नया आत्मविश्वास अर्जित कर चुका है। लगभग 19 वर्ष पहले फरवरी 2006 में भारत के राष्ट्रपति 'मिसाइल मैन' डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में समुद्री यात्रा की थी। तब से लेकर अब तक भारत का रक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। जो राष्ट्र तब विदेशी प्रणालियों पर निर्भर था, वह आज आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ समुद्र की गहराइयों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा इस ऐतिहासिक निरंतरता को नया आयाम देती है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रपति की एक सक्रिय, संलग्न और रणनीतिक भूमिका का प्रतीक है, जहां सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं उन चुनौतियों और अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है, जिनसे हमारे सशस्त्र बल प्रतिदिन जूझते हैं।

'आईएनएस वाघशीर' प्रोजेक्ट-75 स्कॉर्पीन कार्यक्रम की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जो भारतीय नौसेना में जनवरी 2025 में शामिल हुई थी। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने फ्रांस की कंपनी 'नेवल ग्रुप' के तकनीकी सहयोग से किया। यह सहयोग अब केवल तकनीक हस्तांतरण का मॉडल नहीं रहा बल्कि 'मेक इन इंडिया' की वास्तविक सफलता का उदाहरण बन चुका है। भारत आज न केवल जटिल नौसेना प्रणालियों को जोड़ने में सक्षम है बल्कि उनमें नवाचार करने की दिशा में भी अग्रसर है। तकनीकी रूप से वाघशीर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डीजल-इलैक्ट्रिक पनडुब्बियों में गिनी जाती है। लगभग 67 मीटर लंबी और 1,565 टन वजनी यह पनडुब्बी 350 मीटर तक गोता लगाने और पानी के नीचे 37 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम है।

आईएनएस वाघशीर का उन्नत स्टील्थ डिजाइन इसे दुश्मन के सोनार और रडार से लगभग अदृश्य बनाता है। वायर-गाइडेड टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलें इसे दुश्मन के किसी भी युद्धपोत को ध्वस्त करने की क्षमता देती हैं। उच्च-संवेदनशील सोनार और रडार प्रणालियां इस पनडुब्बी को खुफिया जानकारी, निगरानी और विशेष अभियानों के लिए आदर्श प्लेटफॉर्म बनाती हैं। 50 दिनों तक समुद्र में तैनाती की क्षमता से यह लंबी अवधि के मिशन संचालित कर सकती है। सबसे भविष्यवादी तत्व इसकी मॉड्युलर संरचना है, जो इसे आने वाले वर्षों में 'एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन' प्रणाली से लैस करने की सुविधा प्रदान करेगी। इस तकनीक के जोड़ने के बाद वाघशीर को सतह पर आए बिना लंबे समय तक गहराइयों में तैनात किया जा सकेगा, जिससे इसकी स्टील्थ और मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा कारवार स्थित आईएनएस कदंब नौसैनिक अड्डे से प्रारंभ हुई, जो भारत के समुद्री सामर्थ्य का केंद्र बन चुका है। 'प्रोजेक्ट सीबर्ड' के तहत विकसित यह अड्डा 45 वर्ग किलोमीटर में फैला एक विशाल सामरिक बेस है। पूर्ण निर्माण के बाद यह स्वेज नहर के पूर्व में पृथ्वी का सबसे बड़ा नौसैनिक अड्डा होगा, जहां 50 से अधिक युद्धपोतों को रखने की क्षमता होगी। यह आधार केवल एक सैन्य सुविधा नहीं बल्कि भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक है। यहां से भारत न केवल अपने समुद्री तट की सुरक्षा करता है बल्कि पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र पर सामरिक निगरानी भी रखता है। कारवार का विकास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की निर्णायक भूमिका के अनुरूप है, जहां व्यापारिक मार्ग, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक नियंत्रण सब कुछ समुद्र पर निर्भर है।

राष्ट्रपति की यात्रा का सबसे भावनात्मक क्षण वह रहा, जब उन्होंने पनडुब्बी में तैनात नौसैनिकों से संवाद किया। पनडुब्बी सेवा, सामान्य नौसैनिक जीवन से कहीं अधिक कठिन होती है, जहां सीमित स्थान, पूर्ण गोपनीयता, महीनों तक अंधकार और हर क्षण अप्रत्याशित खतरे रहते हैं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति का स्वयं आकर सैनिकों का अभिवादन करना उनके मनोबल को अतुलनीय शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने नौसैनिकों के अनुशासन, तकनीकी दक्षता और त्याग की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'भारतीय सैन्य शक्ति का असली आधार उसकी मानव शक्ति है।' यह कथन भारत की उस सैन्य नीति को उजागर करता है, जो आधुनिक हथियारों जितनी ही ऊर्जा अपने जवानों की प्रतिबद्धता में देखती है। एक आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला, जो देश की सर्वोच्च संवैधानिक पद पर हैं, उनका अत्याधुनिक पनडुब्बी में उतरना केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं बल्कि सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रतीक है। भारत की सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। 2014 में जहां महिला अधिकारियों की संख्या लगभग 3,000 थी, वहीं आज यह 11,000 से अधिक हो चुकी है। 2020 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद 500 से अधिक महिला अधिकारियों को स्थायी आयोग दिया गया। 2022 से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिला कैडेट्स के प्रवेश से नए युग की शुरुआत हुई। राष्ट्रपति मुर्मू का सुखोई-30 एमकेआई, राफेल और अब पनडुब्बी में तीनों सशस्त्र शाखाओं का प्रत्यक्ष अनुभव, यह केवल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं बल्कि यह संदेश भी है कि 21वीं सदी का भारत नेतृत्व को लिंग की सीमाओं से परिभाषित नहीं करता। उनकी यह यात्रा समाज की उस प्रेरणा का स्वर बन गई है, जो भारत की बेटियों को कहती है कि 'समुद्र की गहराइयां भी तुम्हारे साहस से अपरिचित नहीं हैं।' प्रोजेक्ट-75, जिसने वाघशीर जैसी पनडुब्बियों को जन्म दिया, भारत की तकनीकी स्वायत्तता की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। इसका उद्देश्य केवल छह पनडुब्बियां बनाना नहीं बल्कि भारत को पनडुब्बी निर्माण और डिजाइन की घरेलू क्षमता देना था। भारत अब अगले चरण 'प्रोजेक्ट-75 (आई)' की ओर बढ़ रहा है, जिसमें पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और निर्माण पर ध्यान रहेगा। इससे भारत न केवल अपनी रक्षा जरूरतें पूरा करेगा बल्कि भविष्य में अन्य देशों को भी नौसैनिक प्लेटफॉर्म निर्यात करने में सक्षम होगा। यह मार्ग 'आत्मनिर्भर भारत' की उस व्यापक सोच से जुड़ा है, जहां रक्षा उत्पादन को आर्थिक विकास, कूटनीति और तकनीकी नवाचार से जोड़ा गया है। वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिंद महासागर क्षेत्र वह भौगोलिक परिसीमा है, जहां वैश्विक शक्ति-संतुलन तय हो रहा है।

नए साल के 90 प्रतिशत संकल्प दम तोड जाते हैं

स्नेहा सिंह

मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि नया साल वास्तव में नई संभावनाओं और नए अवसरों का प्रतीक माना जाता है। इसी वजह से लोग नए साल में नए काम करने के संकल्प लेते हैं या दूसरों से भी दिलवाते हैं। हर दस में से एक यानी लगभग 8 प्रतिशत लोगों के संकल्प एक महीना भी नहीं टिकते। 21.9 प्रतिशत लोगों के संकल्प दो महीनों में दम तोड़ देते हैं। 22.2 प्रतिशत लोग तीन महीनों में सब कुछ छोड़ देते हैं। 13.1 प्रतिशत लोग चार महीने तक खींचते हैं, लेकिन फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं। हमारे पास सफलता की पूरी संभावना होती है, लेकिन मन में बैठे डर, खासकर बदलाव के काल्पनिक डर के कारण हम अपनी क्षमता नहीं बढ़ा पाते और संकल्प-पूर्ति संभव नहीं हो पाती। वास्तव में लोगों को ऐसे रास्ते खोजने चाहिए, जो लंबे समय तक चलने वाले हों, कम दबाव वाले हों, चरणबद्ध परिणाम दें और आनंद के साथ संकल्प-पूर्ति संभव बनाएं। इससे दीर्घकाल में लक्ष्य हासिल होगा और अल्पकाल में संकल्प से ऊबकर छोड़ देने का विचार नहीं आएगा।

नई आशाओं, नए उत्साह और नए संकल्पों के साथ नए साल की शुरुआत हो चुकी है। दुनिया ने 2026 के मंगलगीत गाकर, विभिन्न क्षेत्रों में नए आशावाद का संचार करते हुए, रोजमर्रा की जिंदगी को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस नए साल में दुनिया भर के करोड़ों लोगों ने अच्छे स्वास्थ्य, बेहतर आर्थिक स्थिति, बेहतर सामाजिक स्थिति और अनेक अन्य बातों के लिए संकल्प लिए होंगे। इस बार तो वजन कम करके ही रहेंगे, इस बार सिक्स पैक एब्स बनकर ही रहेंगे, इस साल के अंत तक एक करोड़ का मुनाफा होना ही चाहिए, इस साल कंपनी का सीईओ बनना ही है, इस बार दो प्रमोशन लेने हैं, इस साल परिवार को समय देना है, दो-तीन वेकेशन एंजाय करने हैं,
ऐसे अनेक संकल्प लोगों ने लिए होंगे और अभी भी ले रहे होंगे। लेकिन ये सभी संकल्प अक्सर केवल कहने के जोश और दिखावे तक ही सीमित रहते हैं। सरल शब्दों में कहें तो ये बरसात में दिखाई देने वाले पंखों वाले कीड़ों की तरह अल्पजीवी होते हैं। जानकार मानते हैं कि नए साल में दुनिया भर में लिए जाने वाले संकल्प या नई चुनौतियां प्रायः अल्पकालिक होती हैं।
इन सभी संकल्पों में से 90 प्रतिशत संकल्प एक महीना पूरा होते-होते या अधिकतम तीन महीनों के भीतर ही दम तोड़ देते हैं। गिने-चुने लोग ही इन्हें लंबे समय तक खींच पाते हैं और बहुत ही कम लोग पूरे साल अपने तय किए काम को पूरा कर पाते हैं।
लोग वास्तव में ऐसे संकल्प क्यों लेते हैं और ये संकल्प लंबे समय तक क्यों नहीं टिकते या लोग इन्हें पूरा क्यों नहीं कर पाते, इसका ठोस कारण अक्सर हम खुद नहीं जानते। उल्लेखनीय है कि सबसे पहले हमें नए साल के इस ऊर्जा भरे संकल्पों की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि समझनी चाहिए। जानकार मानते हैं कि पुराने साल की विदाई और नए साल के स्वागत के दौरान हम लगातार लोगों से जुड़े रहते हैं। उस दौरान उनकी बातें, उनके संकल्प, हमें आने वाले फोन, मैसेज, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया का कंटेंट, ये सब हमें भी ऐसे संकल्प लेने के लिए प्रेरित करते हैं। आखिर ऐसा क्या है कि केवल तारीख बदलती है, नए साल का पहला दिन आता है और लोग धड़ाधड़ संकल्प लेने लगते हैं?
कई मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि नया साल वास्तव में नई संभावनाओं और नए अवसरों का प्रतीक होता है। इसी वजह से लोग नए साल में नए काम करने का संकल्प लेते हैं या दूसरों से भी दिलवाते हैं। लोगों को लगता है कि बदलाव का यह संकल्प उन्हें प्रेरित करता रहेगा और पूरे साल वे कड़ी मेहनत करके उसे हासिल करेंगे।
दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि लोग संकल्प इसलिए लेते हैं, क्योंकि इससे उनमें आशावाद पैदा होता है और अपनी जिंदगी पर नियंत्रण होने की भावना आती है।
वास्तव में यह मनोभाव में पैदा होने वाली एक प्रक्रिया है। आप जब एक बार संकल्प लेते हैं तो आपका मन खुद-ब-खुद आपको प्रोत्साहित करने लगता है। आप आशावादी और आत्मविश्वासी महसूस करने लगते हैं। व्यक्ति के मन में यह भाव आता है कि हम स्वाभाविक रूप से कितने विकसित हो रहे हैं, बेहतर बन रहे हैं और हमारे विचारों तथा कर्मों के बीच सामंजस्य बन रहा है। दूसरी ओर जब पुराना साल समाप्त होने लगता है तो हमें अपराधबोध भी महसूस होता है।
हम सोचते हैं कि साल कैसा होना चाहिए था, हमने कैसा काम किया, क्या बिगड़ा, हमने क्या पाया और क्या खोया। इसी के परिणामस्वरूप हम आने वाले समय को बेहतर बनाने के बारे में सोचने लगते हैं। हम अचानक पुराने साल, उसके कामकाज और असफलताओं से नाता तोड़ लेते हैं और कुछ नया करने के लिए तैयार हो जाते हैं।
महत्वपूर्ण बात यह है कि अधिकांश विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसे सभी संकल्प अल्पजीवी होते हैं। वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। दुबला होना, मोटा होना, सिक्स पैक बनाना, नई गाड़ी लेना, घर खरीदना, व्यवसाय बढ़ाना, प्रमोशन पाना, ये सभी काम अक्सर पूरे नहीं हो पाते।
उल्लेखनीय है कि 2024 में नए साल के संकल्पों पर एक अध्ययन किया गया था। इसके निष्कर्ष बेहद रोचक थे। इसमें बताया गया कि अधिकांश नए साल के संकल्प दो से चार महीनों से अधिक नहीं टिकते।
लोग या तो भूल जाते हैं या छोड़ देते हैं। अध्ययन के अनुसार, हर दस में से एक यानी लगभग 8 प्रतिशत लोगों के संकल्प एक महीना भी नहीं टिकते। 21.9 प्रतिशत लोग दो महीनों में हार मान लेते हैं। 22.2 प्रतिशत लोग तीन महीनों में सब कुछ छोड़ देते हैं। 13.1 प्रतिशत लोग चार महीने तक प्रयास करते हैं, लेकिन फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं। केवल 8 से 10 प्रतिशत लोग ही पूरे साल अपने संकल्प पर टिके रहते हैं और उसे पूरा कर पाते हैं या पूरा करने का गंभीर प्रयास करते हैं।
अधिकांश मनोवैज्ञानिक और विशेषज्ञ मानते हैं कि संकल्प पूरे न होने का एक बड़ा कारण अवास्तविक महत्वाकांक्षा है। नए साल के संकल्प लेते समय लोग इतने बड़े बदलाव तय कर लेते हैं, जिन्हें पूरा करना उनके लिए संभव ही नहीं होता, जैसे शरीर में बड़ा बदलाव करना, नींद की आदतें पूरी तरह बदलना, नई भाषाएं सीखना, व्यापार को दोगुना करना आदि। ये बदलाव इतने बड़े होते हैं कि शुरुआत में ही व्यक्ति हतोत्साहित हो जाता है।
बहुत कम लोग टिक पाते हैं और इसे आगे बढ़ा पाते हैं। लोगों को बड़े लक्ष्य रखना अच्छा लगता है। उन्हें लगता है कि बड़ा संकल्प लेने से समाज में उनकी वाहवाही होगी। व्यक्ति खुद भी बड़े बदलाव की उम्मीद में जोश से भर जाता है। लेकिन जब लक्ष्य की दिशा में काम शुरू होता है, तब समझ आता है कि ये संकल्प किसी बड़े लक्ष्य से ज्यादा रोजमर्रा की आदतों से जुड़े बदलाव हैं। और रोजमर्रा के बदलाव हमें पसंद नहीं आते। हमें अनुशासन और मेहनत भरे काम अच्छे नहीं लगते, इसी कारण संकल्प अधूरे रह जाते हैं।
संकल्प-पूर्ति के लिए असुविधा सहनी पड़ती है और लोग इसके लिए तैयार नहीं होते। व्यवहार परिवर्तन के विशेषज्ञ मानते हैं कि रोजमर्रा के जीवन में लिए गए संकल्प हमारी दैनिक जिंदगी में बदलाव लाते हैं। लेकिन जैसे ही हम रोजमर्रा की आदतों में बदलाव करने लगते हैं, हमें असुविधा महसूस होने लगती है। हम लगातार असुविधा सहना पसंद नहीं करते। लोग इसके लिए तैयार नहीं होते और इसी कारण वे संकल्प पूरे नहीं कर पाते या दो-चार महीनों में ही छोड़ देते हैं।
विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा कारण यह है कि हम खुद से यह सवाल नहीं करते कि हमें अपने जीवन में यह खास बदलाव क्यों चाहिए। सबसे पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि बदलाव वास्तव में चाहिए भी या नहीं। अगर बदलाव चाहिए तो इतना बड़ा बदलाव क्यों ज़रूरी है, इसका स्पष्ट कारण होना चाहिए। जब तक अपने जीवन में बदलाव लाने का ठोस कारण हमें खुद नहीं मिलता, तब तक हम संकल्प सिद्धि तक नहीं पहुंच सकते। एक और समस्या यह है कि संकल्प लेने के बाद उसे पूरा करने के लिए हम सबसे तेज और सबसे असरदार रास्ता चुन लेते हैं और यहीं हम चूक जाते हैं। जिस पुराने ढर्रे में हम वर्षों से जीते आए हैं, उसमें अचानक बदलाव करना हमारे लिए सहन करना कठिन हो जाता है। परिणामस्वरूप हम नए साल के संकल्प पूरे नहीं कर पाते। लोगों को तेज, प्रभावी और कम समय में ज्यादा लाभ देने वाले रास्ते चाहिए होते हैं।

इंसाफ का पोस्टमार्टम

डॉ. सुरेश कुमार

सफेद कुर्ते और कड़कीली इस्तरी वाली पतलून पहने 'बड़े चौधरी' गाँव की चौपाल पर पधारे। हाथ में चमचमाता टैबलेट था और बगल में खड़े कारिंदे पंखा झल रहे थे। सामने वो बदनसीब खड़ा था जिसकी बेटी की आबरू तार-तार हो गई थी। बड़े चौधरीः रे बावले, यूँ रोए जावे है! आँसू पोंछ और ये बता कि जब यो कांड होया, उस बखत हवा की रफ़्तार के थी

पीड़ित पिताः साहब, हवा का के करना? मेरी तो दुनिया उजड़ गई। बड़े चौधरीः (झुंझलाकर) ₹तन्ने समझ कोन्या आवे! देख, अगर हवा तेज़ होती तो तेरी छोरी की चिल्लाहट दूर तक जाती। जे हवा धीरे थी, तो यो 'लोकल कम्युनिकेशन' का फेलियर है। हम सोच रहे हैं कि हर खेत में एक 'लाउडस्पीकर' लगवा दें, ताकि जब कोई हाथ लगावे, तो छोरी सीधा रागनी गा दे और सारा गाम जाग ज्या।

एक ग्रामीणः चौधरी साहब, वे लड़के तो नशे में धुत थे, सरेआम घूम रहे थे।बड़े चौधरीः ₹नशा? अरे भाई, वो नशा नहीं था, वो तो 'फ्रस्ट्रेशन' था। उन छोरों ने पढ़ाई करी, पर नौकरी कोन्या मिली। अब खाली दिमाग तो शैतान का घर होवे है। अब वे शैतानी खेत में नहीं करेंगे तो के लाइब्रेरी में जाकर करेंगे? हमें समझना होगा कि ये 'बायोलॉजिकल डिजास्टर' है। अच्छा ताऊ, एक बात बता, तेरी छोरी ने भागने की कोशिश करी थी के खड़ी रही?

पिताः साहब, वे चार थे, पापी थे... वो बेचारी कहाँ भागती?

बड़े चौधरीः न्यूं कोन्या काम चाले! देख, हमने डेटा निकाला है कि अगर पीड़ित 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ़्तार से भागे, तो बलात्कारी उसे पकड़ नहीं सकता। हम गाम की हर छोरी को 'पीटी उषा' बनाने की ट्रेनिंग देंगे। जुल्म रोकना हमारा काम कोन्या, जुल्म से तेज भागना सिखाना हमारा विजन है।

तभी साहब ने अपने टैबलेट पर कुछ ग्राफ दिखाए और बोलेःहमने फैसला किया है कि जिस खेत में ये हादसा हुआ, उस खेत की मिट्टी का सैम्पल लैब में भेजेंगे। अगर मिट्टी ज्यादा मुलायम हुई, तो कसूर जमींदार का है क्योंकि लड़कों को फिसलने का डर नहीं था। और सुनो, आइंदा से कोई छोरी रात को बाहर निकले तो साथ में 'आधार कार्ड' जरूर रखे, ताकि अपराधी को पता रहे कि वो किसके साथ गलत कर रहा है।

नारी जागरण नहीं, नारी आगमन का समय है

कृति आरके जैन

जब इतिहास अपने पन्ने पलटता है, तो कुछ वर्ष केवल तारीख नहीं रहते, वे चेतना बन जाते हैं। वर्ष 2026 ऐसा ही एक कालखंड है, जहां भारतीय नारी की पहचान "अबला" की परिधि तोड़कर "सबला, सक्षम और निर्णायक शक्ति" के रूप में स्थापित हो रही है। अब प्रश्न यह नहीं कि स्त्री क्या कर सकती है, प्रश्न यह है कि बिना स्त्री के क्या संभव है? यह परिवर्तन अचानक नहीं, बल्कि सदियों की चुप्पी, संघर्ष और आत्मचेतना से उपजा हुआ है। आज महिला दया या सहानुभूति की नहीं, अधिकार, अवसर और नेतृत्व की भाषा बोल रही है। वह केवल बदलाव का हिस्सा नहीं, बल्कि बदलाव की धुरी बन चुकी है। यही युगांतकारी बदलाव 2026 को नारी चेतना का स्वर्णिम अध्याय बनाता है।
भारतीय समाज में लंबे समय तक स्त्री को त्याग, सहनशीलता और मौन की प्रतिमूर्ति माना गया। परंतु समय के साथ उसने प्रश्न पूछना सीखा, निर्णय लेना सीखा और अपनी पहचान स्वयं गढ़ी। शिक्षा के विस्तार, सामाजिक आंदोलनों और नीतिगत प्रयासों ने उसे नई दृष्टि दी। अब वह परिवार की सीमाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की दिशा तय करने वाली शक्ति है। 2026 तक आते-आते महिला आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, वैचारिक भी बन चुकी है। वह परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन साधते हुए अपने लिए नए रास्ते बना रही है। यही संतुलन उसे विशिष्ट, प्रभावशाली और प्रेरणादायी बनाता है।
पिछले वर्षों में महिलाओं की श्रम भागीदारी और निर्णयात्मक भूमिकाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह परिवर्तन आंकड़ों से अधिक मानसिकता का द्योतक है। आज महिलाएं नौकरी खोजने वाली नहीं, रोजगार देने वाली बन रही हैं। वे नेतृत्व, प्रबंधन और नवाचार के क्षेत्र में नई मिसालें गढ़ रही हैं। आत्मनिर्भरता ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है, और आत्मविश्वास ने समाज में उनकी स्वीकार्यता बढ़ाई है। 2026 की महिला आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि आर्थिक दिशा निर्धारित करने वाली शक्ति है। वह घर की अर्थव्यवस्था से लेकर राष्ट्र की विकास नीति तक अपनी स्पष्ट छाप छोड़ रही है। खेल जगत में भारतीय महिलाओं ने जिस प्रकार सीमाओं को ध्वस्त किया है, वह नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विजयों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा लिंग नहीं देखती। साहस, अनुशासन और समर्पण के बल पर महिला खिलाड़ी असंभव को संभव कर रही हैं। उनकी सफलता केवल पदकों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में परिवर्तन का माध्यम है। खेल ने उन्हें आत्मविश्वास, नेतृत्व और मानसिक दृढ़ता दी है। आज खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का विद्यालय बन चुका है, जहां से आत्मबल से भरी पीढ़ियां निकल रही हैं। उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारत की आर्थिक संरचना को नया आकार दे रही है। छोटे गांवों से लेकर महानगरों तक महिलाएं स्टार्टअप, स्वसहाय समूह और नवाचार आधारित व्यवसाय खड़े कर रही हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, वित्तीय समावेशन और प्रशिक्षण ने उन्हें नई उड़ान दी है। वे केवल लाभ नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व को भी प्राथमिकता दे रही हैं। महिला उद्यमी रोजगार सृजन के साथ संवेदनशील नेतृत्व प्रस्तुत कर रही हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि जब स्त्री आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो पूरा परिवार और समाज स्थिरता तथा प्रगति की दिशा में आगे बढ़ता है।
राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक मानवीय और संतुलित बना रही है। पंचायत से संसद तक उनकी उपस्थिति ने यह प्रमाणित किया है कि नेतृत्व केवल शक्ति का नहीं, समझ का विषय है। नीति निर्माण में महिलाओं की सहभागिता से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे विषयों को प्राथमिकता मिली है। आरक्षण और प्रतिनिधित्व ने नई पीढ़ी को राजनीति से जुड़ने का साहस दिया है। 2026 का भारत उस दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां सत्ता का स्वर अधिक संवेदनशील, समावेशी और उत्तरदायी होता जा रहा है। यह परिवर्तन लोकतंत्र की आत्मा को सुदृढ़ करता है।
शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति समाज के भविष्य को दिशा दे रही है। विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान में बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि बौद्धिक क्षमताएं किसी लिंग की मोहताज नहीं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, स्वच्छता अभियान और मानसिक स्वास्थ्य पर खुला संवाद महिलाओं को अधिक सशक्त बना रहा है। शिक्षित और स्वस्थ महिला ही सशक्त पीढ़ी की निर्माता होती है। वह बच्चों में मूल्य, समाज में संवेदना और राष्ट्र में विवेक भरती है। यही कारण है कि महिला सशक्तिकरण को विकास की रीढ़ माना जाने लगा है।
यद्यपि प्रगति के पथ पर कई उपलब्धियां हैं, फिर भी चुनौतियां शेष हैं। घरेलू हिंसा, असमान वेतन, साइबर अपराध और सामाजिक भेदभाव जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं। किंतु अब महिलाएं चुप नहीं रहतीं, वे संगठित होकर आवाज उठाती हैं। कानून, जागरूकता और सामुदायिक सहयोग उनके संघर्ष को शक्ति दे रहे हैं। आत्मरक्षा, डिजिटल साक्षरता और अधिकारों की समझ ने उन्हें अधिक सजग बनाया है। यह संघर्ष पराजय का नहीं, परिवर्तन का संकेत है, जो समाज को अधिक न्यायपूर्ण और सुरक्षित बनाने की दिशा में अग्रसर है।

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर ने किया कमाल

घर में पॉजिटिव एनर्जी, सुरक्षा और शांति बनी रहे, इसके लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। कोई नमक वाला पानी पोंछा लगाता है, कोई कपूर जलाता है, तो कोई घर में हनुमान जी की तस्वीर लगाता है, लेकिन बहुत लोग ये नहीं जानते कि पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर घर में लगाने से कितना बड़ा फायदा मिलता है। माना जाता है कि पंचमुखी हनुमान जी न सिर्फ नकारात्मक ऊर्जा को रोकते हैं, बल्कि घर को बुरी नजर, बाधाओं, अटके काम और अनचाहे झंझटों से भी बचाते हैं। वास्तु में भी पंचमुखी हनुमान जी को ऐसी शक्ति का रूप बताया गया है, जो घर के हर कोने को एक सुरक्षा कवच की तरह कवर कर लेती है। कई पंडितों और विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर किसी के घर में लगातार तकलीफें बनी रहती हैं, बिना वजह झगड़े होते हैं, चीजें बिगड़ती रहती हैं या बार-बार नजर दोष लग जाता है, तो मुख्य द्वार पर पंचमुखी हनुमान की तस्वीर लगाने से काफी सुधार दिख सकता है, लेकिन ध्यान रहे, इसे सही दिशा में और सही तरीके से लगाना जरूरी है। गलत जगह लगाने पर इसका असर कम हो सकता है। आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से कि पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर का क्या मतलब होता है, कैसे लगानी चाहिए और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। (काजल काल्पनिक नाम है)

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर क्यों खास होती है?

पंचमुखी हनुमान जी के पांच मुख पांच दिशाओं और पांच ऊर्जा रूपों का संकेत देते हैं। ये फोटो घर में एक सुरक्षा कवच जैसा काम करती है। इससे घर का माहौल शांत रहता है, डर, अनचाही गतिविधियां और निगेटिव एनर्जी दूर होती है। माना जाता है कि ये ऊर्जा के लेवल को बैलेंस करती है, जिससे घर में रहने वालों के मन और काम में स्थिरता आती है।

पंचमुखी हनुमान के 5 मुख किसका संकेत देते हैं?

-पूर्व दिशा का मुखः शत्रु और बाधाओं का नाश
-दक्षिण दिशा का मुखः डर, संकट और दुर्घटना से बचाव
-पश्चिम दिशा का मुखः विष, रोग और अचानक होने वाले नुकसान से सुरक्षा
-उत्तर दिशा का मुखः धन, सुख-संपत्ति और घर में बढ़ोतरी
-ऊर्ध्व दिशा का मुखः शिक्षा, बुद्धि, ज्ञान और मानसिक मजबूती

इनका मतलब है कि ये तस्वीर 360° सुरक्षा और पॉजिटिव एनर्जी देने का काम करती है।

तस्वीर घर में कहां लगानी चाहिए? (सबसे सही स्थान)

सबसे प्रभावी जगह मुख्य द्वार है। दरवाजे के ऊपर बाहर की तरफ वाली दीवार पर तस्वीर लगाएं ताकि जैसे ही कोई घर में एंट्री करे, हनुमान जी की नजर उस पर पड़े। इससे बुरी नजर, नकारात्मक विचार और बाहरी ऊर्जा अंदर प्रवेश नहीं कर पाती।

तस्वीर लगाते समय किस दिशा का ध्यान रखें?

-हनुमान जी का चेहरा बाहर की तरफ होना चाहिए
-अगर मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो पंचमुखी हनुमान को दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके न लगाएं
-नेक और साफ नजर वाले स्थान पर लगाएं
-फर्श से बहुत नीचे या सिर से बहुत ऊपर न लगाएं, नजर पड़नी चाहिए

इन जगहों पर तस्वीर न लगाएं (बहुत जरूरी)

कुछ जगहें तस्वीर के लिए अनुकूल नहीं मानी जातीं। जैसेः
– बाथरूम के बिलकुल सामने
– स्टोव/चूल्हे वाली दीवार या सीधा किचन में
– घर के मंदिर के अंदर पंचमुखी हनुमान न रखें
– बेडरूम में बिस्तर के सामने या पीछे की दीवार पर

नियमित देखरेख कैसे करें?

-तस्वीर को हमेशा साफ रखें। धूल न जमने दें।
-हर मंगलवार या शनिवार को धूप या दिया दिखा सकते हैं।
-अगर आप मंत्र पढ़ना चाहें, तो "ॐ हनुमते नमः" का जाप 11 बार कर लें।
-ये चीजें तस्वीर की पॉजिटिव एनर्जी को एक्टिव बनाए रखती हैं।

तस्वीर लगाने के फायदे क्या महसूस होंगे?

-घर में शांत और पॉजिटिव एनर्जी बढ़ेगी
-लड़ाई-झगड़े और टकराव में कमी आ सकती है
-नजर दोष और नकारात्मक चीजों से सुरक्षा
-आर्थिक और मानसिक परेशानियों में राहत का अनुभव
-घर में रहने वाले लोगों की हिम्मत और आत्मविश्वास बढ़ता है

तांत्रिक अवतार में भक्तों को यहां दर्शन देती हैं मां दुर्गा

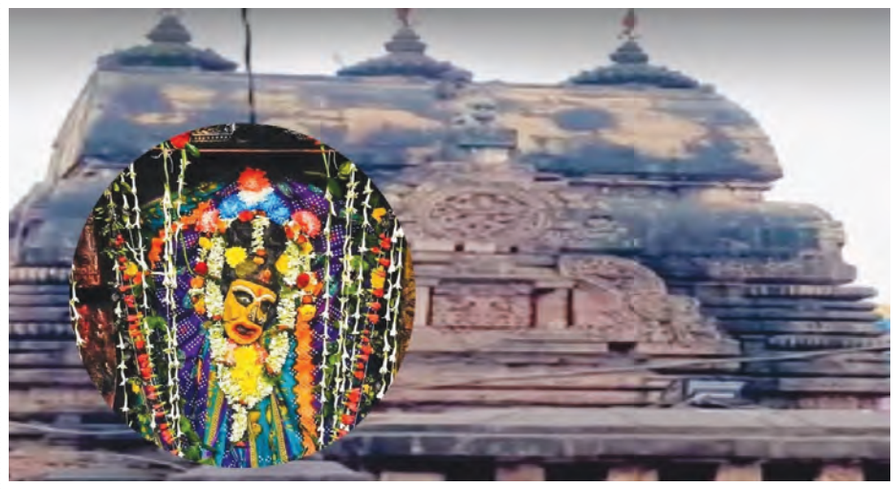

भारत को मंदिरों और आस्था का देश कहा जाता है। यहां हर राज्य, हर शहर और हर गांव में कोई न कोई ऐसी धार्मिक जगह मौजूद है, जिसकी अपनी अलग पहचान और मान्यता है। कुछ मंदिर अपनी भव्यता के लिए जाने जाते हैं, तो कुछ अपने चमत्कारों के लिए। भुवनेश्वर के पुराने शहर में बिंदू सागर से 100 मीटर पश्चिम में मां काली का आत्मा और तंत्र विद्या से जुड़ा एक मंदिर है, जो अपनी आस्था के साथ-साथ रहस्यों और वास्तुकला के लिए भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं और नकारात्मक शक्ति, तंत्र-मंत्र, जादू-टोना से मुक्ति मिलती है।

सिद्धि पाने वालों के लिए मंदिर आकर्षण का केंद्र

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के पुराने शहर में बिंदू सागर से 100 मीटर पश्चिम की दूरी पर वैताल (बैताला) देउला मंदिर है। ये मंदिर मां दुर्गा के उग्र रूप मां काली को समर्पित है, जिसे तंत्र और आत्माओं का गढ़ कहा जाता है। मंदिर का नाम ही उसकी आस्था को सार्थक करता है। वैताल का अर्थ ही आत्मा होता है। माना जाता है कि लंबे समय से अघोरी और तंत्र साधना की सिद्धि पाने वाले लोगों के लिए ये मंदिर आकर्षण का केंद्र रहा है।

मां काली की रहस्यमयी प्रतिमा

मंदिर के गर्भगृह में मां काली की रहस्यमयी प्रतिमा है, जिसमें देवी को एक भयानक रूप में दर्शाया गया है, जो खोपड़ियों की माला से सुशोभित है और एक शव पर विराजमान है। प्रतिमा के बगल में उल्लू और सियार भी मौजूद हैं। उल्लू और सियार को तंत्र साधना का मुख्य घटक माना जाता है। मां के इस रूप को उनका तंत्र अवतार माना जाता है। मंदिर के गर्भगृह में कम रोशनी रहती है, इसलिए देवी की मूर्ति स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती है।

तिनी मुंडिया मंदिर

मां के दर्शन के लिए आए भक्तों को अंदर देखने के लिए कृत्रिम प्रकाश का उपयोग करना पड़ता है।मंदिर में मौजूद मां की प्रतिमा भी मां के बाकी रूपों से काफी अलग है। यह पवित्र स्थान स्थानीय रूप से तिनी मुंडिया मंदिर या कपलिनी मंदिर के नाम से जाना जाता है। देवी दुर्गा को समर्पित यह महत्वपूर्ण तीर्थस्थल वर्ष भर श्रद्धालुओं से भरा रहता है।

रानी त्रिभुवन महादेवी ने कराया था निर्माण

मंदिर के निर्माण की बात करें तो माना जाता है कि मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी ईस्वी में भौम कारा वंश की रानी त्रिभुवन महादेवी ने कराया था। माना जाता है कि मनोकामना पूरी होने के बाद मंदिर का भव्य निर्माण कराया गया था। मंदिर के बनाव में जटिल प्रकार की नक्काशी देखने को मिली है, जिसमें देवी मां के सभी रूपों को लाल पत्थर पर बारीकी से उकेरा गया है। खास बात यह है कि हर स्तंभ और दीवार पर मां की अलग प्रतिमा अंकित है।

दो संतों में हो रहा था विवाद- किसकी भक्ति श्रेष्ठ?

सच्ची सफलता वही है, जिसमें मन शांत हो, विचार शुद्ध हों और कर्म ईमानदार हों

एक लोक कथा है। पुराने समय में एक आश्रम में दो संत साथ रहते थे। दोनों परम भक्त थे, लेकिन उनकी भक्ति के तरीके अलग-अलग थे। एक संत दिन-रात कठिन तपस्या करता, लंबा ध्यान लगाता और मंत्र जप में लीन रहता। वह मानता था कि कठोर साधना से ही ईश्वर प्रसन्न होते हैं।

दूसरा संत भक्ति सरलता और विश्वास के साथ करता था। वह रोज सुबह-शाम भगवान को भोग लगाता, श्रद्धा से प्रार्थना करता और फिर स्वयं भोजन करता।

एक दिन दोनों संतों के बीच विवाद हो गया। विवाद इस बात का था कि दोनों में बड़ा संत कौन है?

बहस बढ़ने लगी, तभी वहां उनके गुरु पहुंचे। उन्होंने झगड़े की वजह पूछी। दोनों संतों ने अपनी-अपनी भक्ति को श्रेष्ठ बताया। गुरु ने कहा कि मैं इसका फैसला कल कर दूंगा कि आप दोनों में श्रेष्ठ कौन है।

अगले दिन गुरु ने मंदिर में दोनों संतों के आसन के पास सोने की एक-एक अंगूठी रख दी। पहले तपस्या करने वाला संत आया। उसकी नजर अंगूठी पर पड़ी, तो

उसने सोचा कि इतनी कीमती अंगूठी मिलना सौभाग्य है। किसी को पता नहीं चलेगा, ये सोचकर उसने अंगूठी अपने आसन के नीचे छिपा ली और फिर मंत्र जप करने लगा।

कुछ समय बाद दूसरा संत आया। उसने भी अंगूठी देखी, लेकिन उसका मन विचलित नहीं हुआ। उसने भगवान को भोग लगाया, प्रार्थना की और भोजन करने लगा। उसके मन में अंगूठी का कोई लालच नहीं था। उसका भरोसा था कि भगवान उसके लिए सभी जरूरी व्यवस्था करते रहेंगे।

थोड़ी देर बाद गुरु वहां पहुंचे। उन्होंने मंत्र जप करने वाले संत से खड़े होने के लिए कहा, जैसे ही वह खड़ा हुआ, उसके आसन के नीचे छिपी अंगूठी दिख गई।

गुरु ने कहा कि सच्चा संत वही है, जिसका मन पवित्र है, जो बुरे विचारों से बचा रहता है। भोग लगाने वाला संत बड़ा है, क्योंकि उसके मन में लालच नहीं है। जबकि मंत्र जप करने वाले संत के मन में लालच है, इसलिए उसकी भक्ति श्रेष्ठ नहीं है।

प्रसंग की सीख

विचारों को सकारात्मकता बनाए रखें

मन में उठने वाले अच्छे-बुरे विचार ही हमारे कर्म तय करते हैं। अगर विचार गलत हैं, तो अच्छे काम भी अर्थहीन हो जाते हैं। इसलिए रोज अपने विचारों पर ध्यान दें। विचारों में सकारात्मकता बनाए रखना चाहिए।

ईमानदारी आंतरिक शांति देती है

बाहरी सफलता से ज्यादा जरूरी है-संतोष। गलत रास्ते से मिली चीजें मन को अशांत करती हैं, जबकि ईमानदारी से किया गया काम आत्मविश्वास बढ़ाता है।

खुद पर और भगवान पर विश्वास रखें

दूसरे संत की तरह जीवन में भरोसा जरूरी है। खुद पर और भगवान पर भरोसा रखें। हर बात की चिंता करने के बजाय ये मानें कि मेहनत और ईमानदारी का फल जरूर मिलता है, इसलिए धैर्य के साथ अपने काम करते रहें।

भक्ति और काम, दोनों में पवित्रता जरूरी

चाहे पूजा हो या प्रोफेशनल लाइफ, अगर मन में लालच, ईर्ष्या, छल जैसे बुरे विचार हैं, तो सफलता लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। इसलिए इन बुराइयों से बचना चाहिए।

लालच से बचें

जीवन में लाभ कमाने के कई अवसर आते हैं, लेकिन हर अवसर सही नहीं होता। सही-गलत की पहचान करके अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। लालच से बचें और धर्म के मुताबिक काम करते रहें।

हर स्थिति में शांत रहें

जितना जीवन सरल होगा, मन उतना शांत रहेगा। अनावश्यक इच्छाएं तनाव बढ़ाती हैं। इसलिए इच्छाओं को नियंत्रित रखें और लालच जैसी बुराइयों से दूर रहें।

समय-समय पर आत्ममंथन करते रहें

रोज अपने काम के बारे में आत्ममंथन करते रहना चाहिए। अच्छे-बुरे कामों के बारे में सोच-विचार करें। बुरे कामों से सीख लें और अच्छे काम करते रहें।

रात को नींद नहीं आती? सोने से पहले सिर्फ 5 मिनट का मेडीटेशन

हम सबकी जिंदगी इतनी तेज़ हो चुकी है कि दिन खत्म होने तक दिमाग और शरीर दोनों थक जाते हैं, लेकिन बिस्तर पर जाते ही दिमाग की रफ़्तार और बढ़ जाती है। जैसे ही सिर तकिया छूता है, दिमाग में एक साथ कई बातें घूमने लगती हैं-कल क्या करना है, आज क्या हुआ, कौन-सी बात चुभ गई, कौन-सी चीज़ से डर लगा, कौन-सी गलती बार-बार याद आ रही है। यही चीज़ नींद का सबसे बड़ा दुश्मन बन जाती है। सोने से पहले दिमाग को बंद नहीं किया जा सकता, लेकिन उसे शांत किया जा सकता है। इसी में ध्यान हमारी मदद कर सकता है। भोपाल निवासी ज्योतिषी, वास्तु विशेषज्ञ एवं न्यूमेरोलॉजिस्ट हिमाचल सिंह मानते हैं कि सोने से पहले सिर्फ 5 मिनट का ध्यान दिमाग को शांत करने में बहुत असरदार होता है। यह वो समय है जब हम खुद को दिनभर की भागदौड़, टेंशन, स्क्रीन टाइम, नकारात्मक विचारों और बेचैनी से बाहर निकालकर आराम की अवस्था में ला सकते हैं। ध्यान कोई मुश्किल प्रक्रिया नहीं, न ही

इसके लिए किसी भारी-भरकम सेटअप की ज़रूरत होती है। यह सिर्फ एक छोटी-सी आदत है जो हमें रात की नींद बेहतर करने, तनाव कम करने और सुबह तरोताजा उठने में मदद करती है। कई लोग सोचते हैं कि ध्यान का असर धीरे-धीरे दिखता है, लेकिन सच यह है कि 5 मिनट का ध्यान भी दिमाग पर तुरंत असर डालना शुरू कर देता है। जिस तरह मोबाइल इस्तेमाल करने से दिमाग अलर्ट मोड में चला जाता है, उसी तरह ध्यान करने से दिमाग शांत मोड में आने लगता है।

सोने से पहले ध्यान क्यों होता है फायदेमंद?

सोने से पहले दिमाग में चल रहे विचारों को रोकना संभव नहीं, लेकिन उन्हें धीमा ज़रूर किया जा सकता है। ध्यान इसी दिशा में पहला कदम है। यह दिमाग को एक्टिव मोड से रेस्ट मोड में ले जाने का एक आसान तरीका है।

-दिमाग में उलझे विचार शांत होने लगते हैं

-हार्ट रेट धीरे-धीरे कम होती है
-तनाव हार्मोन की मात्रा कम होने लगती है।
-शरीर को आराम का संकेत मिलना शुरू होता है
-दिमाग समझ जाता है कि अब सोने का समय है।

योग्यता होने के बाद भी असफलता क्यों ?

जापान का प्रसिद्ध सेनापति नोबुनागा कम सैनिकों व थोड़े साधनों से ही अपने समर्थ विरोधियों को हराने के लिए प्रख्यात था। वह अपने साथियों का मनोबल बढ़ाए रखने की कला में बहुत कुशल था। युद्ध निकट था लेकिन सैनिकों की संख्या काफी कम थी। युद्ध जीतना भी था। अतः सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए उसने एक तरकीब निकाली। उन्हें लेकर देवता के मंदिर में गया और सिक्के उछालकर देवता की इच्छा सिद्ध करने लगा। सिक्के चित पड़ें तो जीत, पट पड़ें तो हार समझी जानी थी। सिक्के तीन बार उछाले गए। तीनों ही बार चित पड़े।

सभी हर्ष से नाचने लगे, तालियां बजाते हुए चिल्लाने लगे कि जीत, जीत, जीत ! लड़ाई लड़ी गई। चार गुनी अधिक संख्या वाली विपक्षी सेना को उन बहादुरों ने तोड़-मरोड़ कर रख दिया और विजय का डंका बजाते हुए वापस लौटे। अभिनंदन समारोह में नोबुनागा ने उसे सैनिकों की नहीं, उनके मनोबल की विजय बताया और रहस्य खोलते हुए वे सिक्के दिखाए जो उछाले गए थे। वे इस चतुराई के साथ ढाले गए थे कि दोनों ओर वही निशान था जो चित कहा जाता था। उन्होंने सैनिकों को समझाया कि आत्मविश्वास से बड़ी कोई शक्ति नहीं, वह असंभव को भी संभव कर दिखाती है।अगर हमें विश्वास है कि हम कोई काम कर सकते हैं अथवा हमें यह विश्वास है कि हम वह काम नहीं कर सकते तो इन दोनों से जो भी विश्वास दृढ़तर होगा वही सच साबित होगा। हमारे पास कुछ करने की सारी योग्यता होने पर भी यदि हम यह सोचते हैं कि हम यह नहीं कर सकते तो वह काम अमल में लाने वाले मस्तिष्क के सारे मार्ग बंद कर देते हैं।

अरावन मंदिर: जहां पहले होता है विवाह, फिर मनाते हैं मातम

अर्जुन के बेटे कैसे बने किन्नरों के देवता

भारत में स्थित हर मंदिर अपने में रहस्यों और कहानियों को संजोए हुए है। मंदिरों में भक्त अपने कष्टों के निवारण के लिए जाते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी मांगते हैं। तमिलनाडु में एक मंदिर ऐसा है, जहां पहले विवाह होता है और फिर मौत का मातम मनाया जाता है। यह मंदिर किन्नरों के देवताओं के रूप में प्रसिद्ध है, जहां किन्नर समाज के लोग 18 दिनों तक चलने वाले खास कूवगम उत्सव को मनाते हैं तमिलनाडु के कूवगम में अरावन मंदिर स्थापित है, जिसे कूथंडावर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर अर्जुन के पुत्र अरावन को समर्पित है, जिन्होंने देवताओं के लिए बलिदान दिया था।

मंदिर अपनी पौराणिक कथा और अनोखे उत्सव के लिए जाना जाता है। मंदिर में तमिल माह चिथिरई (अप्रैल-मई) में 18 दिनों तक किन्नरों द्वारा अनोखा उत्सव मनाया जाता है, जिसमें देशभर के अलग-अलग राज्यों से किन्नर शामिल होने आते हैं और मंदिर में विवाह रचाकर अगले दिन मौत का मातम मनाते हैं।

पौराणिक कथा में मंदिर के इतिहास को महाभारत काल से जोड़कर देखा गया है। माना जाता है कि मां काली की कृपा पाने के लिए पांडवों को नरबलि की आवश्यकता थी और इसके लिए अर्जुन के पुत्र अरावन स्वेच्छा से तैयार थे, लेकिन उनकी शर्त थी कि वे कुंवारे नहीं मरना चाहते। उनकी नर बलि स्वेच्छा स्वीकारने की वजह से कोई भी राजा अपनी पुत्री का विवाह अरावन से नहीं करना चाहता था।

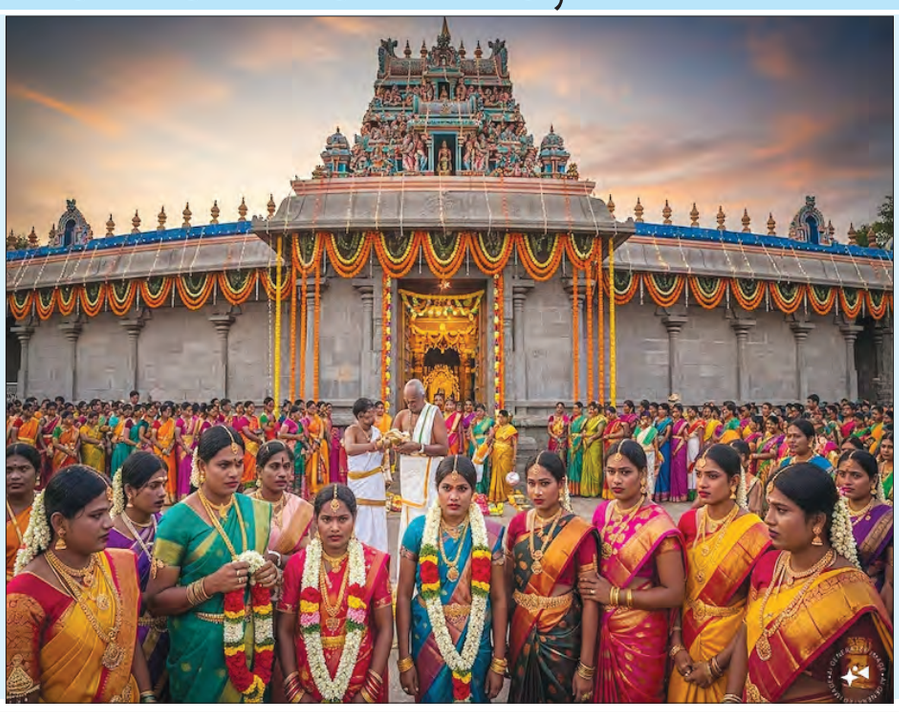

ऐसे में भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण करके अरावन से विवाह किया और अगले दिन उनकी मृत्यु पर विलाप भी किया। इसी बलिदान की वजह से किन्नर समाज अरावन को अपना देवता मानता है और एक दिन के लिए विवाह भी करता है।

18 दिनों तक चलने वाले कूवगम उत्सव में किन्नर अरावन से शादी करते हैं और अगले दिन मंदिर में अपनी चूड़ियां तोड़ते हुए विलाप करके मृत्यु का शोक मनाते हैं। यह विलाप अरावन को समर्पित होता है, जिन्होंने बिना अपनी परवाह किए एक झटके में बलिदान दे दिया।

इस उत्सव के दौरान सौंदर्य और गायन जैसी कई रोचक प्रतियोगिताएं भी होती हैं। किन्नर समाज अरावन को अपने मुख्य देवता के रूप में पूजता है, जो त्याग और कर्तव्य के एक शक्तिशाली प्रतीक हैं।

दीपिका पादुकोण का उम्मीदों से भरा रहेगा साल 2026

बॉलीवुड की शानदार एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के लिए साल 2025 विवादों से घिरा रहा है, लेकिन साल 2026 में वे स्क्रीन पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिन पर वे लगातार काम कर रही हैं। मां बनने के बाद अभिनेत्री ने बीते साल पर्दे से दूरी बनाकर रखी थी, लेकिन अब वे साल 2026 को पूरी तरीके से अपने नाम करने के लिए तैयार हैं। दीपिका पादुकोण, विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित पौराणिक ड्रामा महावतार में एक अहम भूमिका निभाती दिख सकती हैं। फिल्म में उनके किरदार को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो दीपिका का नाम फाइनल हो चुका है। वहीं, दीपिका पादुकोण एक बार फिर शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में नजर आने वाली हैं।

फिल्म के टीजर और पोस्टर भी रिलीज हो चुके हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। दीपिका, शाहरुख खान की लगभग हर फिल्म में होती हैं, क्योंकि अभिनेता का मानना है कि दीपिका उनके लिए लकी हैं। टाइगर वर्सेस पठान साल 2026 की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है, क्योंकि फिल्म में करण-अर्जुन का मिलन होने वाला है। मतलब शाहरुख खान और सलमान खान लंबे समय के बाद स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का नाम सामने आ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दीपिका का नाम फाइनल हो चुका है, लेकिन अभी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट 2: देव में भी दीपिका पादुकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पहले फिल्म में दीपिका की छोटी सी झलक दिखाई गई थी, लेकिन दूसरे पार्ट में अभिनेत्री का नया वर्जन देखने को मिल सकता है।

शाहरुख की मचअवेटेड फिल्म पठान-2 भी साल 2026 में रिलीज होगी और एक बार फिर शाहरुख खान के साथ दीपिका नजर आने वाली हैं।

फिल्म के पहले पार्ट में शाहरुख के साथ दीपिका ही थी। निर्देशक एटली कुमार अपने अगले प्रोजेक्ट एए22xए6 में अल्लू अर्जुन के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अपोजिट दीपिका पादुकोण को साइन किया जा चुका है और फिल्म में जाह्नवी कपूर भी होंगी। यह साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। इसके नए नाम की घोषणा भी जल्द की जाएगी।

अपनी एआई जनरेटेड फेक फोटो देख भड़के जावेद अख्तर

कहा- छवि को ठेस पहुंचाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगा

पॉपुलर लिरिसिस्ट जावेद अख्तर की हाल ही में एक फोटो वायरल हो गई, जिसमें वो टोपी लगाए हुए नजर आए थे। इस तस्वीर के साथ दावा किया गया कि अब जावेद अख्तर धार्मिक हो गए हैं। अब फर्जी तस्वीर सामने आने के बाद लिरिसिस्ट भड़क गए हैं और साथ ही उन्होंने इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है।

एक फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा है, जिसमें कंप्यूटर से बनाई गई मेरी एक फेक तस्वीर दिखाई जा रही है। उस तस्वीर में मेरे सिर पर टोपी लगाई गई है और यह झूठा दावा किया जा रहा है कि मैंने आखिरकार भगवान की ओर रुख कर लिया है। यह पूरी तरह बकवास और झूठ है।

आगे जावेद अख्तर ने लिखा है, 'मैं इस मामले को लेकर बेहद गंभीर हूं और इस फर्जी खबर की शिकायत साइबर पुलिस में दर्ज कराने पर गंभीरता से विचार कर रहा हूं। साथ ही, जो भी व्यक्ति इस झूठे वीडियो को बनाने और फैलाने के लिए जिम्मेदार है, और वे लोग जिन्होंने इसे आगे बढ़ाया है, उनके खिलाफ मेरी छवि, प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने के लिए कानूनी कार्रवाई कर उन्हें अदालत तक ले जाने का इरादा है।'

जावेद अख्तर की टोपी लगाई हुई तस्वीर के साथ धार्मिक बनने के दावे तब किए गए, जब जावेद अख्तर वो डिबेट हार गए, जिसमें उन्होंने शमाइल नदवी के साथ ये बहस की कि भगवान का अस्तित्व है या नहीं। जावेद अख्तर इस पक्ष में थे कि भगवान का अस्तित्व नहीं है, जबकि स्कॉलर मुफ्ती शमाइल नदवी भगवान का अस्तित्व होने के पक्ष में थे। दोनों के बीच लंबी चर्चा हुई, जिसके बाद स्कॉलर शमाइल नदवी ने अपने तर्कों से जावेद अख्तर को डिबेट में हरा दिया।

7 वर्ष लिव-इन में रहने के बाद 'गैब्रिएला' ने की सगाई

गैब्रिएला डेमेट्रिड्स लम्बे समय से अर्जुन रामपाल के साथ लिव-इन में रह रही है। दोनों ने शादी नहीं की है लेकिन बिन ब्याहे ही इनके दो बच्चे हैं। 7 साल तक साथ रहने के बाद आखिर दोनों ने हाल ही में सगाई कर ली है । वैसे अर्जुन की पहले शादी और तलाक भी हो चुका है।

उसने मेहर जेसिया से शादी की थी जो 20 साल बाद 2018 में टूट गई। मेहर और उसकी दो बेटियां माहिका और मायरा हैं जिसकी को-पेरेंटिंग वे दोनों जारी रखे हुए हैं। अर्जुन से गैब्रिएला 2018 में कुछ दोस्तों के जरिए मिली थी और कुछ महीनों बाद दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी। दोनों ने 2019 में अपने बेटे आरिक का स्वागत किया और फिर जुलाई 2023 में उनके दूसरे बेटे आरिव का जन्म हुआ ।

फिलहाल अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर' की सफलता का आनंद ले रहे अर्जुन ने हाल ही में यह खुलासा करते हुए कि उसने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रैंड गैब्रिएला से सगाई कर ली है, अपनी बेटियों माहिका और मायरा के साथ गैब्रिएला के दोस्त जैसे रिश्ते के बारे में भी बताया।

पेरेंटिंग को 'दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती' बताते हुए, अर्जुन ने समझाया, "आप उनके लिए सब कुछ बन जाते हैं। फिर उन्हें अपने छोटे पंख मिलते हैं और वे आपके घोंसले से उड़ना शुरू कर देते हैं और जिंदगी, दोस्ती, ट्रॉमा, ये सब अनुभव करते हैं। यह आसान नहीं है। यह बिल्कुल अलग रिश्ता है । आप यह नहीं कह सकते कि प्रैशर उस पर है या मुझ पर। वे हर दिन बदल रही हैं।

उसने गैब्रिएला के साथ अपनी बेटियों के रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा, " माहिका, मायरा और गैब्रिएला की बहुत अच्छी बनती है- नजर न लगे । वे उससे एक दोस्त की तरह बात कर सकती हैं। मैं भी वह दोस्त बनना चाहता हूं, लेकिन मैं बहुत पुराने ख्यालों का हूं।

वहीं गैब्रिएला ने कहा, वे दोनों बहुत अच्छी रही हैं। हमने उनसे कभी नहीं कहा कि उन्हें मेरी इज्जत करनी है। उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं है। उन्हें बस मेरे साथ एक रिश्ता रखना है, और अगर वे मुझे पसंद करती हैं, तो यह बहुत अच्छी बात है। कोई प्रैशर नहीं था । हमने उन्हें खुद ही एक लय में ढलने दिया। वे मजेदार, प्यारी लड़कियां हैं, और मुझे लगता है कि मैं भी 'जैन जी' हूं।

अगस्त्य नंदा : 5000 करोड के साम्राज्य का वारिस!

बच्चन परिवार के नाती अगस्त्य नंदा फिल्म 'इक्कीस' से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुके हैं। अगस्त्य ने कथित तौर पर अरुण खेतपाल का किरदार निभाने के लिए 70 लाख रुपये लिए हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनके परिवार में बाकी लोगों की कमाई कितना मोटी है! उनके पिता से लेकर नाना-नानी और मामा कितने रईस हैं, बताते हैं।

बच्चन परिवार के नए चेहरे अगस्त्य नंदा देखते ही देखते बॉलीवुड के सबसे फेमस उभरते सितारों में से एक बन गए हैं। श्रीराम राघवन की निर्देशित फिल्म 'इक्कीस' न केवल बड़े पर्दे पर उनकी पहली फिल्म है, बल्कि ये दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म भी है। जोया अख्तर की फिल्म 'आर्चीज' में पहले नजर आ चुके अगस्त्य ने 'इक्कीस' में अरुण खेतपाल का किरदार निभाने के लिए कथित तौर पर 70 लाख रुपये लिए हैं।

लेकिन अपने एक्टिंग करियर के अलावा, अगस्त्य नंदा भारत के सबसे बड़े परिवारों में से एक से नाता रखते हैं, जिनका साम्राज्य लगभग 5000 करोड़ रुपये तक फैला हुआ है। वो बॉलीवुड के दो सबसे बड़े राजवंशों, बच्चन और कपूर खानदान से जुड़े हुए हैं। श्वेता बच्चन नंदा और बिजनेसमैन निखिल नंदा के बेटे अगस्त्य अपनी बहन नव्या नवेली नंदा के साथ भी अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं, जो अपने पॉडकास्ट 'व्हाट द हेल नव्या?' के लिए जानी जाती हैं। अपने पिता के जरिए वे कपूर परिवार से सीधे जुड़े हुए हैं क्योंकि वे ऋतु नंदा के पोते भी हैं।

अमिताभ बच्चन

बच्चन परिवार के मुखिया अमिताभ बच्चन भारत के टॉप स्टार्स में से एक हैं। 200 से अधिक फिल्मों में काम कर चुके अमिताभ बच्चन की अनुमानित कुल नेट वर्थ 3160 करोड़ है। सिनेमा के अलावा, वे 'कौन बनेगा करोड़पति' की होस्टिंग करते हैं और कई सरकारी अभियानों का चेहरा भी हैं। उनकी रियल एस्टेट संपत्ति लगभग 200 करोड़ की है।

निखिल नंदा

अगस्त्य के पिता निखिल नंदा एक जाने-माने बिजनेसमैन हैं। वे एस्कॉर्ट्स कुबोटा कंपनी में 36.5% हिस्सेदारी रखते हैं, जो कृषि व्यवसाय और इंजीनियरिंग में कारोबार करने वाली 7000 करोड़ से अधिक की एक बड़ी कंपनी है। उनकी कुल नेट वर्थ लगभग 60 करोड़ रुपये है और खबरों के अनुसार उनका सलाना वेतन लगभग 13 करोड़ रुपये है।

हर फिल्म अलग होती है, कृति सेनन नहीं लेती बॉक्स ऑफिस नंबर्स का दबाव

कृति सेनन बॉलीवुड में अपने करियर के 11 साल पूरे कर चुकी हैं। इन 11 साल में कृति कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म में उनके अभिनय की भी काफी तारीफ हुई। अब कृति नए साल में अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ प्रवेश कर रही हैं। यह उनकी 20वीं फिल्म भी है। इस मौके पर कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर बात की और साथ ही बताया कि क्या फिल्मों की सफलता उनके ऊपर दबाव डालती है या नहीं।

मैं किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती

कृति ने बॉक्स ऑफिस नंबर के प्रेशर के बारे में बात की। एक फिल्म की सफलता क्या दूसरी फिल्म के बॉक्स ऑफिस नंबर के आंकड़ो को लेकर दबाव बनाती है? अभिनेत्री ने कहा कि वो अपने ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा दबाव नहीं लेती। हर फिल्म अलग होती है, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर फिल्म एक ही तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगी।

आगे 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि 'कॉकटेल 2' के दर्शक 'तेरे इश्क में' से बिल्कुल अलग हैं। आप बस कड़ी मेहनत और पूरी ईमानदारी से काम कर सकते हैं। आपको हर फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। इसके अलावा बाकी सब हमारे हाथ में नहीं है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता को प्रभावित करने वाले कई और कारण भी होते हैं। इसलिए मैं वह दबाव नहीं लेना चाहती। मैं अपने फिल्म निर्माताओं पर भी वह दबाव नहीं डालती। बल्कि मैं बस इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं। मैं उत्साहित हूं।

अलग तरह का सीक्वल है 'कॉकटेल 2'

इससे पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए कृति ने 'कॉकटेल 2' के बारे में बताया था कि 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर बनी। मुझे इसकी बहुत चाह थी। मैं एक रोमांटिक कॉमेडी की उस युवा, शहरी और मजेदार दुनिया में कदम रखना चाहती थी। बेशक यह एक सीक्वल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक अलग माहौल का सीक्वल है। कहानी पूरी तरह से अलग है, किरदार पूरी तरह से अलग हैं और उनकी पृष्ठभूमि भी पूरी तरह से अलग है।

'तेरे इश्क में' में हुई कृति के अभिनय की तारीफ

कृति आखिरी बार आनंद एल राय द्वारा निर्देशित 'तेरे इश्क में' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह एक पैशनेट लव स्टोरी है, जिसमें कृति ने मुक्ति नाम का किरदार निभाया है। फिल्म में कृति के अभिनय की काफी तारीफ भी हुई थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कारोबार किया है।

'कॉकटेल 2' में शाहिद और रश्मिका के साथ नजर आएंगी कृति

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 2012 में आई 'कॉकटेल' की सीक्वल है। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई थीं। इस फिल्म को पसंद किया गया था।

रंग लाई मेरी मेहनत : कियारा आडवाणी

यह मेरा अब तक का सबसे मुश्किल रोल था - ऐसा रोल जिसने मुझसे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक रूप से भी बहुत कुछ मांगा और यह मेरे लिए बड़ा बदलाव लाने वाला अनुभव था।

मां बनने के बाद कियारा आडवाणी रूपहले पर्दे पर वापसी के लिए तैयार है। हाल ही में उसकी नई फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन- अप्स' की फर्स्ट लुक रिलीज हुई जिसे देख कर पता चलता है कि इस किरदार को पर्दे पर उतारने के लिए उसने बहुत मेहनत की है और दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए हाल ही में उसने आभार भी जताया है।

साऊथ के सुपरस्टार यश की इस फिल्म में वह नादिया का रोल कर रही है। उसने बताया कि यह उसके जीवन का अब तक ACT सबसे कठिन रोल रहा।

उसने सोशल मीडिया पर लिखा, "एक ऐसा रोल जिसने मुझसे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक रूप से भी बहुत कुछ मांगा और यह मेरे लिए बड़ा बदलाव लाने वाला अनुभव था । यह मेरा अब तक का सबसे मुश्किल रोल था, महीनों की कड़ी मेहनत और एक निडरता से भरे कदम ने इस रोल को पूरा करने में मदद की । उसने आगे लिखा, "फर्स्ट लुक को इतना प्यार मिलते देखना मेरे लिए सब कुछ है। शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि मैं कितनी आभारी हूं। पोस्टर और फिल्म के नाम से साफ कहा जा सकता है कि फिल्म भरपूर सस्पैंस होने वाला है । बता दें कि फिल्म से यश के भी दो पोस्टर जारी हो चुके हैं। पहले पोस्टर में उसका बैक पोज दिखाया गया जबकि दूसरे में हाथ में बंदूक लिए वह गैंगस्टर की तरह लग रहा है।

'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन- अप्स' को अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में शूट किया गया है लेकिन वैश्विक स्तर पर फिल्म को रिलीज करने के लिए हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब किया जाएगा। फिल्म 19 मार्च को रिलीज होने वाली है ।

8 घंटे काम की मांग का समर्थन दीपिका के दिन में केवल 8 घंटे शूटिंग करने की मांग करने के बाद इस मुद्दे को लेकर इंडस्ट्री में बहस चल रही है ।

हालांकि, इस मामले पर दीपिका को कई लोगों का समर्थन भी मिला है। अब इस बहस में नई-नवेली मां बनी कियारा ने भी एंट्री की है । उसने दिन में 8 घंटे ही शूटिंग करने के मुद्दे पर अपनी राय देते हुए प्रोफैशनल और पर्सनल जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया है।

कियारा ने मां बनने के बाद काम और व्यक्तिगत जिंदगी में संतुलन के महत्व को लेकर एक बातचीत के दौरान 8 घंटे की शिफ्ट पर चल रही बहस के बारे में पूछे जाने पर कहा, "किसी भी तरह की इंडस्ट्री में अत्यधिक तनाव किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता । मेरे काम करने का तरीका प्रमुख रूप से तीन प्वॉइंट्स पर निर्भर रहता है। ये हैं- गरिमा, संतुलन और सम्मान । ये तीनों आधार मेरे घर पर और मेरे प्रोफैशनल स्टाफ पर भी लागू होते हैं ।

जब उससे मानसिक थकान दूर करने के तरीके के बारे में पूछा गया, उसने मुस्कुराते हुए कहा, "सरायाह (उसकी बेटी) की नींद में हंसी की आवाज ही मेरा सबसे बड़ा सुकून है ।

वार्षिक राशिफल 2026

ज्योतिषी पं महेशचंद्र शर्मा

साल 2026 में होने वाले ग्रहों के गोचर के आधार पर आपको उपाय भी प्रदान किए जाएंगे। तो चलिए अब हम आगे बढ़ते हैं श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र से जान लेते हैं तुला राशि वालों का संपूर्ण भविष्यफल।

परिवार

तुला राशिफल 2026 कहता है कि तुला राशि के जातकों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 अच्छा रहेगा। हालांकि, मंगल ग्रह का गोचर कभी-कभी छोटी-मोटी समस्याएं पैदा कर सकता है। लेकिन, गुरु ग्रह इस वर्ष 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच अपना शुभ प्रभाव आप पर बनाए रखेंगे और ऐसे में, आप पारिवारिक जीवन में रिश्तों को मज़बूत बनाए रखने के सक्षम होंगे। हालांकि, इसके बाद का समय यानी कि 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच का समय आपके लिए ज्यादा अच्छा रहेगा। साथ ही, घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य भी हो सकते हैं और दूर रहने वाले रिश्तेदार भी आपके घर आ सकते हैं। आप सब एक-दूसरे की उन्नति को लेकर चर्चा करते हुए नज़र आ सकते हैं। गृहस्थ जीवन की बात करें तो, आपके चतुर्थ भाव के स्वामी छठे भाव में रहेंगे। वैसे तो, चतुर्थेश का छठे भाव में जाना अच्छा नहीं माना गया है, परंतु शनि के गोचर को छठे भाव में शुभ माना जाता है। ऐसे में, घर-गृहस्थी में शनि महाराज अनुकूलता देने का काम कर सकते हैं। इस दौरान कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी, लेकिन छोटी-मोटी परेशानियां बनी रह सकती हैं। तुला राशिफल 2026 के अनुसार, गुरु ग्रह 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 के बीच आपके चतुर्थ भाव को देखेंगे। ऐसे में, यह आपके गृहस्थ जीवन को मजबूत बनाने का काम करेंगे। कुल मिलाकर, यह वर्ष पारिवारिक और गृहस्थ जीवन दोनों के लिए नकारात्मक नहीं कहा जा सकता है क्योंकि बीच-बीच में बृहस्पति ग्रह की अनुकूलता बनी रहेगी। इस प्रकार, पारिवारिक जीवन और गृहस्थ जीवन अच्छा रहने का अनुमान है।

स्वास्थ्य

तुला राशि वालों के लिए वर्ष 2026 स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य तौर पर औसत से बेहतर रहेगा। बात करें आपके लग्न या राशि के स्वामी शुक्र ग्रह की, तो शुक्र की स्थिति स्वास्थ्य के मामले में साल के ज्यादातर समय आपके पक्ष में परिणाम देने का काम करेगी। लेकिन, पंचम भाव में राहु के गोचर को देखते हुए उन लोगों को विशेष रूप से स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतनी होगी जिन लोगों को पेट से जुड़ी समस्याएं रहती हैं। बता दें कि पंचम भाव में विराजमान राहु देव भी आपको पेट से संबंधित रोग देने का काम कर सकते हैं। कभी-कभी भी मानसिक रूप से परेशान भी नज़र आ सकते हैं। ऐसे में, जिन जातकों को पेट या मस्तिष्क से जुड़े रोग पहले से परेशान कर रहे हैं, उन्हें इस दौरान अपनी सेहत को लेकर सजग रहने की सलाह दी जाती है। इसी क्रम में, शनि महाराज आपके छठे भाव में मौजूद होंगे और ऐसे में, यह स्वास्थ्य के मामले में कोई विरोध नहीं करेंगे, बल्कि आपकी सेहत को पहले की तुलना में बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। जब बात आती है गुरु ग्रह की, तो बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक अनुकूल स्थिति में रहेंगे और इनके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है। दूसरी तरफ, वर्ष 2026 में 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर तक गुरु देव की स्थिति को अच्छा नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, यह उच्च अवस्था में होंगे इसलिए कोई बड़ी समस्या नहीं आने देंगे। लेकिन, ऐसे जातक जो पहले से घुटनों की समस्या से परेशान है, उन्हें 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 के दौरान विशेष रूप से अपना ध्यान रखना होगा। बता दें कि चिंता की कोई बात नहीं होगी, फिर भी सावधान रहना समझदार का काम होगा। 31 अक्टूबर के बाद गुरु ग्रह की स्थिति पुनः अनुकूल हो जाएगी। इस प्रकार, इस वर्ष गुरु ग्रह की स्थिति और इनके गोचर आपको लिए कोई समस्या खड़ी नहीं करेंगे, विशेष रूप से स्वास्थ्य के मामले में। स्वास्थ्य को देखें तो, शनि महाराज की स्थिति भी आपका सहयोग करेगी, परंतु 05 दिसंबर 2026 तक राहु के गोचर को आपके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में, इन जातकों के पेट और मस्तिष्क पर राहु ग्रह का प्रभाव रह सकता है, इसलिए उन लोगों को

सावधान रहने की सलाह दी जाती है जिन्हें पेट या मस्तिष्क से संबंधित कुछ परेशानियां पहले से हैं।

जब बात आती है शुक्र ग्रह की तो, इस साल ज्यादातर समय प्रेम के कारक शुक्र ग्रह का गोचर आपके लिए अनुकूल रहने का अनुमान है। लेकिन, साल की शुरुआत से 01 फरवरी 2026 तक शुक्र देव अस्त अवस्था में रहेगा, इसलिए इस दौरान स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। दूसरी तरफ, शुक्र ग्रह 02 मार्च से लेकर 26 मार्च की अवधि में उच्च अवस्था में होंगे और यह सामान्य रूप से अनुकूल स्थिति मानी जाती है।

प्रेम

तुला राशिफल 2026 के अनुसार, तुला राशि के जातकों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में मिलाजुला रहेगा। हालांकि, कभी-कभी यह आपको औसत से कमज़ोर भी लग सकता है। इस साल आपके पंचम भाव के स्वामी शनि ग्रह छठे भाव में रहेंगे। वैसे तो, छठे भाव में शनि की उपस्थिति को बहुत दें कि 03 अक्टूबर से लेकर 14 नवंबर 2026 के दौरान शुक्र ग्रह वक्री अवस्था में रहेंगे जिसका असर नकारात्मक रूप से आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है इसलिए सेहत को लेकर सचेत रहें। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 में तुला राशि वालों को स्वास्थ्य के मामले में कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी। लेकिन छोटी-मोटी समस्याएं रह सकती हैं इसलिए ऊपर बताए गए समय के दौरान अपना ध्यान रखें।

अच्छा माना जाता है। लेकिन, पंचमेश के छठे भाव में जाने से आपको ज्यादा अच्छे परिणाम नहीं मिलने की आशंका है। वहीं, पंचम भाव में राहु देव का गोचर प्रेम जीवन में गलतफहमियां देने का काम कर सकता है। ऐसे में, आपको रिश्ते में कुछ समस्याएं जन्म ले सकती हैं। बता दें कि साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक गुरु ग्रह की नवम दृष्टि आपके पंचम भाव पर रहेगी। ऐसे में, अगर आप समझदारी से परिस्थितियों को संभालेंगे, तो गलतफहमियों को दूर करते हुए रिश्ते को मधुर बना सकेंगे। साथ ही, इस अवधि में आपके सामने एक के बाद एक समस्याएं आ सकती हैं। लेकिन, गुरु देव के प्रभाव की वजह से आप 2 जून से पहले की अवधि में इन समस्याओं से बच सकेंगे। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर के दौरान गुरु ग्रह का प्रभाव पंचम भाव पर नहीं रहेगा, बल्कि राहु जैसे पाप ग्रह पंचम भाव को प्रभावित करेंगे। ऐसे में, रिश्ते में परेशानियां जन्म ले सकती हैं। हालांकि, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति का प्रभाव पुनः पंचम भाव पर रहेगा जो जातकों को बुद्धिमानी से अपना रिश्ता सुधारने के मौके देंगे। तुला राशिफल 2026 कहता है कि साल 2026 तुला राशि वालों के प्रेम जीवन के लिए ज्यादा अच्छा नहीं रहने की आशंका है। इस दौरान आपको रिश्तों में उतार-चढ़ाव और गलतफहमियां देखने को मिल सकती हैं। अगर आप इन समस्याओं को दूर करने में असफल रहेंगे, तो आपका रिस्ता बिगड़ सकता है इसलिए जितना हो सके गलतफ़हमियों से बचने का प्रयास करें।

कार्यक्षेत्र

तुला राशिफल 2026 कहता है कि तुला राशि के जातकों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 काफ़ी अच्छा रहेगा। हालांकि, छठे भाव में शनि देव की मौजूदगी इस बात का संकेत कर रही है कि आपको कार्यस्थल पर अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। अगर आप मेहनत करने से पीछे नहीं हटेंगे, तो आप कार्यों में अपनी पकड़ मज़बूत कर पाएंगे। सरल शब्दों में कहें तो, इन जातकों के लगन के साथ काम करने पर आप अच्छी उपलब्धियां अपने नाम कर सकेंगे। साथ ही, आपके सहकर्मियों की नज़रों में आपके लिए सम्मान बढ़ेगा। इस दौरान वरिष्ठ आपकी प्रशंसा करेंगे और आने वाले समय में आपके काम करने के तरीके को उदाहरण के रूप में दूसरों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। बता दें कि छठे भाव के स्वामी बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक आपके भाग्य भाव में रहेंगे जो बहुत अच्छी स्थिति मानी जाती है। वहीं, ऐसे जातक जो नौकरी बदलना चाहते हैं या फिर ट्रांसफर लेना चाहते हैं, उनके लिए यह समय मददगार साबित हो सकता है। हालांकि, 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। साथ ही, कभी-कभी वरिष्ठों के मार्गदर्शन की भी आवश्यकता महसूस हो सकती है क्योंकि अपने अनुसार काम करने पर वरिष्ठ आपसे नाराज हो सकते हैं। अतः भले ही शनि देव आपके लिए अनुकूल रहेंगे, परंतु बृहस्पति देव की स्थिति की वजह से वरिष्ठों का सम्मान करना और उनका मार्गदर्शन लेना आपके लिए जरूरी होगा। तुला राशिफल 2026 के अनुसार, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव की स्थिति पुनः अनुकूल हो जाएगी। ऐसे में, यह आपको फिर से अनुकूल परिणाम प्रदान करेंगे। कुल मिलाकर, यह वर्ष आपके लिए अनुकूल रहेगा और आप नौकरी में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। साथ ही, इस दौरान उपलब्धियां, मान-सम्मान और मनचाही जगह स्थानांतरण पाना भी संभव हो सकेगा।

धन

तुला राशिफल 2026 के अनुसार, तुला राशि वालों के आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अच्छा रहेगा। लाभ भाव में केतु का गोचर आपको आपकी मेहनत के अनुरूप लाभ प्रदान करेगा। वहीं, शनि महाराज का सीधा प्रभाव आपके लाभ भाव या दूसरे भाव पर नहीं होगा। ऐसे में, आप पर शनि देव का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं रहेगा और यह समय धन से जुड़े मामलों के लिए सकारात्मक रहेगा। वहीं, धन के कारक ग्रह बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक आपके भाग्य भाव में रहेंगे। बता दें कि गुरु ग्रह की इस स्थिति को शुभ नहीं माना जाता है क्योंकि यह आपके तीसरे और छठे भाव के स्वामी है। ऐसे में, यह आपको जीवन के दूसरे क्षेत्रों में भले ही अनुकूल परिणाम न दें, परंतु आर्थिक जीवन में आपका सहयोग करेंगे। तुला राशिफल 2026 के अनुसार, 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच बृहस्पति उच्च अवस्था में रहेंगे और धन भाव को देखेंगे। इस प्रकार, यह स्थिति आपको पर्याप्त मात्रा में बचत करने में सहायता करेगी।

अतः बृहस्पति ग्रह की यह स्थिति आर्थिक जीवन के संबंध में आपके पक्ष में रहेगी। हालांकि, 31 अक्टूबर के बाद गुरु ग्रह लाभ भाव में चले जाएंगे जो कि शुभ कहे जाएंगे। कुल मिलाकर, आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 आपके लिए काफी अच्छा रहेगा।

उपाय

तामसिक भोजन जैसे मांस-मदिरा से दूर रहें और अपने चरित्र को सात्विक बनाए रखें। काले कुत्ते को रोटी खिलाएं। गुरुवार के दिन मंदिर में बादाम चढ़ाएं।

वृश्चिक राशिफल 2026 पूर्ण रूप से वैदिक ज्योतिष पर आधारित है इसलिए हम आपको यहाँ ग्रहों की स्थिति और गोचर के आधार पर कुछ सरल एवं प्रभावी उपाय भी प्रदान करेंगे ताकि आप इस साल को बेहतर बना सकें। आइए अब हम बिना देर किए आगे बढ़ते हैं और जानते हैं कि वृश्चिक राशि वालों के लिए वृश्चिक राशिफल 2026 क्या भविष्यवाणी कर रहा है।

परिवार

वृश्चिक राशिफल 2026 बता रहा है कि वृश्चिक राशि के जातकों का पारिवारिक जीवन वर्ष 2026 में अनुकूल रह सकता है। हालांकि, आपको परिवार के सदस्यों के साथ रिश्तों को लेकर जागरूक रहना होगा। वहीं, दूसरे भाव पर शनि ग्रह की दृष्टि परिवार में छोटे-मोटे विवादों को जन्म दे सकती है और कभी-कभी सदस्य बेवजह रूठ सकते हैं।

ऐसे में, आपको अपनी गलती न होते हुए भी सामने वाले को मनाने की कोशिश करनी होगी क्योंकि इसे ही समझदारी कहा जाएगा जिसका समर्थन देवगुरु बृहस्पति करेंगे।

जब बृहस्पति देव दूसरे भाव के स्वामी के रूप में साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक आपके दूसरे भाव को देखेंगे, तब आप समझदार बनकर परिवार में चल रही समस्याओं को दूर करने में सक्षम होंगे। इस अवधि में परिवार में कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी और पारिवारिक जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। बता दें कि 31 अक्टूबर के बाद गुरु ग्रह अपनी पंचम दृष्टि से आपके दूसरे भाव को देखेंगे, उस समय अगर आप सावधानी बरतेंगे, तो घर-परिवार की समस्याओं का अंत हो सकेगा। सरल शब्दों में, इस साल पारिवारिक जीवन में समस्या आएगी, लेकिन कोई बड़ी परेशानी नहीं आएगी। गृहस्थ जीवन की बात करें तो, यह वर्ष थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। विशेष रूप से साल की शुरुआत से लेकर 5 दिसंबर तक राहु ग्रह की चतुर्थ भाव में उपस्थिति गृहस्थ जीवन में कोई न कोई समस्या बने रहने की तरफ संकेत कर रही है। हालांकि, जनवरी से 02 जून के दौरान गुरु ग्रह की नवम दृष्टि चतुर्थ भाव पर होगी। ऐसे में, यह गृहस्थ जीवन यह गृहस्थ जीवन की समस्याओं को नियंत्रित करने का काम करेंगे। वृश्चिक राशिफल 2026 के अनुसार, 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच बृहस्पति का संबंध चतुर्थ भाव से प्रत्यक्ष रूप से नहीं होगा, परंतु समझदारी से काम लेने पर आप गृहस्थी से जुड़ी समस्याओं को हल कर लेंगे। 31 अक्टूबर से लेकर बाकी के समय में बृहस्पति सप्तम दृष्टि से चतुर्थ भाव को देखेंगे और परेशानियों से राहत पाने में आपकी मदद करेंगे। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 में ज्यादातर समय समस्याएं बनी रहेंगी, लेकिन आप समझदारी से इनका हल ढूंढ लेंगे। इस साल पारिवारिक जीवन अनुकूल और गृहस्थ जीवन थोड़ा कमज़ोर रहेगा।

स्वास्थ्य

वृश्चिक राशिफल 2026 कहता है कि वर्ष 2026 वृश्चिक राशि वालों के स्वास्थ्य के लिए थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। ऐसे में, आपको इस वर्ष स्वास्थ्य को लेकर पूरी तरह से सावधान रहना होगा। साथ ही, अपने खानपान का ध्यान रखना होगा और उचित जीवनशैली अपनानी होगी, तब ही आप अपनी सेहत को बेहतर बनाए रख पाएंगे। हालांकि, चिंता की कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन फिर भी आप सतर्क रहें। इस वर्ष ग्रहों की स्थिति देखें तो, शनि महाराज पूरे वर्ष आपके पंचम भाव में विराजमान रहेंगे और इस भाव में शनि ग्रह के गोचर को अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसे में, शनि देव आपको पेट से जुड़े रोग देने का काम शनि ग्रह कर सकते हैं। वहीं, राहु देव 05 दिसंबर 2026 तक आपके चतुर्थ भाव में रहेंगे। सरल शब्दों में कहें तो, साल के ज्यादातर समय राहु की चौथे भाव में उपस्थिति आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं कही जा सकती है। ऐसे में, यह आपको हृदय, सीने या फेफड़ों से संबंधित समस्याएं दे सकते हैं या फिर मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। बात करें बृहस्पति ग्रह की, तो साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक गुरु देव आपके आठवें भाव में रहेंगे और इसे अच्छी स्थिति नहीं माना जाता है।

इसके फलस्वरूप, इस समय बृहस्पति देव स्वास्थ्य के मामले में आपका सहयोग नहीं कर पाएंगे। लेकिन, जब 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर तक गुरु ग्रह आपके भाग्य भाव में स्थित होंगे और इस भाव में बैठकर वह आपके लग्न तथा पंचम भावों को देखेंगे। ऐसे में, यह अवधि स्वास्थ्य के लिए बेहतर या काफी हद तक अनुकूल रहेगी। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव की स्थिति आपको औसत परिणाम प्रदान कर सकती है। साथ ही, यह चतुर्थ भाव से राहु के दुष्प्रभावों को कम करने का काम कर सकती है। बता दें

कि साल 2026 में गुरु ग्रह 5 महीने आपके लिए कमज़ोर और 5 महीने आपके लिए अनुकूल रहेंगे जबकि यह शेष दो महीने आपको औसत परिणाम देंगे। सामान्य शब्दों में, इस साल बृहस्पति देव की स्थिति आपके लिए औसत से बेहतर रहेगी। एक तरफ, जहां राहु और शनि जैसे पापी ग्रह आपके स्वास्थ्य को बिगाड़ने का काम कर सकते हैं।

वृश्चिक राशिफल 2026 के अनुसार, 23 फरवरी 2026 से 02 अप्रैल 2026 और 2 अगस्त 2026 से 18 सितंबर 2026 तक का समय आपके लिए कमज़ोर रह सकता है। अतः इस अवधि में आपको स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा, तब ही आप खुद को फिट बनाए रख सकेंगे। इस दौरान जो लोग पहले से हृदय, सीने, कमर या जननांगों से जुड़े रोगों से परेशान हैं, उन्हें सजग रहना होगा। साथ ही, वाहन चलाते समय भी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना होगा।

प्रेम

वृश्चिक राशिफल 2026 बता रहा है कि वृश्चिक राशि वालों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में सकारात्मक रहेगा, विशेषकर कुछ ख़ास परिस्थितियों में शुभ रह सकता है। लेकिन, प्रेम जीवन में रिश्ते को लेकर जरा सी लापरवाही परिणामों को कमज़ोर कर सकती है। बता दें कि पंचम भाव में शनि देव पूरे वर्ष रहेंगे जो संकेत कर रहे हैं कि सच्चा प्रेम करने वाले लोगों की शनि देव सहायता करेंगे। वहीं, जो लोग रिश्ते को लेकर गंभीर नहीं हैं, उनके रिश्ते में शनि ग्रह समस्या पैदा करके टूटने की कगार पर ले सकते हैं। हालांकि, पंचम भाव के स्वामी बृहस्पति देव की स्थिति साल 2026 में 5-6 महीने अनुकूल रहेगी। यह 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में

कार्यक्षेत्र

वृश्चिक राशिफल 2026 के अनुसार, वृश्चिक राशि वालों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रहेगा। इस दौरानआपका ध्यान कभी-कभी भटक सकता है और ऐसे में, आप नौकरी में अपने लक्ष्यों को पूरा करने में चूक सकते हैं। इसके फलसवरूप, आपको कार्यक्षेत्र में मिलने वाले परिणाम औसत से कमज़ोर भी रह सकते हैं। बता दें कि अगर घर की समस्याएं घर तक ही सीमित रखेंगे और कार्यस्थल में नकारात्मक सोच वाले लोगों से बचेंगे, तो आप अपने लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर लेंगे। आपको काम से ज्यादा बातों में समय बिताने वाले सहकर्मियों से दूर रहना होगा और मन लगाकर अपना काम करना होगा, तब ही आप राहु और शनि की नकारात्मकता से बचकर शुभ फल प्राप्त कर सकेंगे। ऐसा न करने की स्थिति में दशम भाव में बैठा केतु आपको वरिष्ठों की नजरों से गिराने का काम कर सकता है या फिर वरिष्ठ या बॉस आपसे नाखुश नज़र आ सकते हैं। हालांकि, गुरु ग्रह की स्थिति बीच-बीच में आपको सहयोग कर सकती है। वहीं, मंगल देव की स्थिति भी आपके लिए औसत रहेगी, लेकिन फिर भी आपको सावधानी बरतनी होगी। वृश्चिक राशिफल 2026 कहता है कि 16 जनवरी से लेकर 23 फरवरी और 11 मई से लेकर 21 जून की अवधि में आपको नौकरी के कुछ बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। इसके विपरीत, वर्ष 2026 में 23 फरवरी से लेकर 02 अप्रैल तक की अवधि तनाव देकर आपके आसपास के माहौल को बिगाड़ने का काम कर सकती है। इसके अलावा,18 सितंबर से 12 नवंबर के दौरान आपको अपनी जिम्मेदारियों को पूरे समर्पण के साथ निभाना होगा जबकि 12 नवंबर के बाद आपको वरिष्ठों के साथ बहस या वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा। अगर आप कार्यस्थल में इन सब सावधानियों को अपनाएंगे, तो आप सकारात्मक परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

धन

वृश्चिक राशिफल 2026 भविष्यवाणी कर रहा है कि वृश्चिक राशि वालों के आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 औसत या औसत से बेहतर रह सकता है। जैसे कि हम जानते हैं कि कार्यक्षेत्र और अर्थव्यवस्था का आपस में गहरा संबंध है और आपके रोज़गार या नौकरी के अनुसार ही आपकी आर्थिक स्थिति होती है। इन दोनों ही क्षेत्रों के लिए साल मिलाजुला रहेगा और ऐसे में, आपकी आय मध्यम रह सकती है। लेकिन धन के कारक और धन भाव के स्वामी गुरु ग्रह की बात करें, तो यह साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक आपके आठवें भाव में रहेंगे जो कि अशुभ स्थिति मानी जाती है, परन्तु इनकी दृष्टि धन भाव पर भी होगी। इसे एक अनुकूल स्थिति कहा जाएगा। इस प्रकार, बृहस्पति देव आपको औसत परिणाम देंगे। वहीं, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु ग्रह आपके भाग्य भाव में उच्च अवस्था में रहेंगे जो आपकी आर्थिक स्थिति को मज़बूत कर सकते हैं। इसके बाद, जब गुरु ग्रह 31 अक्टूबर के बाद कर्म भाव पर अपनी दृष्टि डालेंगे, तब भी आपका आर्थिक जीवन औसत रह सकता है। कुल मिलाकर, इस साल बृहस्पति देव आपके लिए काफ़ी हद अनुकूलो रहेंगे। वृश्चिक राशिफल 2026 के अनुसार, लाभभाव के स्वामी बुध महाराज की स्थिति भी आपको औसत से बेहतर परिणाम प्रदान करेगी। इस तरह, अगर आप कार्यक्षेत्र में मेहनत करके अच्छी उपलब्धियां प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको आर्थिक जीवन से जुड़े ग्रहों का पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही, आप अपनी आर्थिक स्थिति को भी अच्छे से प्रबंधित कर सकेंगे।

उपाय

शरीर के ऊपरी हिस्से में चांदी धारण करें।

शनिवार के दिन मंदिर में बादाम चढ़ाएं।

साल के पहले हिस्से में गुरुवार के दिन मंदिर में घी और कपूर का दान

साल 2026 में ग्रहों के गोचर के आधार पर हम आपको कुछ सरल उपाय भी प्रदान करेंगे। तो चलिए फिर आगे बढ़ते हैं और धनु राशिफल 2026 से जान लेते हैं कि यह वर्ष धनु राशि के जातकों को किस तरह के परिणाम देगा।

परिवार

धनु राशिफल 2026 के अनुसार, धनु राशि के जातकों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रहेगा। हालांकि, इस साल के ज्यादातर समय कोई बड़ी परेशानियां नजर नहीं आ रही है। लेकिन कभी-कभी छोटी-मोटी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इन समस्याओं को तुरंत दूर नहीं करेंगे, तो यह आगे एक बड़ा रूप ले सकती है। वहीं, दूसरे भाव के स्वामी चतुर्थ भाव में रहेंगे और ऐसे में, घर-परिवार में वाद-विवाद जन्म ले सकते हैं या फिर किसी बात को लेकर कोई सदस्य नाराज़ हो सकता है। अगर आप सावधानी पूर्वक आगे बढ़ेंगे, तो पारिवारिक जीवन में कोई परेशानी नहीं आएगी। हालांकि, धनु राशि वालों को 16 जनवरी से 23 फरवरी 2026 और 02 अप्रैल से 11 मई 2026 के दौरान आपको परिवार में शांति बनाए रखने का प्रयास करना होगा। धनु राशिफल 2026 कहता है कि गृहस्थ जीवन के लिए वर्ष 2026 तुलनात्मक रूप से कमज़ोर रह सकता है। बता दें कि चतुर्थ भाव के स्वामी साल के ज्यादातर समय अनुकूल स्थिति में रहेंगे और चतुर्थ भाव में शनि देव विराजमान होंगे जो घर-परिवार में समस्याएं पैदा कर सकते हैं। ऐसे में, पारिवारिक जीवन की तुलना में गृहस्थ जीवन इस साल थोड़ा कमज़ोर कहा जाएगा। सामान्य शब्दों में कहें तो, गृहस्थ जीवन में परेशानियां आएंगी, लेकिन वह धीरे-धीरे दूर भी हो जाएंगी इसलिए सोच-विचार कर काम करें। इस दौरान पुरानी चीजें आपको परेशान कर सकती हैं या फिर जमीन-जायदाद या घर को लेकर चिंता बनी रह सकती है। इसके फलस्वरूप, घर जर्जर हो गया हो तो रिपेयर करवाने की जरूरत अथवा घर बनवाने जैसे काम आपके सामने आ सकते हैं जिन्हें पूरा करने के लिए आपको शांत रहकर काम करना होगा।

स्वास्थ्य

धनु राशिफल 2026 कहता है कि धनु राशि के जातकों को वर्ष 2026 में अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। वहीं, लापरवाही बरतने की स्थिति में आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। बता दें कि आपके स्वास्थ्य के लिए इस साल को अनुकूल नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, जो लोग अपनी सेहत का ध्यान रखेंगे, उन्हें कोई बड़ी परेशानी नहीं आएगी। इन सब परिस्थितियों की वजह शनि देव की चतुर्थ भाव में उपस्थिति होगी जो आपके प्रथम भाव को प्रभावित करेगी। सरल शब्दों में कहें तो, चतुर्थ भाव में बैठकर शनि महाराज पहले भाव को अपनी दशम दृष्टि से देखेंगे। जैसे कि कुंडली का पहला भाव स्वास्थ्य का प्रतिनिधित्व करता है और ऐसे में, शनि देव आपके स्वास्थ्य को बिगाड़ने का काम कर सकते हैं। यह आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को कमज़ोर कर सकते हैं। अनुकूल बात यह होगी कि साल 2026 की शुरुआत से लेकर 2 जून तक आपके राशि स्वामी बृहस्पति लग्न भाव को देखेंगे और यह आपके आपके स्वास्थ्य की रक्षा करेंगे। शनि ग्रह की नकारात्मकता को गुरु ग्रह शुभ प्रभावों में बदल सकते हैं। ऐसे में, गुरु ग्रह आपकी सेहत को उत्तम बनाए रखेंगे। सामान्य शब्दों में, सतर्क रहकर आप खुद को स्वस्थ रख सकेंगे। वहीं, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर 2026 की अवधि में बृहस्पति ग्रह आठवें भाव में रहेंगे और इस भाव में गुरु देव के गोचर को अच्छा नहीं माना जाता है। कुंडली में आठवां भाव ध्यान, योग और साधना का होता है। ऐसे में, आप नियमित रूप से योग-व्यायाम और प्राणायाम करने की स्थिति में स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। धनु राशिफल 2026 कहता है कि अगर आप सेहत को लेकर लापरवाही बरतेंगे, तो आपके स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट नज़र आ सकती है। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव आपके भाग्य भाव में बैठकर प्रथम भाव पर अपनी दृष्टि डालेंगे। ऐसे में, गुरु ग्रह की यह स्थिति आपके लिए मददगार साबित होगी, परन्तु फिर भी आप पर शनि ग्रह की दृष्टि का प्रभाव रहेगा। कुल मिलाकर, जो जातक वर्ष 2026 में स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे, उनकी सेहत अच्छी रहेगी। साथ ही, आपको उचित खानपान अपनाना होगा।

प्रेम

धनु राशिफल 2026 बता रहा है कि धनु राशि वालों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में औसत या औसत से बेहतर रहेगा। बता दें कि आपके सप्तम भाव के स्वामी मंगल का गोचर बहुत कम भावों में अच्छा माना गया है। हालांकि, ऐसा जरूरी नहीं है कि यह आपके प्रेम जीवन में समस्या पैदा करेंगे, लेकिन मंगल ग्रह आपका ज्यादा सहयोग नहीं कर पाएंगे। हालांकि, आपका विरोध भी नहीं करेंगे और इस प्रकार, यह आपको मिले-जुले परिणाम दे सकते हैं। वहीं, आपको 02 अप्रैल से 11 मई की अवधि में मंगल चतुर्थ भाव में शनि देव के साथ रहेंगे। इसके बाद, 02 अगस्त से लेकर 12 नवंबर की अवधि भी कमज़ोर रहेगी

और बीच के समय में भी आपको सावधान रहना होगा। जनवरी से लेकर 02 जून तक गुरु ग्रह सप्तम भाव में रहेंगे और ऐसे में, यह प्रेम संबंधों को अनुकूल बनाने का काम करेंगे। साथ ही, प्रेम को विवाह में बदलने की कोशिश कर रहे जातकों को कामयाबी सफल हो सकेगी।

इसके बाद, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर 2026 की अवधि में गुरु देव कमज़ोर अवस्था में होंगे, परंतु न यह आपका सहयोग करेंगे और न ही विरोध करेंगे। इस प्रकार, यह समय प्रेम जीवन के लिए औसत रह सकता है। धनु राशिफल 2026 के अनुसार, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति ग्रह आपके पंचम भाव पर दृष्टि डालेंगे जो कि एक बहुत अच्छी स्थिति मानी जाएगी। ऐसे में, 31 अक्टूबर के बाद का समय शुभरहेगा। बता दें कि जब 2 अगस्त से लेकर 12 नवंबर के दौरान मंगल और गुरु दोनों आपको सकारात्मक परिणाम देने में पीछे रह सकते हैं। धन राशि वालों को 02 अगस्त से 31 अक्टूबर 2026 तक प्रेम संबंधों को लेकर गंभीर रहना होगा, बाकी की अवधि उत्तम रहेगी।

कार्यक्षेत्र

धनु राशिफल 2026 कहता है कि धनु राशि वालों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 औसत से बेहतर रहेगा क्योंकि आपके करियर भाव के स्वामी बुध ग्रह साल के ज्यादातर समय आपके पक्ष में रहेंगे। साथ ही, आपके छठे भाव के स्वामी शुक्र ग्रह की स्थिति भी अधिकांश समय अनुकूल रहेगी।

ऐसे में, शुक्र के द्वारा आपको नौकरी में सकारात्मक परिणाम मिलने की अच्छी संभावनाएं हैं लेकिन, शनि, केतु तथा बृहस्पति की स्थिति बीच-बीच में आपके लिए समस्याएं पैदा कर सकती हैं। इस प्रकार, नौकरी की दृष्टि से वर्ष 2026 आपके लिए मिला-जुला रह सकता है। हालांकि, 03 फरवरी से 11 अप्रैल 2026 की अवधि में आपको नौकरी के कुछ नए अवसर मिल सकते हैं, परंतु इस अवधि में बदलाव करने से बचें। साथ ही, दूसरों से बेहद विनम्रता और सकारात्मकता से बातचीत करें। धनु राशि के जातकों को इस बात का ध्यान रखना होगा कि सहकर्मियों के साथ आपके रिश्ते ख़राब न होने पाएं। वहीं, 11 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 की अवधि में बुध महाराज आपके चतुर्थ भाव में रहेंगे जो कि अनुकूल स्थिति कही जाएगी, परन्तु वह शनि देव के साथ नीच अवस्था में विराजमान होंगे। इसके परिणामस्वरूप, आपको नौकरी में किसी भी तरह का जोखिम उठाने से बचना होगा। साथ ही, घर-परिवार की समस्याओं को खुद पर हावी न होने दें ताकि आपके काम पर इनका नकारात्मक असर दिखाई न दें।

साथ ही, इनकी सप्तम दृष्टि आपके दशम भाव पर भी होगी और ऐसे में, आपकी नौकरी में समस्याएं बनी रहेंगी, परंतु समर्पण के साथ काम करने वालों को शनिदेव पुरस्कृत भी करेंगे।

सरल शब्दों में कहें तो, आपको न सिर्फ़ मेहनत के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे, बल्कि आपकी नौकरी भी सुरक्षित रहेगी। साथ ही, इन जातकों के पदोन्नति के योग भी बनेंगे। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 में धनु राशि के जातकों को नौकरी में शुभ फल प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी होगी। यह साल कार्यक्षेत्र के मामले में औसत या औसत से बेहतर रह सकता है।

धन

धनु राशिफल 2026 के अनुसार, धनु राशि के जातकों के आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 सामान्य रूप से अनुकूल रहेगा। रहेगा। जैसे कि हम जानते हैं कि आर्थिक जीवन भी व्यापार और नौकरी पर निर्भर करता है। बता दें कि धन से जुड़े मामलों को दर्शाने वाले भावों पर किसी ग्रह का नकारात्मक प्रभाव नज़र नहीं आ रहा है। ऐसे में, आर्थिक जीवन में कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी। वहीं, लाभ भाव के स्वामी शुक्र देव साल के ज्यादातर समय आपके पक्ष में रहेंगे। हालांकि, यह जनवरी से लेकर 01 फरवरी 2026 तक अस्त अवस्था में रहेंगे जो इस दौरान आपको आपकी मेहनत की तुलना में परिणाम कमज़ोर दे सकते हैं। ऐसे में, आपकी आय कम रह सकती है। हालांकि, शुक्र आपके पहले भाव में उपस्थित होंगे और इसके परिणामस्वरूप, आप सुख-सुविधाओं पर धन खर्च करेंगे, परन्तु धन की कमी नहीं होगी। इस दौरान आप भले ही बचत न कर पाएं, लेकिन आपका पैसा सार्थक वस्तुओं पर ख़र्च होगा, इसलिए कोई समस्या नहीं आएगी। इसके अलावा, 14 मई से 08 जून 2026 और 01 अगस्त से 02 सितंबर 2026 तक की अवधि में आप आर्थिक रूप से थोड़े कमज़ोर रह सकते हैं।

हालांकि, इस दौरान कोई बड़ी समस्या आने के योग नहीं है। बात करें बचत की, तो धन भाव के स्वामी शनि अपने से तीसरे भाव में उपस्थित होंगे जो कि अच्छी स्थिति मानी जाएगी। बता दें कि चतुर्थ भाव में शनि के गोचर को शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में, धन भाव के स्वामी की स्थिति के आधार पर वर्ष 2026 बचत के मामले में औसत रह सकता है। धनु राशिफल 2026 कहता है कि धन के कारक

ग्रह बृहस्पति देव की स्थिति साल के अधिकांश समय अनुकूल रहेगी। जनवरी से लेकर 02 जून 2026 तक गुरु देव सप्तम भाव में बैठकर आपके लाभ भाव को देखेंगे, तब यह आपको लाभ करवाने का काम करेंगे। हालांकि, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर 2026 की अवधि में गुरु ग्रह आपके आठवें भाव में उच्च अवस्था में रहेंगे और वहां से आपके धन भाव पर दृष्टि डालेंगे। ऐसे में, यह आपके आर्थिक जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। इसके बाद, गुरु देव की भाग्य भाव में उपस्थिति आपके लिए अनुकूल कही जाएगी। इस प्रकार, वर्ष 2026 में धन से जुड़े मामले पर किसी ग्रह का अशुभ प्रभाव नहीं होगा, परंतु शनि ग्रह की स्थिति सामान्य रहेगी जबकि अन्य ग्रह आपको काफ़ी हद तक बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

कुल मिलाकर, अगर आपके कार्यक्षेत्र में कोई समस्या नहीं आती है, तो आपका आर्थिक जीवन अच्छा बना रहेगा और आपकी आय भी उत्तम रहेगी। साथ ही, आप बचत भी कर पाएंगे।

उपाय :शनिवार के दिन कौवे या भैंस को चावल खिलाएं।

बड़े बुजुर्गों विशेष रूप से ससुर की सेवा करें।

बहते हुए नदी के जल में जौ प्रवाहित करें।

श्री पंचगुली ज्योतिष केंद्र
9247132654

धरा रह जाएगा ट्रंप का टैरिफ!

अगले साल 950 अरब तक पहुंच सकता है भारत का एक्सपोर्ट

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कर रहा है। इससे देश का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 840-850 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके बाद 2026-27 तक यह आंकड़ा लगभग 950 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। निर्यातकों का कहना है कि यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से पश्चिम एशियाई देशों के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स और सेवाओं एवं इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे टेक्नोलॉजी-आधारित क्षेत्रों की मजबूती के कारण होगी।

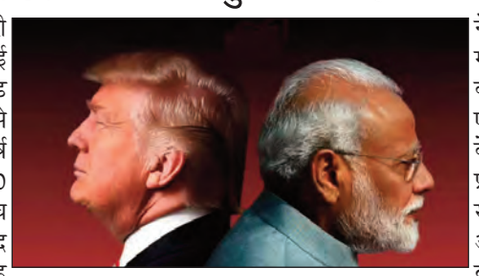

हालांकि, बढ़ते टैरिफ और जलवायु परिवर्तन से जुड़े व्यापार प्रतिबंध निर्यात की इस रफ्तार को बनाए रखने में बड़ी चुनौतियां पेश कर सकते हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, भारतीय निर्यात के लिए सबसे बुरा दौर बीत चुका है और हमें उम्मीद है कि टेक्नोलॉजी से जुड़े क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे। 2025-26 में निर्यात 840-850 अरब डॉलर की सीमा में रह सकता है, जबकि 2026-27 में कुल निर्यात 950 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। डिजिटल सर्विसेज के एक्सपोर्ट के मामले में भारत दुनिया में चौथे पांचवें नंबर पर है।

इसमें अमेरिका पहले, यूके दूसरे, आयरलैंड तीसरे और जर्मनी चौथे नंबर पर है।

लाल सागर का संकट

निर्यातकों का यह भी कहना है कि लाल सागर का संकट काफी हद तक सुलझ गया है। साथ ही, उद्योग ने अमेरिका द्वारा लगाए गए 50% के भारी टैरिफ को भी अपने हिसाब में एडजस्ट कर लिया है। केंद्र सरकार के एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के समर्थन से भारतीय उद्योग अपने उत्पादों और बाजारों में विविधता ला रहा है। अमेरिका ने पहले भारत पर 25% टैरिफ लगाया था। रूस से तेल का आयात करने के लिए भारत पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। टी टी लिमिटेड के एमडी संजय के जैन ने बताया, अगले साल टेक्सटाइल और निर्यात में कुल मिलाकर 10-20% की बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि भारत और यूके के बीच फ्री ट्रेड डील लागू होने वाली है। साथ ही जीएसटी में कटौती, क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर के हटने और ड्यूटी फ्री कॉटन जैसी घरेलू पहलों से इस उद्योग में बुनियादी सुधार आएगा। इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिल सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स अब भारत की तीसरी बड़ी एक्सपोर्ट कैटगरी है।

अब तक एक्सपोर्ट

वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-नवंबर के दौरान भारत का कुल निर्यात करीब 562.13 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी अवधि के 533.16 अरब डॉलर से 5.43% अधिक है। भारत ने 2025 में तीन महत्वपूर्ण व्यापार समझौते पक्के किए हैं। इनमें यूके और ओमान के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करना और न्यूजीलैंड के साथ बातचीत पूरी करना शामिल है। भारत-यूके कॉमप्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट के 2026 में लागू होने की उम्मीद है।

अडानी की कंपनी बाजार से जुटा रही है पैसे

एनसीडी पर 8 .9% तक का मिलेगा ब्याज

मुंबई,2 जनवरी (एजेंसियां)।गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी एंटरप्राइजेज पैसे जुटाने के लिए एक बार फिर से पूंजी बाजार में उतरने की तैयारी में है। कंपनी अगले हफ्ते 1,000 करोड़ रुपये के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर का पब्लिक इश्यू लेकर आ रही है। इसमें निवेशकों को 8.9% तक का ब्याज मिलेगा। यह इश्यू 6 जनवरी 2026 को खुलेगा और 19 जनवरी 2026 को बंद होगा।

35 फीसदी हिस्सा रिटेल के लिए

अडानी ग्रुप की सबसे बड़ी कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज, इस इश्यू से 1,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। अगर बाजार में मांग अच्छी रही तो कंपनी अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये भी जुटा सकती है। कंपनी 2 साल, 3 साल और 5 साल की अवधि के लिए बांड जारी कर रही है। इस इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रखा गया है।

क्या होगी ब्याज दर

न्यूज एजेंसी रायटर के मुताबिक अडानी इंटरप्राइजेज के 2 साल वाले बांड पर 8.6% सालाना ब्याज मिलेगा। 3 साल की अवधि वाले बांड पर 8.75% और 5 साल वाले बांड पर 8.9% का ब्याज मिलेगा। निवेशकों के पास हर तीन महीने में ब्याज लेने या फिर एक साथ पूरा ब्याज लेने का विकल्प भी होगा।

क्या है बांड की रेटिंग

रेटिंग एजेंसी सीएआरई रेटिंग्स और आईसीआरए ने इस इश्यू को एए- की रेटिंग दी है। उल्लेखनीय है कि यह अडानी एंटरप्राइजेज का तीसरा पब्लिक बांड इश्यू होगा। इससे पहले कंपनी ने जुलाई 2025 में 1000 करोड़ रुपये का पब्लिक बांड इश्यू निकाला था, जो 2, 3 और 5 साल की अवधि के लिए था। इससे पहले सितंबर 2024 में कंपनी ने अपना पहला पब्लिक डेट इश्यू जारी किया था।

शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग

सेंसेक्स 573 अंक चढ़ा, निफ्टी 26300 के पार

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार ने साल के शुरुआती कारोबारी सत्रों में अपनी मजबूती का परिचय देते हुए शुक्रवार को एक नया इतिहास रच दिया। बैंकिंग, पावर और मेटल शेयरों में हुई चौतरफा खरीदारी के दम पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बीएसई सेंसेक्स में भी 500 अंकों से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। शुक्रवार को कारोबार के दौरान निफ्टी ने 26,340 अंक का नया इंट्रा-डे रिकॉर्ड बनाया। अंततः यह 182 अंक या 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,328.55 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 573.41 अंक या 0.67 प्रतिशत उछलकर 85,762.01 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के दौरान सेंसेक्स ने 85,812.27 का उच्च स्तर भी छुआ था। रुपया 90 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे फिसल गया। रुपया डॉलर के मुकाबले 22 पैसे गिरकर 90.20 (अस्थायी) पर स्थिर रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, एशियाई बाजारों में आई तेजी और घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही पूंजी की आमद ने बाजार को नई ऊंचाई पर पहुंचाने में मदद की। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, ट्रेंट , बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रहे। बाजार की इस तेजी के बावजूद आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में दबाव देखा गया और ये नुकसान के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, संस्थागत निवेशकों की गतिविधि में भिन्नता देखी गई। गुरुवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 3,268.60 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बाजार को सहारा देते हुए 1,525.89 करोड़ रुपये की खरीदारी की। स्थानीय निवेशकों का यही भरोसा बाजार को वैश्विक अस्थिरता के बीच मजबूती प्रदान कर रहा है। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक उल्लेखनीय तेजी के साथ बंद हुए। हालांकि, चीन और जापान के बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में भी सकारात्मक रुख देखा गया, जबकि अमेरिकी बाजार नए साल की छुट्टी के कारण गुरुवार को बंद थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 60.63 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में यह नरमी भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

बड़ी संख्या में एलपीजी सब्सिडी छोड़ रहे हैं लोग, कौन राज्य है सबसे आगे

नई दिल्ली,2 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार एलपीजी सब्सिडी का कैलुकेलशन बदल सकता है। इसकी वजह यह है कि सरकारी तेल कंपनियों ने हाल में अमेरिका से एलपीजी सप्लाई के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया है। अब तक सब्सिडी की गणना सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस के आधार पर होती है जो वेस्ट एशिया से आने वाली एलपीजी के लिए एक स्टैंडर्ड रेट है। लेकिन अब इस फॉर्मूले में अमेरिका के बेंचमार्क प्राइस और अटलांटिक महासागर के पार से आने वाले शिपमेंट के भारी-भरकम फ्रेट की लागत को भी शामिल किया जा सकता है। इस बीच देश में बड़ी संख्या में लोगों ने एलपीजी सब्सिडी छोड़ी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक 2021 से 2025 के बीच 5.6 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने एलपीजी सब्सिडी छोड़ी। आंकड़ों के मुताबिक बड़े और अमीर राज्यों में एलपीजी सब्सिडी छोड़ने वालों की संख्या अधिक है। इनमें महाराष्ट्र सबसे आगे है जबकि यूपी दूसरे नंबर पर है। महाराष्ट्र में 2021 से 2025 के बीच 94.6 लाख उपभोक्ताओं ने एलपीजी सब्सिडी छोड़ी।

सब्सिडी छोड़ने वाले टॉप राज्य

इस दौरान देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 69.2 लाख उपभोक्ताओं ने एलपीजी सब्सिडी से किनारा किया। इसके बाद राजधानी दिल्ली का नंबर है जहां 5 साल में 44.8 लाख उपभोक्ताओं ने एलपीजी सब्सिडी छोड़ दी। दिल्ली के बाद कर्नाटक (38 लाख), राजस्थान (36.7 लाख), तमिलनाडु (34.1 लाख), गुजरात (26.2 लाख), मध्य प्रदेश (23.2 लाख), पंजाब (22.3 लाख) और बिहार (21.6 लाख) का नाम है। दिल्ली में घरों में यूज होने वाले 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत अभी 853 रुपये है। इसमें आखिरी बार बदलाव 8 अप्रैल को हुआ था। वहीं, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 9 सिलेंडर तक प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है। हाल में सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में इजाफा किया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को फ्यूल की कीमत की समीक्षा करती है।

बुलेट ट्रेन परियोजना में हासिल हुआ एक मील का पत्थर, खुद अश्विनी वैष्णव ने बताया

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना जिसे आम भाषा में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट कहा जाता है, में आज एक बड़ा मील का पत्थर हासिल हुआ। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक पहाड़ी सुरंग की खुदाई को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सबसे लंबी सुरंग

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां आयोजित एक टेली प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह सफलता माउंटेन टनल-5 में मिली है।

यह मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए बनाई जा रही सात पहाड़ी सुरंगों में से पहली और सबसे लंबी है।

यह सुरंग महाराष्ट्र के पालघर जिले में ही स्थित है, जिसकी लंबाई 1.48 किलोमीटर है। इसमें हुड्स और पोर्टल्स शामिल नहीं हैं। सुरंग का बोर किया गया हिस्सा 1.39 किलोमीटर लंबा है।

कॉरिडोर कितना लंबा

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर कुल 508 किलोमीटर लंबा है। इसमें से 352 किलोमीटर गुजरात और दादरा और नागर हवेली में आता है, जबकि 156 किलोमीटर महाराष्ट्र में है। इस पूरे कॉरिडोर में सुरंगों का हिस्सा 27.4 किलोमीटर है। इसमें 21 किलोमीटर भूमिगत सुरंगें और 6.4 किलोमीटर सतह पर बनी सुरंगें शामिल हैं।

8 पहाड़ी सुरंग

इस प्रोजेक्ट में कुल आठ पहाड़ी सुरंग हैं, जिनमें से सात महाराष्ट्र में हैं। इन सुरंगों की कुल लंबाई 6.05 किलोमीटर है। वहीं, गुजरात में एक सुरंग है जिसकी लंबाई 350 मीटर है। पहली भूमिगत सुरंग, जो ठाणे और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच लगभग 5 किलोमीटर लंबी है, सितंबर 2025 में पूरी हो गई थी। किसी भी प्रोजेक्ट में आमतौर पर दो डिपो बनाए जाते हैं। लेकिन इस प्रोजेक्ट में दो के बजाय तीन डिपो बनाए जाएंगे। वैष्णव ने बताया कि अतिरिक्त डिपो की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि पिछली महाराष्ट्र सरकार के कार्यकाल में स्वीकृतियों में काफी देरी हुई थी। इस वजह से योजना और परिचालन व्यवस्था में बदलाव करने पड़े।

जब यह बुलेट ट्रेन सेवा शुरू हो जाएगी, तो मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग दो घंटे रह जाएगा।

इस ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 320 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। माना जा रहा है कि यह परियोजना भारत के परिवहन क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाएगी और लोगों के सफर को बहुत आसान बना देगी।

कोल इंडिया का बड़ा फैसला

बांग्लादेश, भूटान और नेपाल सीधे खरीद सकेंगे भारत से कोयला

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कोयला कंपनी, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने सीमा पार व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। कंपनी ने घोषणा की है कि 1 जनवरी, 2026 से बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के कोयला उपभोक्ता अब भारतीय ट्रेडर्स की मदद लिए बिना सीधे ऑनलाइन कोयला नीलामी में भाग ले सकेंगे। सीआईएल के इस फैसले का उद्देश्य घरेलू स्तर पर उपलब्ध सरप्लस (अतिरिक्त) कोयला संसाधनों का बेहतर उपयोग करना, पारदर्शिता बढ़ाना और भारत की क्षेत्रीय बाजार में पकड़ मजबूत करना है। इससे पहले, इन पड़ोसी देशों के खरीदारों को भारतीय कोयला प्राप्त करने के लिए घरेलू कोयला व्यापारियों पर निर्भर रहना पड़ता था। ये व्यापारी बिना किसी एंड-यूज प्रतिबंध के कोयला खरीदकर उसे सीमा पार बेचते थे। अब कोल इंडिया ने अपनी 'सिंगल विंडो मोड एग्नोस्टिक' (एसडब्ल्यूएमए) नीलामी प्रणाली में बदलाव कर विदेशी संस्थाओं को भी इसमें शामिल होने की अनुमति दे दी है।एसडब्ल्यूएमए एक एकीकृत ई-नीलामी प्रणाली है जिसे 2022 में लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य कोयला खरीद की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और बाजार-संचालित बनाना है। हाल ही में सीआईएल बोर्ड ने इस योजना के तंत्र में आवश्यक बदलावों को मंजूरी दी है, जिससे विदेशी खरीदारों के लिए रास्ता साफ हो गया है। कोल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, विदेशी खरीदारों के लिए संशोधित ढांचे में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। विदेशी संस्थाओं को नीलामी में भाग लेने के लिए एक बार पंजीकरण कराना होगा। पूरी बोली प्रक्रिया डिजिटल होगी।

भुगतान की प्रक्रिया विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के नियमों के अनुसार होगी। नेपाल के खरीदार रुपये या डॉलर में भुगतान कर सकते हैं। बांग्लादेश और भूटान अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होगा, इसका मूल्य भारतीय रुपये के आधार पर तय किया जाएगा। कोयले का निर्यात अधिसूचित लॉजिस्टिक्स चैनलों के जरिए किया जाएगा ताकि आपूर्ति श्रृंखला में कोई बाधा न आए। कोल इंडिया का यह कदम न केवल कंपनी के लिए राजस्व के नए स्रोत खोलेगा, बल्कि भारत के 'नेबरहुड फर्स्ट' (पड़ोसी प्रथम) नीति को भी मजबूती प्रदान करेगा।

चीन, जापान, कोरिया का नाम

शिकायत मिलते ही भारत ने लिया एक्शन, किसे होगा फायदा?

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने देश के स्टील उद्योग को सस्ते विदेशी आयात से बचाने के लिए बड़ा एक्शन लिया है। कुछ खास तरह के स्टील उत्पादों पर उसने तीन साल के लिए ' सेफगार्ड ड्यूटी ' लगा दी है। यह शुल्क पहले साल 12% रहेगा। अगले दो सालों में घटकर 11.5% और फिर 11% हो जाएगा। यह फैसला डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) की सिफारिश पर लिया गया है। इससे पहले अप्रैल 2025 में सरकार ने इन स्टील उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12% का अंतरिम सुरक्षा शुल्क लगाया था। डीजीटीआर ने पिछले साल दिसंबर में 'नॉन-अलॉय और अलॉय स्टील फ्लैट प्रोडक्ट्स' के आयात में अचानक हुई भारी बढ़ोतरी की जांच शुरू की थी। ये उत्पाद कई उद्योगों में इस्तेमाल होते हैं। इनमें फैब्रिकेशन, पाइप बनाना, निर्माण, ऑटोमोबाइल, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल शामिल हैं। यह जांच इंडियन स्टील एसोसिएशन की शिकायत पर हुई थी। इस एसोसिएशन में आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया, जेएसडब्ल्यू स्टील, जिंदल स्टील एंड पावर और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

चीन, जापान, कोरिया से अचानक हुई बढ़ोतरी

जांच के दौरान पता चला कि इन स्टील उत्पादों का आयात 2021-22 में 22.93 लाख टन था, जो जांच अवधि (अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 और उससे पहले के तीन वित्तीय वर्ष 2021-24) में बढ़कर 66.12 लाख टन हो गया। यह बढ़ोतरी चीन, जापान, कोरिया और वियतनाम जैसे देशों से हुई है। डीजीटीआर ने अपनी जांच में पाया कि इस शुल्क का मुख्य उद्देश्य भारतीय घरेलू उद्योग को आयात में हुई इस अचानक बढ़ोतरी से बचाना है। हालांकि, जहां कुछ बड़ी स्टील कंपनियां इस शुल्क के पक्ष में थीं। वहीं, दूसरी ओर इस शुल्क का इस्तेमाल करने वाले उद्योग इसके सख्त खिलाफ हैं। उनका कहना है कि इस शुल्क से कच्चे माल की कीमतें बढ़ जाएंगी। इससे उनकी उत्पादन लागत बढ़ेगी। वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे।यह सेफगार्ड ड्यूटी 21 अप्रैल, 2025 से 20 अप्रैल, 2026 तक 12% रहेगा। इसके बाद 21 अप्रैल, 2026 से 20 अप्रैल, 2027 तक यह दर 11.5% हो जाएगी। और फिर 21 अप्रैल, 2027 से 20 अप्रैल, 2028 तक यह दर घटकर 11% रह जाएगी। यह फैसला वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार लिया गया है। डीजीटीआर ने अपनी जांच में यह भी पाया कि इन स्टील उत्पादों का आयात अचानक बहुत बढ़ गया था। ये उत्पाद कई तरह के उद्योगों के लिए बहुत जरूरी हैं। इसलिए, सरकार ने घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए यह कदम उठाया है। हालांकि, यह शुल्क उन उद्योगों के लिए चिंता का विषय है जो इन स्टील उत्पादों का इस्तेमाल करके अपने सामान बनाते हैं। उन्हें डर है कि इससे उनके उत्पाद महंगे हो जाएंगे और वे दूसरे देशों के मुकाबले पिछड़ जाएंगे। यह एक तरह से घरेलू उद्योग को बचाने और दूसरे उद्योगों की लागत बढ़ाने के बीच का संतुलन बनाने का प्रयास है।

चांदी 7,900 रुपये उछली, सोना हुआ 1,000 रुपये महंगा, आज का रेट

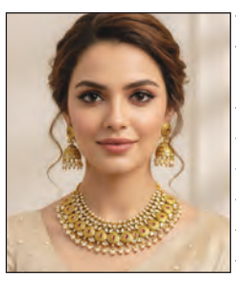

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सोने और चांदी ने पिछले साल रेकॉर्ड रिटर्न दिया था और इस साल भी इनमें तेजी का सिलसिला जारी है। साल के दूसरे दिन सोने और चांदी की कीमत में तेजी दिख रही है। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत आज शुरुआती कारोबार में 7,900 रुपये से ज्यादा उछल गई जबकि सोना करीब 1,000 रुपये महंगा हुआ है। पिछले साल सोने में 75 फीसदी तेजी आई थी जबकि चांदी 183 फीसदी उछली थी। यह 1979 के बाद दोनों धातुओं का सबसे बेहतर प्रदर्शन है। एमसीएक्स पर 5 मार्च की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,35,873 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 2,39,041 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 2,39,041 रुपये तक लो और 2,43,443 रुपये तक हाई गई। 11.30 बजे यह 7,909 रुपये की तेजी के साथ 2,43,782 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना 1,054 रुपये की तेजी के साथ 1,36,858 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था।इससे पहले गुरुवार को साल के पहले दिन दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने में मजबूती रही और 640 रुपये बढ़कर 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। हालांकि चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही। यह 1,600 रुपये टूटकर 2,37,400 रुपये प्रति किलोग्राम रही। जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 में सोने और चांदी की कीमतों के लिए मुख्य उत्प्रेरक वृहद आर्थिक आंकड़े, मौद्रिक और भू-राजनीतिक तत्वों का मिश्रण होगा। इसमें अमेरिकी फेडरल रिजर्व से ब्याज दर को लेकर उम्मीदें, डॉलर की मजबूती या उसकी कमजोरी शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सूर्य	धनु	मे
चंद्र	मिथुन	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	धनु	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
धनु.....	06-04 बजे
मकर...	08-09 बजे
कुंभ....	09-52 बजे
मीन....	11-22 बजे
मेष.....	12-48 बजे
वृष.....	14-25 बजे
मिथुन..	16-22 बजे
कर्क....	18-35 बजे
सिंह----	20-54 बजे
कन्या---	23-10 बजे
तुला----	01-24 बजे
वृश्चिक..	03-42 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-49
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-48
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - पौष शुक्ल पक्ष शनिवार 03 January 2026
तिथि - पूर्णिमा 15-32 तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - आर्द्रा 17-28 रात्रि तक उप पुनर्वसु
योग - ब्रह्म 09-05 तक उप. ऐन्द्र
करण - बव 15-32 तक उप बालव
पूर्णिमा पुण्य
माघ स्नान प्रा

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
09-34
10-58

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
काल	06-49 - 08-11 अशुभ	लाभ	17-48 - 19-30 शुभ
शुभ	08-11 - 09-34 शुभ	उत्पात	19-30 - 21-07 अशुभ
रोग।।	09-34 - 10-58 अशुभ	शुभ	21-07 - 22-44 शुभ
उत्पात	10-58 - 12-21 अशुभ	अमृत	22-44 - 00-21 शुभ
चंचल	12-21 - 13-44 शुभ	चंचल	00-21 - 01-58 शुभ
लाभ	13-44 - 15-07 शुभ	रोग	01-58 - 03-35 अशुभ
अमृत	15-07 - 16-30 शुभ	काल	03-35 - 05-12 अशुभ
काल	16-30 - 17-48 अशुभ	लाभ	05-12 - 06-49 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है । जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे , वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे । वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें । आज आप विलासिता से संभंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है , जो आप लम्बे समय से करना चाह रहे थे ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन उन लोगों के लिए सबसे अनुकूल है , जो किसी भी स्वास्थ्य से संबंधित व्यवसायों में हैं । डॉक्टरों, नर्सों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों और यहां तक कि मेडिकल छात्रों की सफलता के लिए आज का दिन उपयुक्त है । अगर आप किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें रहे है तो इस सलाह को माने क्यों की ये आपके पेशेवर जीवन के लिए इस समय बहुत ही प्रासंगिक होगी।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है और लोगो को नयी वस्तु या व्यक्ति पर भरोसा करने में समय लगता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार है। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है और आपके काम में समर्थन भी करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप एक लापरवाह और असाधारण अवस्था में रहेंगे । आज के दिन आप किसी पार्टी के आयोजन में आनंद लेंगे और आस पास के व्यक्तियों को प्रभावित भी करेंगे । आज आप ये नहीं सोचेंगे की धन कहा से आ जा रहा है जिसकी वजह से आपके वित्त पर एक नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, आपकी लापरवाही के बावजूद , आपका वित्तीय स्वास्थ्य सही रहेगा ।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आपके मितव्ययी होने की संभावना है, और आप एक असाधारण अवस्था में रहेंगे । आप एक महंगी कला की वस्तु खरीद सकते है क्यों की आप कला के पुजारी है । आप अपने पास के किसी व्यक्ति के लिए एक महंगा उपहार खरीद सकते है जो की उस व्यक्ति को आश्रयचकित कर सकता है । आपके कार्यस्थल में सब कुछ सुचारू रूप से चलेगा ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शराब घोटाला: भूपेश के बेटे चैतन्य को हाईकोर्ट से मिली जमानत

ईडी की गिरफ्तारी को दी थी चुनौती, 18 जुलाई से जेल में हैं बंद

बिलासपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। इस मामले में उनकी जमानत याचिका पर बहस पूरी हो चुकी थी। हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। कोर्ट ने आज शुक्रवार को चैतन्य बघेल की जमानत को लेकर आदेश जारी कर दिया है।

शराब घोटाला केस में गिरफ्तार चैतन्य बघेल 18 जुलाई से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। चैतन्य की ओर से अदालत में ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए राहत की मांग की गई थी। वहीं ईडी ने अपने पक्ष रखते हुए चैतन्य के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर विस्तार से तर्क दिया।

फिलहाल, चैतन्य बघेल को ईडी और ईओडब्ल्यू मामले में जमानत मिली है। अन्य मामलों में जांच जारी है। चैतन्य की ओर से हाईकोर्ट में हर्षवर्धन परगनिहा ने पक्ष रखा। इस अहम मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में हुई।

ईडी ने कहा- चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं।

शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। साथ ही 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

चैतन्य के प्रोजेक्ट में 13-15 करोड़ इन्वेस्ट

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील सौरभ पाण्डेय ने बताया था कि शराब घोटाले का जो इन्वेस्टिगेशन चल रहा था उसमें एविडेंस मिले हैं, जिसमें चैतन्य बघेल ने बहुत सारे पैसे को लेयरिंग की है। 1000 करोड़ का लेनदेन किया है। पप्पू बंसल ने अपने बयान में खुलासा किया है।

शराब के घोटालों के पैसों को चैनलाइज्ड करके चैतन्य बघेल तक पहुंचाया जाता था। लिकर स्कैम का पैसा अनवर ढेबर के जरिए दीपेंद्र चावड़ा फिर वह पैसा केके श्रीवास्तव और कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल औ उसके बाद चैतन्य बघेल के पास यह पैसा पहुंचता था।

सौरभ पाण्डेय ने बताया था कि शराब घोटाले में जिन लोगों का इन्वॉल्वमेंट है उन लोगों के आपस में कनेक्शन है। अनवर ढेबर से मोबाइल चैट और रिकॉर्डिंग मिली है। चैतन्य बघेल तक पैसा पहुंचाया गया है।

बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने बताया था कि पप्पू बंसल के बयान को आधार मानते हुए चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी की गई है जो सही नहीं है।

पप्पू बंसल के खिलाफ नॉन बेलेबल वारंट है और वह बाहर घूम रहे हैं। किसके दबाव में उन्होंने इस तरह का बयान दिया है यह आप समझ सकते हैं।

युवक ने युवती को कुल्हाड़ी से काटा, मौत

शव के दो टुकड़े कर दिए, एक आंख भी निकाल दी, लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे दोनों

गुमला, 2 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला के गुरदरी थाना क्षेत्र अंतर्गत आमती पानी इलाके में युवक ने एक युवती की कुल्हाड़ी से काटकर बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने महिला के शरीर पर कई वार किए, शव के दो टुकड़े कर दिए और एक आंख भी निकाल दी। दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रह रहे थे। मृतका की पहचान असिखा कुमारी उर्फ पूजा (19) के रूप में हुई है। आरोपी का नाम बुधेश्वर असुर बताया जा रहा है। दोनों आदिम जनजाति समुदाय से हैं।

दोनों जंगल में लकड़ी लाने गए थे और इसी दौरान यह घटना हुई। जंगल में ही किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। गुस्से में आकर बुधेश्वर ने अपने पास मौजूद कुल्हाड़ी से असिखा पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी वहीं मौजूद रहा। इधर, सूचना मिलते ही गुरदरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी बुधेश्वर असुर को गिरफ्तार कर लिया। उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली है। एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

करोड़पति-बिजनेसमैन ने भाई को मारी 3 गोली

वीडियो कॉल पर मां को लाश दिखाई, शादी टूटने से नाराज था, कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में करोड़पति बिजनेसमैन ने 2 साल पहले अपने भाई की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी बड़े भाई को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सरकारी वकील ने कोर्ट के सामने पूरे घटनाक्रम और सबूतों को रखा।आरोपी के खिलाफ हत्या और अवैध तरीके से पिस्टल रखने की बात साबित हो गई। जिसके बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है। इस मामले में लोक अभियोजक बसंत गोड़ ने मामले की पैरवी की।

मामला 25 फरवरी 2024 का है। पुलिस को देर रात सूचना मिली कि रायपुर के सफायर ग्रीन फेज-2 कॉलोनी में एक भाई ने अपने छोटे भाई का मर्डर कर दिया। सिर पर गोली मारकर उसकी जान ले ली। आरोपी करोड़पति बिजनेसमैन है। मर्डर के बाद आरोपी ने मां को वीडियो कॉल कर कहा कि उसे मार दिया। फिर आरोपी कार में पिस्टल लिए घूमता रहा था। इस बीच हत्यारे को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। आरोपी पीयूष झा अपने छोटे भाई पराग के साथ ही रहता था। दोनों ड्रोन बनाने की कंपनी चलाते थे। घटना की रात दोनों भाइयों में झगड़ा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पराग ने बड़े भाई पर हाथ उठा दिया। इससे तैश में आकर पीयूष ने कबर्ड से पिस्टल निकाली और 3 गोलियां अपने ही छोटे भाई पर चला दी। पराग जमीन पर गिर पड़ा और पूरे फर्श पर खून बिखर गया। इसके बाद पीयूष ने मां को वीडियो कॉल कर लाश दिखाई और कॉल डिस्कनेक्ट कर भाग गया। मां इनसे अलग कैपिटल होम कॉलोनी में रहती थी। उसने पुलिस को फोन किया। विधानसभा थाने की एक टीम देर रात घटनास्थल पर पहुंची। दूसरी टीम ने शहर में नाकेबंदी कर पीयूष की तलाश शुरू की। इस घटना के बाद मां और परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल था।

पुलिस का दावा है कि शहर में तुरंत नाकेबंदी की गई आरोपी के कार और मोबाइल नंबर के लोकेशन से उसे डीडीनगर इलाके में पकड़ा गया। पुलिस ने पीयूष से पूछताछ की। जानकारी मिली कि आरोपी नशे का आदी था।

घटना में इस्तेमाल की गई पिस्टल भी जब्त कर ली गई। पिस्टल का लाइसेंस भी नहीं था। भाई को गोली मारने वाले पीयूष ने रायपुर की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की।

पीयूष झा एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग है। उसने छात्रावास अधीक्षक की नौकरी में सिलेक्शन हासिल किया मगर ड्रोन कंपनी के स्टार्टअप के लिए नौकरी छोड़ी। 45 हजार रुपए से ड्रोन बनाने की शुरुआत करने वाले पीयूष का कारोबार दो साल में ही 3.50 करोड़ तक पहुंच गया।

गैंगस्टर प्रिंस खान का शूटर गिरफ्तार

कुवैत से मिला था गोल्ड हाउस पर फायरिंग का निर्देश, दो पहले भी हो चुके हैं अरेस्ट

पलामू, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के तीसरे शूटर शाहरुख अली को गिरफ्तार किया है। उसे कुवैत से स्वर्ण कारोबारी रंजीत सोनी की दुकान 'गोल्ड हाउस' पर फायरिंग करने का निर्देश मिला था। शाहरुख शहर थाना क्षेत्र के पहाड़ी मोहल्ला का निवासी है।

गैंगस्टर प्रिंस खान ने 'गोल्ड हाउस' के मालिक से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। 25 दिसंबर को दुकान पर फायरिंग की घटना से पहले दो अन्य शूटरों को भी पकड़ा गया था।

पहले के दो शूटरों की गिरफ्तारी के बाद, शाहरुख के भांजे मोहम्मद आतिफ ने उसे 30 हजार रुपए में फायरिंग का काम सौंपा था। आतिफ कुवैत में रहता है और प्रिंस खान के संपर्क में है।

एसपी रीष्मा रमेशन ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी के पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। शाहरुख अली को वाहन चेकिंग अभियान के दौरान कोयल नदी किनारे पुल के नीचे पकड़ा गया। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन पीछा कर उसे दबोच लिया गया।

प्रिंस खान ने व्हाट्सएप ऑडियो क्लिप भेजकर रंगदारी मांगी थी

पूछताछ में शाहरुख ने बताया कि वह प्रिंस खान के निर्देश पर रंजीत सोनी के प्रतिष्ठान पर फायरिंग करने वाला था। प्रिंस खान ने व्हाट्सएप ऑडियो क्लिप भेजकर रंगदारी मांगी थी, लेकिन व्यवसायी ने रकम नहीं दी थी। शाहरुख ने भांजे आतिफ के कहने पर हथियार खरीदे थे।

पुलिस को जांच के दौरान आतिफ का एक सोशल मीडिया वीडियो भी मिला है, जिसमें वह प्रिंस खान से बात करते हुए स्क्रीन रिकॉर्डिंग पोस्ट कर रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से पलामू में प्रिंस खान के पैर जमाने के मंसूबों को झटका लगा है।

युवक की मौत पर परिजनों का हंगामा

दोस्त ने सड़क दुर्घटना बताया, परिवार ने उस पर ही लगाया हत्या का आरोप

कोडरमा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात एक युवक की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। 22 वर्षीय रामबचन साव की मौत को पहले सड़क दुर्घटना बताया जा रहा था, लेकिन अब परिजनों ने उसके दोस्त राहुल कुमार पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने डोमचांच थाने में राहुल कुमार के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए आवेदन दिया है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, 31 दिसंबर की रात रामबचन साव और राहुल कुमार एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर पिकनिक मनाने डोमचांच के जंगलों में गए थे।

तमनार हिंसा: महिला आरक्षक की वर्दी फाड़ी, अर्धनग्न किया

भीड़ ने दौड़ाया, खेत में गिराकर घसीटा, रो-रोकर बोली- भाई छोड़ दो, लोगों ने बताया साजिश

रायगढ़/रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के तमनार ब्लॉक में जेपीएल कोयला खदान के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान महिला आरक्षक के कपड़े फाड़ दिए गए। प्रदर्शनकारियों ने उसे आधा किमी तक दौड़ाया। जब वह खेत में गिर गई, तो वर्दी फाड़-फाड़कर उसे अर्धनग्न कर दिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम का प्रदर्शनकारियों ने वीडियो भी बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 40 सेकेंड के इस वीडियो में महिला आरक्षक रो-रोकर प्रदर्शनकारियों को भाई बोलकर कहती है कि, मुझे माफ कर दो, छोड़ दो।

प्रदर्शनकारी कहते हैं कि, क्या करने आई थी। चप्पल से मारूं अभी। चलो भाग जाओ यहां से। उसके बाद उसे छोड़कर लोग चले जाते हैं। इससे पहले महिला टीआई को लात मारने का वीडियो सामने आया था। यह हिंसक झड़प 27 दिसंबर 2025 को हुई थी।

वहीं 14 गांवों के लोगों ने प्रेस नोट जारी कर घटना का विरोध किया है। साथ ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों की माने तो शांतिपूर्ण चल रहे जनआंदोलन को बदनाम करने की साजिश की गई है।

वहीं कांग्रेस ने इसे भाजपा सरकार के कार्यकाल में पुलिस और प्रशासन के प्रति जनता का बढ़ता अविश्वास और आक्रोश बताया है। इससे पहले भी तमनार, लोहारीडीह और बलौदाबाजार जैसी घटनाएं सामने आईं थीं।

दरअसल, मामला 8 दिसंबर 2025 को धौराभाटा में हुई जनसुनवाई के विरोध से जुड़ा है। जेपीएल कोयला खदान सेक्टर-1 कोल ब्लॉक से प्रभावित 14 गांवों के लोग 12 दिसंबर से धरने पर बैठे हुए थे। 27 दिसबंर को सुबह करीब 9 बजे लिबरा चौक पर लगभग 300 ग्रामीण जमा हो गए। सड़क पर बैठकर आने-जाने का रास्ता रोक दिया।

स्थिति बिगड़ती देख सुबह करीब 10 बजे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाया। धरनास्थल पर लगे टेंट में वापस भेज दिया। कुछ समय के लिए माहौल शांत हुआ, लेकिन तनाव बना रहा।

जिला प्रशासन के मुताबिक आसपास के गांवों से और लोग मौके पर पहुंचने लगे। दोपहर तक भीड़ की संख्या करीब 1000 के आसपास हो गई। घरघोड़ा के एसडीएम और पुलिस अधिकारी लगातार माइक से लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते रहे, लेकिन भीड़ बार-बार सड़क पर आकर रास्ता रोकने की कोशिश करती रही।

करीब दोपहर ढाई बजे अचानक हालात बिगड़ गए। भीड़ ने पुलिस के बैरिकेड तोड़ दिए। पत्थर और डंडों से हमला कर दिया। पुलिस पर जमकर लाठियां और पत्थर बरसाए गए।

तमनार थाना प्रभारी कमला पुसाम को महिलाओं ने लात-घूंसे से पीटा। जिससे कई पुलिसकर्मी और महिला आरक्षक भी घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जिला प्रशासन के मुताबिक उग्र भीड़ ने मौके पर खड़ी पुलिस बस, जीप और एम्बुलेंस में आग लगा दी। कई अन्य सरकारी वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया। इसके बाद भीड़ जिंदल के कोल हैंडलिंग प्लांट की ओर बढ़ गई।

डिप्टी सीएम साव को बंदर कहने पर भड़का साहू समाज

कहा-10 दिन में माफी मांगें भूपेश बघेल के बयान पर नाराजगी

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव की तुलना बंदर से की थी। इस टिप्पणी पर साहू समाज ने भूपेश बघेल के खिलाफ नाराजगी जताई है। छत्तीसगढ़ साहू समाज ने सभी जिलों में एसपी को ज्ञापन सौंपने का फैसला लिया है।

समाज ने कहा कि भूपेश बघेल 10 दिन के अंदर माफी मांगे नहीं तो आंदोलन किया जाएगा। साहू समाज के अध्यक्ष नीरेन्द्र साहू 5 जनवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। ज्ञापन सौंपने के लिए साहू समाज ने सभी जिलाध्यक्षों को पत्र जारी किया है।

बता दें कि भूपेश बघेल ने बिलासपुर दौरे के दौरान जंगल की कहानी के जरिए डिप्टी सीएम अरुण साव पर तंज कसा था। छत्तीसगढ़ी में बयान देते हुए बघेल ने कहा था कि 'जंगल के सभी राजा मन मिल के बेंदरा ल राजा बना दिन'।

इसी बयान पर साहू समाज ने माफी मांगने को कहा है। वहीं, इस मामले में अरुण साव की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि इतने वरिष्ठ नेता को शब्दों की मर्यादा होनी चाहिए।

बता दें कि, 29 दिसंबर 2025 पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिलासपुर के लिंगियाडीह पहुंचे थे। जहां उन्होंने बस्ती उजाड़ने को लेकर पिछले 37 दिन से चल रहे स्थानीय आंदोलन का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव पर तीखा हमला बोला था।

उन्होंने कहा कि लिंगियाडीह बस्ती को तोड़कर जो गार्डन बनाया जा रहा है, "क्या मुख्यमंत्री अपनी पत्नी के साथ वहां घूमने आएंगे।"

इसी तरह भूपेश बघेल ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव की तुलना बंदर से करते हुए कहा कि दो साल में केवल 950 मीटर सड़क बन सकी और किसी भी मामले में काम नहीं हो पा रहा।उन्होंने स्थानीय लोगों से कहा कि वे डटे रहें, कोई उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा। अरुण साव पर निशाना साधते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि साव का नगरीय निकाय, पीडब्ल्यूडी विभाग, जल जीवन मिशन किसी विभाग में काम नहीं चल रहा है।

बकरा काटने वाले हथियार से पत्नी का गला काटा

रायगढ़, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पति ने बकरा काटने वाले हथियार से पत्नी का गला काट दिया। आरोपी पति सेतु चौहान (34 साल) को पत्नी पर दूसरे युवक से अफेयर का शक था। नए साल के पहले दिन 1 जनवरी 2026 की रात इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

इस दौरान आरोपी पति ने पत्नी को बनसिया रोड लेकर गया, जहां लोहे के हथियार से पत्नी के गर्दन पर वार कर दिया। पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या करने के बाद आरोपी पति रात में खुद थाना पहुंचा और मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक पुसौर के नवापारा का रहने वाला सेतु चौहान (34 साल) पिछले कुछ समय से पत्नी निशा चौहान (30 साल) और दो बच्चों के साथ चमड़ा गोदाम में किराए के मकान में रह रहा था। उसे पत्नी पर चरित्र संदेह था। इसे लेकर दोनों के बीच कई बार बहस होती थी। 1 जनवरी 2026 की रात दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ।

इसके बाद रात करीब 8 बजे सेतु पत्नी को सांगीतराई से बनसिया रोड पर लेकर गया और वहां उसके गर्दन पर लोहे के कत्ते (बकरा-मुर्गा काटने का हथियार) से हमला कर दिया। निशा खून से लथपथ होकर गिर गई और मौके पर उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर सेतु जूटमिल थाना पहुंचा और मामले की जानकारी पुलिस को दी।

जानकारी मिलते ही पुलिस के जवान तुरंत मौके पर पहुंचे। सड़क किनारे खून से सनी हुई निशा की लाश पड़ी हुई थी।

दुर्ग पुलिस ने नौ तस्करों को दबोचा

लाखों की हेरोइन और डोडा बरामद, कार और नकदी जब्त

दुर्ग, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस ने 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत नशे के कारोबार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में हेरोइन, डोडा (अफीम का डोडा), एक कार और लाखों रुपये की नकदी बरामद की गई है। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि खुर्सीपार मिनी स्टेडियम के पास कुछ लोग हिरोइन बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और मौके पर पहुंचकर दो आरोपियों को दबोच लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 14 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे पंजाब से हेरोइन मंगवाकर खुर्सीपार निवासी लोकेश अवस्थी, दीपक साहू और निहाल को बेचते थे।

पुलिस ने आगे की पूछताछ की तो यह तार रणजीत सिंह और अल्ताफ कुरैशी तक जा पहुंचे, जिनके पास से भी पुलिस ने हेरोइन बरामद की। सभी आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ। आरोपियों ने बताया कि वे जामुल की रहने वाली एक महिला और उसके बेटे किशन सिंह के साथ मिलकर पंजाब से हेरोइन मंगवाते थे। वे हेरोइन को 20 हजार रुपये प्रति ग्राम के भाव से बेचते थे। आरोपी किशन ग्राहक तक हेरोइन पहुंचाने का काम करता था।

पुलिस ने महिला और किशन के पास से बिक्री के आठ लाख 90 हजार रुपये बरामद किए।

हाईकोर्ट का फैसला: पटवारियों की राजस्व निरीक्षक पदोन्नति परीक्षा रद्द

चयन प्रक्रिया पर उठाए सवाल

बिलासपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राजस्व निरीक्षक के पद पर पदोन्नति के लिए आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया है। एकलपीठ ने माना कि परीक्षा प्रणाली दूषित थी और इसमें भाई-भतीजावाद, कदाचरण व पक्षपात के संकेत मिले हैं। इस फैसले से 216 पटवारियों को राजस्व निरीक्षक के पद पर पदोन्नति का रास्ता फिलहाल बंद हो गया है।

मामले की सुनवाई जस्टिस एन. के. व्यास की एकलपीठ में हुई। कोर्ट ने पाया कि पदोन्नति परीक्षा पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से आयोजित नहीं की गई थी।

चयन प्रक्रिया में गंभीर खामियां पाई गईं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसमें अनियमितताएं बरती गई हैं। कोर्ट के इस निर्णय के बाद, याचिकाकर्ताओं को राजस्व निरीक्षक के प्रोफेशनल पद के लिए प्रशिक्षण पर भेजने का निर्देश जारी नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि पटवारी पद से राजस्व निरीक्षक के पद पर पदोन्नति के लिए एक नई, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा आयोजित की जाए।

सरकार इस संबंध में स्वतंत्र है और उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में होने वाली चयन प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष हो।

यह मामला 216 पटवारियों से जुड़ा है जिन्हें राजस्व निरीक्षक के पद पर पदोन्नति दी गई थी। पदोन्नति के लिए ली गई परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठने के बाद मामला कोर्ट पहुंचा। याचिकाकर्ताओं ने परीक्षा प्रणाली में धांधली और पक्षपात का आरोप लगाया था। कोर्ट ने इन आरोपों की गंभीरता को समझते हुए विस्तृत जांच के बाद यह फैसला सुनाया है।

झारखंड सरकार ने तीन दुर्दांत माओवादियों पर घोषित किया एक-एक लाख रुपये का इनाम

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नक्सली वारदातों से त्रस्त झारखंड सरकार अब माओवादियों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। हेमंत सोरेन की सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के तीन दुर्दांत माओवादियों पर इनाम घोषित किया है। सरकार ने चाईबासा जिले की रहने वाली नक्सली फूलमनी कोड़ा, कोदोमुनी कोड़ा और चोगो पूर्ति पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। यह तीनों को भाकपा माओवादी कैडर के माओवादी बताए जाते हैं। चाईबासा पुलिस की अनुशंसा पर यह इनाम घोषित किया गया है।

झारखंड सरकार ने नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियानों में घायल जवानों के को अनुदान राशि जारी की है। करीब साढ़े चार साल पहले 13 जुलाई 2021 को नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान गुमला में आईईडी विस्फोट हुआ था। इसमें घायल हुए सीआरपीएफ के जवान विश्वजीत कुंभकार के 2.10 लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई है। झारखंड में 13 साल से अधिक पहले खूंटी के रनिया में 23 जुलाई 2012 को नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की थी। इसमें सीआरपीएफ के जवान सुनील कुमार घायल हो गए थे। उनको अब झारखंड सरकार ने 3.50 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी है।

झारखंड सरकार घायल जवानों की मदद करके नक्सल विरोधी अभियान में जुटे जवानों का मनोबल बढ़ाना चाहती है। सरकार माओवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ सुरक्षा बलों के कल्याण पर भी खास ध्यान दे रही है। सरकार नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के साथ सुरक्षा मजबूत करने की नीति अपना रही है।

नक्सली फूलमनी कोड़ा, कोदोमुनी कोड़ा और चोगो पूर्ति के बारे में बताया जाता है कि वे भाकपा माओवादी संगठन से जुड़े सक्रिय नक्सली हैं। सरकार का मानना है कि इनाम घोषित होने से माओवादी गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

चीन ने मैदान में उतारी बाहुबली डीएफ-27 मिसाइल

अमेरिका को समुद्र से जमीन तक खतरा, हड़कंप

बीजिंग, 2 जनवरी (एजेंसियां)। चीन की आर्मी ने ऑपरेशनल तौर पर अपनी डीएफ-27 मिसाइल तैनात कर दी है। दुनिया की सबसे ताकतवर मिसाइलों में शुमार डीएफ-17 एक इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) है। इस मिसाइल में एंटी शिप क्षमता है, जो टकराव की स्थिति में ना सिर्फ चीन के पड़ोसी देशों बल्कि अमेरिका के लिए भी खतरा बन सकती है। यह मिसाइल अमेरिका तक हमला कर सकती है। ऐसे में चीन की यह तैनाती ट्रंप प्रशासन के लिए चिंता को बढ़ाने वाली है।

यूरेशियन टाइम्स के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने 23 दिसंबर को चीन के सैन्य और सुरक्षा विकास पर साल 2025 की रिपोर्ट जारी की है। इसमें डीएफ-17 की तैनाती का दावा किया गया है। डीएफ-27 की क्षमताओं की आधिकारिक तौर पर पहली बार पुष्टि करते हुए पीएलए की तैनात पारंपरिक स्ट्राइक क्षमता दिखाई गई। इसका मतलब है कि डीएफ-27 हवाई या अलास्का जैसे अमेरिका के मुख्य भूभाग में भी लक्ष्यों को नष्ट कर सकती है।

डीएफ-27 मिसाइल 5,000 से 8,000 किलोमीटर दूर तक जमीन और समुद्री लक्ष्यों पर हमला कर सकती है। डीएफ-27 की तैनाती के साथ चीनी सेना के पास लगभग पूरे इंडो-पैसिफिक को कवर करने और अमेरिकी प्रशांत फ्रंटलाइन क्षेत्रों पर हमला करने की क्षमता हो जाती है। इनका इस्तेमाल टकराव की स्थिति में बीजिंग के खिलाफ हमले करने के लिए लॉन्चपैड के रूप में किया जा सकता है।

चीन की इस मिसाइल की रेंज ऑस्ट्रेलिया में महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाने की है, जो दक्षिण प्रशांत में अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है। पेंटागन के आकलन में कहा गया है कि इस अपनी तरह के पहले एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम की तैनाती से चीन अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर अपनी मौजूदा क्रूज, सुपरसोनिक और हाइपरसोनिक मिसाइलों की रेंज से ज्यादा दूरी से हमला कर पाएगा।

अमेरिका की चिंता इसलिए भी बढ़ी हुई हैं क्योंकि ताइवान के मुद्दे पर उसे चीन से तनातनी बढ़ने का डर है। वहीं उसके लिए डीएफ-27 चीनी सेना का गुप्त रहस्य बना हुआ है। डीएफ-27 के बारे में ज्यादातर जानकारी लीक हुई इंटेलिजेंस और पेंटागन के आकलन से मिली है। इस मिसाइल का खुलासा पहली बार पेंटागन की 2021 की रिपोर्ट में किया गया था, जिसमें इसे एक लंबी दूरी का हथियार बताया गया था।

हाल ही में डीएफ-27 के बारे में बात करते हुए, यूएस नेवल वॉर कॉलेज के चाइना मैरीटाइम स्टडीज इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर एंड्रयू एरिक्सन ने कहा है कि चीन ऐसी क्षमता वाला पहला देश बन गया है। एक पारंपरिक आईसीबीएम में एएसबीएम वेरिएंट भी है जो इंटरकॉन्टिनेंटल दूरी तक तेजी से सटीक हमले कर सकता है। डीएफ-27 हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (एचजीवी) के साथ आता है, तो अमेरिकी हवाई सुरक्षा के लिए इसे रोकना बहुत मुश्किल होगा।

पोलैंड 2026 में यूरोप की सबसे ताकतवर सेना बनाएगा

पीएम डोनाल्ड टस्क ने ऐलान किया

वारसॉ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने 2026 में यूरोप की सबसे मजबूत सेना बनाने का ऐलान किया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, सरकार सैन्य ताकत बढ़ाने, बड़े स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और अपराध पर सख्त कार्रवाई की दिशा में तेजी से कदम उठाएगी। न्यू ईयर संदेश में टस्क ने कहा कि उनकी सरकार सेना के विस्तार की रफ्तार बढ़ाएगी और रक्षा क्षेत्र समेत अहम उद्योगों के पुनर्निर्माण और स्व-देशीकरण) को आगे बढ़ाएगी। इसके तहत बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट भी शुरू किए जाएंगे। टस्क ने कहा, "हम यूरोप की सबसे मजबूत सेना के निर्माण में तेजी लाएंगे। बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश तेज होंगे और बाल्टिक सागर क्षेत्र में हमारी मौजूदगी मजबूत होगी।"

उन्होंने सार्वजनिक खरीद (पब्लिक प्रोक्योरमेंट) में सख्त "पोलैंड फर्स्ट" नीति लागू करने की भी घोषणा की, ताकि घरेलू कंपनियों को प्राथमिकता मिले।

ईरान की तरफ उठने वाले हाथ को काट दिया जाएगा

खामेनेई के करीबी ने ट्रंप को दी जवाबी धमकी

तेहरान, 2 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दखल देने की धमकी दी है। इस पर तेहरान की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप को चेताया गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के सलाहकार अली लारीजानी ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ईरानी विरोध प्रदर्शनों में अमेरिका की दखलअंदाजी से पूरे इलाके में अराजकता फैल जाएगी। खामेनेई के एक ओर सलाहकार शामखानी ने यहां तक कह दिया है कि ईरान को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी हाथ को टारगेट पर पहुंचने से पहले काट दिया जाएगा। ट्रंप समझ लें कि राष्ट्रीय सुरक्षा हमारे लिए स्पष्ट रेड लाइन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से ईरान में रविवार से शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों पर अपने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा है कि ईरानी सरकार प्रदर्शनकारियों को मार रही है और विरोध को बलपूर्वक दबा रही है। अमेरिका इस ज्यादती को दूर से बैठकर नहीं देख सकता है। अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका प्रदर्शनकारियों के बचाव के लिए कूदेगा।

ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लाराजनी ने ट्रंप को जवाब देते हुए एक्स पर लिखा, 'इजरायली अधिकारियों और डोनाल्ड ट्रंप के बयानों से पता चलता है कि पर्दे के पीछे क्या चल रहा था। अब चीजें लगभग साफ हो गई हैं। हम विरोध करने वाले दुकानदारों के रुख और गड़बड़ी फैलाने वाले लोगों की हरकतों के बीच फर्क करते हैं।'

अली ने आगे लिखा, 'डोनाल्ड ट्रंप को यह पता होना चाहिए कि ईरान के अंदरूनी मामले में अमेरिका का दखल पूरे इलाके को अस्थिर कर देगा। यह आखिर में अमेरिका के हितों को ही नुकसान पहुंचाएगा। अमेरिकी लोगों को समझाना चाहिए कि ट्रंप ने यह एडवेंचर शुरू किया है। उन्हें अपने सैनिकों की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए।'

सऊदी अरब ने बनाया फांसी देने का अनचाहा रिकॉर्ड

किस अपराध में मिली सबसे ज्यादा सजा-ए-मौत

रियाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने बीते साल, 2025 में फांसी की सजा दिए जाने का नया रिकॉर्ड बना दिया है। 2024 में देश में सबसे ज्यादा लोगों को मौत की सजा का रिकॉर्ड बना था, जो अगले ही साल टूट गया है।

सऊदी अरब ने साल 2025 में 356 लोगों को फांसी दी, जो एक साल में देश में मौत की सजा पाने वाले कैदियों की सबसे ज्यादा संख्या है।

फांसी की सजा में यह तेजी से बढ़ोतरी नशीली दवाओं के खिलाफ आक्रामक अभियान से जुड़ी है। ड्रग्स से जुड़े केसों में सबसे ज्यादा लोगों को फांसी का सामना करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान के हाथ लगा खजाना

खैबर-पख्तूनख्वा में विशाल तेल और गैस भंडार की खोज

इस्लामाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में तेल और गैस के बड़े भंडार की खोज हुई है। पाकिस्तान की ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) ने गुरुवार को नए भंडारों की खोज की जानकारी दी। कोहाट जिले में खोजे गए इस भंडार से रोजाना 4100 बैरल तेल का उत्पादन होगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस महत्वपूर्ण खोज को लेकर देश को बधाई दी और इसे पाकिस्तान के घरेलू ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है। पेट्रोलियम और गैस क्षेत्र पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए शहबाज ने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय खोज को प्राथमिकता देने से पेट्रोलियम आयात पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा को बचाने में मदद मिलेगी।

रोजाना निकलेगा 4100 बैरल तेल

पाकिस्तानी अखबार ट्रिब्यून ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस भंडार से रोजाना 4100 बैरल तेल के साथ ही प्रतिदिन 1 करोड़ 5 लाख क्यूबिक फीट गैस का उत्पादन भी होगा। बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने इस बड़ी खोज के लिए राष्ट्र को बधाई दी और इससे जुड़े विभागों को उनके काम के लिए तारीफ की।

एक बयान में ओजीडीसीएल ने बताया कि उसने कोहाट जिले में तेल और गैस का बड़ा भंडार खोजा है। 5170 मीटर की गहराई तक खोदे गए इस कुएं में फॉर्मेशन के भीतर 187 मीटर का हाइड्रोकार्बन युक्त क्षेत्र मिला है। केस्ड-होल-ड्रिल स्टेम टेस्ट के जरिए इसकी व्यवहार्यता की पुष्टि की गई है। कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड के पास 30% हिस्सेदारी है, जबकि गवर्नमेंट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के पास बाकी 5% हिस्सेदारी है।

एक और कुएं से शुरू हुआ उत्पादन

हालिया घोषणा इसके पहले दिसम्बर 2025 में बारागजगी कुएं में की गई खोज के बाद हुई है। कंपनी ने पुष्टि की कि बारागजई X-01 कुएं में उत्पादन शुरू हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ओजीडीसीएल अपने शेल गैस कार्यक्रम का भी विस्तार कर रहा है। इसे 2026-27 के लिए एक सिंगल टेस्ट कुएं से पांच से छह कुओं में बदलने की योजना है। इसमें हर कुएं से प्रतिदिन 30 से 40 लाख स्टैंडर्ड क्यूबिक फीट उत्पादन की उम्मीद है। इस कार्यक्रम को 1000 से अधिक कुओं तक बढ़ाया जा सकता है।

ईरान में खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हुआ, 7 मौतें

धार्मिक शहर कोम में हिंसा, ट्रम्प बोले- प्रदर्शनकारियों की हत्या हुई तो फिर हमला करेंगे

तेहरान, 2 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में महंगाई और सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन लगातार छठे दिन भी जारी है। ये प्रदर्शन ईरान के पवित्र शहर तक फैल गए हैं। कोम शिया धर्मगुरुओं का एक प्रमुख गढ़ है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने राजशाही के समर्थन में नारे लगाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई। इसमें 1 जनवरी को 5 लोगों की मौत हुई। इससे पहले 31 दिसंबर को भी एक शख्स की प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी में मौत हो गई थी।

प्रदर्शन में अब तक 6 आम लोगों और 1 सिक्योरिटी फोर्स की मौत हो चुकी है। ईरान में प्रदर्शन की शुरुआत 28 दिसंबर को हुई थी। तब राजधानी तेहरान में व्यापारियों ने इसकी शुरुआत की थी। अब इसमें हजारों जेनजेड भी शामिल हो चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी। ट्रम्प ने कहा कि अगर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की हत्या की गई तो अमेरिका कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने लिखा, "अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाता है या उन्हें बेरहमी से मारता है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आगे आएगा। हम पूरी तरह से तैयार हैं।

इससे पहले अमेरिका, ईरान के सैन्य ठिकानों और परमाणु सुविधाओं पर हमलें कर चुका है। जून 2025 में ईरान-इजराइल के बीच 12 दिनों तक युद्ध हुआ था, जिसमें अमेरिका भी शामिल हो गया था। देशभर में जेनजेड आक्रोश में है। इसका कारण आर्थिक बदहाली रहा है। दिसंबर 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल गिरकर करीब 1.45 मिलियन प्रति अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। साल की शुरुआत से रियाल की कीमत लगभग आधी हो चुकी है। यहां महंगाई चरम पर पहुंच गई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 72% और दवाओं की कीमतों में 50% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा सरकार द्वारा 2026 के बजट में 62% टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव ने आम लोगों में भारी नाराजगी पैदा कर दी है। तेहरान में यूनिवर्सिटी और व्यावसायिक क्षेत्रों में शुरू हुए ये प्रदर्शन अब कई शहरों में फैल चुके हैं।

कनाडा में 10 लाख भारतीयों पर लटकी तलवार

2026 में बन जाएंगे अवैध अप्रवासी

ओट्टावा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा में रह रहे भारतीयों के सामने बड़ी मुश्किल आने वाली है। देश में साल 2025 में रेकॉर्ड संख्या में परमिट खत्म हो गए हैं और 2026 में भी ऐसा होता रहेगा। इसके चलते जल्द ही कनाडा में बिना दस्तावेज वाले आप्रवासियों की संख्या बेतहाशा बढ़ने वाली है। इसमें आधे लगभग भारत से होंगे, जिनकी संख्या लगभग 10 लाख हो सकती है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी और सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) के डेटा से पता चलता है कि साल 2025 के आखिर तक लगभग 10,53,000 वर्क परमिट खत्म हो गए। 2026 में 9,27,000 परमिट और खत्म होने वाले हैं।

वर्क परमिट के खत्म होते ही इनके धारक देश में अवैध हो जाते हैं और उन्हें गैर-कानूनी माना जाता है, जब तक कि वे किसी दूसरे वीजा पर न चले जाएं या परमानेंट रेजिडेंसी हासिल न कर लें। हालांकि, कनाडा सरकार के इमिग्रेशन को कम करने की नीतियों के चलते इनमें से कोई भी रास्ता मुश्किल हो गया है। गैर-स्थायी श्रेणी में यह और मुश्किल है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय छात्र और अस्थायी कामगार शामिल हैं।

देश में एक साथ लाखों की संख्या में आप्रवासियों के ऊपर कानूनी दर्जा खोने का खतरा मंडरा रहा है। इसे लेकर एक्सपर्ट का कहना है कि हालात बहुत अराजक होने वाले हैं। इमिग्रेशन सलाहकार कंवर सेरा ने एचटी को बताया कि कनाडा को पहले कभी एक साथ इतने ज्यादा लोगों के स्टेटस खत्म होने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा।

सेरा ने बताया कि अकेले 2026 की पहली तिमाही में रेकॉर्ड 3,15,000 लोगों के वीजा खत्म हो जाएंगे।

किम जोंग उन की बेटी ने किया दादा और परदादा के समाधि स्थल का दौरा

उत्तराधिकार को लेकर अटकलें तेज

प्योंगयांग, 2 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ ने पहली बार अपने दादा और परदादा के समाधि स्थल का सार्वजनिक दौरा किया। शुक्रवार को सरकारी मीडिया में जारी तस्वीरों के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि वह भविष्य में देश की अगली नेता हो सकती हैं। किम परिवार दशकों से उत्तर कोरिया पर सख्त नियंत्रण के साथ शासन करता आया है और उनके तथाकथित 'पैक्टू वंश' (पैक्टू ब्लडलाइन) से जुड़ी व्यक्तित्व पूजा इस अलग-थलग पड़े देश के राजमर्रा के जीवन पर हावी है।

मौजूदा नेता किम जोंग उन इस वंश के तीसरे शासक हैं। उनसे पहले उनके पिता किम जोंग इल और दादा किम इल सुंग यहां के शासक रहे। सरकारी प्रचार में इन दोनों व्यक्तियों को शाश्वत (स्थायी) नेता बताया जाता है और प्योंगयांग के केंद्र में स्थित एक विशाल मकबरे 'कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन' में उनकी समाधि बनाई गई है। कोरियाई न्यूज एजेंसी ने बताया कि किम जोंग उन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस मकबरे का दौरा किया, जिसमें उनकी बेटी किम जू ऐ भी उनके साथ नजर आईं।

जिनपिंग बोले-चीन और ताइवान का एक होना तय

बीजिंग/ताइपे, 2 जनवरी (एजेंसियां)। चीन और ताइवान के बीच फिर से तनाव बढ़ गया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल के भाषण में कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है और दोनों के बीच खून का रिश्ता है।

उन्होंने कहा कि चीन और ताइवान का एक होना समय की मांग है और इसे कोई रोक नहीं सकता। ताइवान की सरकार ने इसे बहुत उकसाने वाला कदम बताया और कहा कि इससे पूरे क्षेत्र में अशांति फैल सकती है।

चीन हमेशा से कहता आया है कि ताइवान उसका हिस्सा है और जरूरत पड़ी तो सेना के दम पर उसे अपने साथ मिला लेगा। वहीं अमेरिका ने भी चीन की इस हरकत की आलोचना की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा कि चीन की बातें बेवजह तनाव बढ़ा रही हैं।

अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही नीति को दोहराते हुए विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य (ताइवान और चीन के बीच का समुद्री क्षेत्र) में मौजूदा शांति को भंग करने के किसी भी कदम का विरोध करता है।

अमेरिका पिछले कई दशकों से ताइवान की मदद करता आ रहा है ताकि वह अपनी रक्षा खुद कर सके। वहीं ट्रम्प ने चीन को लेकर नरम रुख दिखाया है। उन्होंने कहा कि वे चीन के सैन्य अभ्यासों से परेशान नहीं है।

अमेरिकी नागरिक से शादी अब ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं

ये गलती की तो आवेदन होगा खारिज

वॉशिंगटन, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में परमानेंट रेजीडेंसी यानी ग्रीन कार्ड को नागरिकता की दिशा में बड़ा कदम माना जाता है। यह अप्रवासियों को अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देता है। हालांकि, ग्रीन कार्ड होल्डर को अमेरिकी नागरिक के सभी अधिकार नहीं मिलते, लेकिन यह उन्हें कई जरूरी फायदे दिलाता है। यही वजह है कि इस परमिट की भारी डिमांड रहती है। अभी तक ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए किसी अमेरिकी नागरिक से शादी करने को सबसे भरोसेमंद तरीका माना जाता रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं होने जा रहा है। इमिग्रेशन एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ अमेरिकी नागरिक से शादी अब परमानेंट रेजिडेंसी की गारंटी नहीं रह गया है।

अमेरिकी कानून के अनुसार, किसी अमेरिकी नागरिक के पति या पत्नी को निकट संबंधी माना जाता है। इससे वे अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज के जरिए ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने के योग्य हो जाते हैं। लेकिन इमिग्रेशन वकीलों का कहना है कि योग्यता का मतलब मंजूरी नहीं है। इमिग्रेशन वकील ब्रैड बर्नस्टीन के हवाले से कहा गया कि सिर्फ शादी करने से ग्रीन कार्ड नहीं मिल जाता।

बर्नस्टीन ने कहा कि अब शादी पर आधारिक ग्रीन कार्ड आवेदनों को बहुत ज्यादा बारीकी से जांचा जा रहा है। खासतौर पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान इसमें तेजी आई है। अधिकारी शादी की कानूनी स्थिति पर कम और इस बात पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं कि क्या यह असल में सच्ची शादी है। ट्रंप प्रशासन ने इमिग्रेशन को लेकर सख्त नीति अपनाई है, जिसमें डायवर्सिटी वीजा लॉटरी को सस्पेंड करना भी शामिल है। इससे हर साल लगभग 50000 आप्रवासियों को वीजा दिया जाता था। बर्नस्टीन ने आगे बताया कि शादी के आधार पर ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए अब साथ रहना एक निर्णायक फैक्टर बन गया है। उन्होंने कहा, सिर्फ रिलेशनशिप में होने से आपको ग्रीन कार्ड नहीं मिलता। साथ रहने से मिलता है। इसके साथ ही चेतावनी दी कि जो कपल शादी कर चुके हैं लेकिन अलग रहते हैं, उनके आवेदन खारिज होने का खतरा सबसे ज्यादा है। बर्नस्टीन के अनुसार, अगर पति-पत्नी एक ही घर में नहीं रहते हैं तो उनका ग्रीन कार्ड केस पहले ही खराब हो रहा है। उन्होंने कहा कि इमिग्रेशन अधिकारी अलग रहने के लिए काम, पढ़ाई, पैसे या सुविधा जैसी वजहों को नहीं सुनते हैं। अलग रहने वाले जोड़ों की ज्यादा जांच होती है। इसमें शादी में धोखाधड़ी की संभावना, मुश्किल इंटरव्यू और कई बार आवेदन को सीधे खारिज कर दिया जाता है।

भारत के बाद इजरायल और तालिबान से बलूचों ने मांगी मदद

दुनिया में तेज की पाकिस्तान की घेरेबंदी

इस्लामाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग देश बनाने के लिए मीर यार बलूच ने अपना अभियान तेज कर दिया है। मीर यार ने इजरायल और अफगानिस्तान के नाम सोशल मीडिया पर खुली चिट्ठी लिखी है। मीर ने अपनी चिट्ठी में दोनों देशों से बलूचिस्तान की पाकिस्तान से आजादी के लिए मदद मांगी है। इन दोनों देशों के अलावा भारत से भी मीर यार मदद मांग चुके हैं। साथ ही मीर ने बलूचिस्तान की अलग सेना बनाने का ऐलान भी किया है।

मीर यार बलूच ने इजरायल के विदेश मंत्री के नाम अपने खुले पत्र में कहा है कि बलूचिस्तान गणराज्य मौजूदा क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच इजरायल के सामने आने वाली रणनीतिक वास्तविकताओं को पहचानता है। हमास को पाकिस्तान का समर्थन और ईरान के क्रांतिकारी धुरी के साथ उसका गठबंधन हिंसा में योगदान देता है।

मीर यार बलूच ने अपने पत्र में इजरयाल से कहा है कि पाकिस्तानी कब्जे से बलूचिस्तान की आजादी पाकिस्तान की आतंकवाद निर्यात करने की क्षमता को स्थायी रूप से खत्म कर देगी। इससे चरमपंथी समर्थन के एक महत्वपूर्ण रास्ता बंद हो जाएगा, जो इजरायली और वैश्विक सुरक्षा दोनों के लिए खतरा है। एक आजाद बलूचिस्तान रणनीतिक समुद्री पहुंच और क्षेत्रीय व्यापार के लिए सुरक्षित आर्थिक रास्ते खोलेगा, जो अरब सागर से मध्य एशिया और उससे आगे तक फैले होंगे। यह सुरक्षित व्यापार गलियारों और भूराजनीतिक साझेदारी में इजरायल के व्यापक हितों के साथ मेल खाता है। ऐसे में आप हमारी मदद करें। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर मुत्तकी को खुले पत्र में मीर यार कहते हैं कि बलूचिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं। ये रिश्ते आधुनिक सीमाओं और थोपे गए विभाजनों से पहले के हैं।

दोनों ओर के लोग पड़ोसी, भाईचारे और व्यापार में भागीदार के रूप में रहे हैं, जो साझा इतिहास, भूगोल और आपसी सम्मान से बंधे हुए हैं। एक स्वतंत्र बलूचिस्तान अफगानिस्तान के लिए ऐतिहासिक अवसर खोलता है। अरब सागर के साथ अपनी प्राकृतिक तटरेखा के साथ बलूचिस्तान अफगानिस्तान को वैश्विक बाजारों तक सुरक्षित और संप्रभु समुद्री गलियारा देता है। बलूचिस्तानी बंदरगाहों के माध्यम से अफगानिस्तान मध्य एशिया को मध्य पूर्व, यूरोप और उससे आगे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों तक अबाधित पहुंच प्राप्त कर सकता है। मीर ने आगे कहा कि हमारा दृढ़ विश्वास है कि एक बार पाकिस्तानी प्रभुत्व से मुक्त होने के बाद अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के पास ऐसी भू-राजनीतिक स्थिति है कि वे क्षेत्र के दो सबसे विकसित और स्थिर राष्ट्रों के रूप में उभर सकें।

चौमूं में मस्जिद बवाल के बाद बुलडोजर एक्शन

> बीजेपी नेता बोले-हकदार को सम्मान, गुनहगार को सजा

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण के चौमूं इलाके में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है.

जिन स्थानों पर बीते दिनों अतिक्रमण हटाने गई टीम और पुलिस पर पथराव हुआ था, वहीं अब बुलडोजर एक्शन चलाया जा रहा है. हालात नियंत्रण में रहें, इसके लिए पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

बीजेपी के पूर्व विधायक ने बोला हमला

जयपुर के चौमूं इलाके में प्रशासन द्वारा की जा रही बुलडोजर कार्रवाई पर बीजेपी के प्रवक्ता और चौमूं सीट से ही तीन बार विधायक रहे रामलाल शर्मा का सोशल मीडिया पोस्ट किया. पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने एक्स पर लिखा, राम लक्ष्मण जानकी, जय बोलो हनुमान की. हकदार को सम्मान मिले, गुनाहगार को सज़ा।

प्रशासन ने उपद्रवियों के खिलाफ चलाया 'ऑपरेशन क्लीन'

दरअसल, 25 दिसंबर की रात चौमूं के बस स्टैंड क्षेत्र में उस समय तनाव फैल गया था. जब मस्जिद के पास लगी रेलिंग हटाने के दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया और पुलिस पर पत्थर फेंके गए. इस घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए उपद्रवियों के खिलाफ 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत कार्रवाई शुरू की. अब अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए जेसीबी मशीनें मौके पर पहुंच चुकी हैं और लगातार कार्रवाई जारी है।

समय सीमा पूरी होने के बाद प्रशासन ने की कार्रवाई

प्रशासन की ओर से पहले ही मस्जिद के आसपास अतिक्रमण की जद में आने वाली दुकानों और मकानों पर नोटिस चस्पा किए जा चुके थे. नोटिस में संबंधित लोगों को 31 दिसंबर तक अपना पक्ष रखने और स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे. लेकिन समयसीमा पूरी होने के बाद अब बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर रही गश्त

जानकारी के अनुसार, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई थानों के एसएचओ लगातार इलाके में गश्त कर रहे हैं. डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा और एडिशनल डीसीपी राजेश गुप्ता खुद मौके पर मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए हैं. पुलिसकर्मी हेलमेट, लाठी और सेफ्टी जैकेट के साथ हर गतिविधि पर नजर रखे हुए हैं।

पूरे क्षेत्र में फिलहाल सन्नाटा पसरा हुआ है और अधिकतर दुकानों पर ताले लटके हैं. कार्रवाई के दौरान कुछ लोग हाथ जोड़कर प्रशासन से गुहार लगाते दिखे, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कानून के तहत जारी रहेगी।

बस में सफर कर रहे परिवार का जेवरात व नकदी से भरा बैग चोरी

पुलिस जांच में जुटी

जोधपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। फलोदी से जोधपुर आ रही रोडवेज बस में सफर कर रहे एक परिवार का कीमती सामान से भरा बैग चोरी हो गया। यह घटना उस समय हुई जब बस में रखा गया बैग किसी अज्ञात व्यक्ति ने मौका पाकर चुरा लिया। बताया जा रहा है कि बैग बस में कंडक्टर की सीट के नीचे रखा हुआ था।

पीड़ित परिवार के अनुसार भूरे रंग के लेदर बैग में करीब 15 तोला सोने के आभूषण, लगभग ढाई लाख रुपये नकद और अन्य जरूरी दस्तावेज रखे हुए थे। यात्रा के दौरान जब बैग नहीं मिला तो परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मामले की जानकारी मिलते ही उदय मंदिर थाना पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंतरराज्यीय ठग गिरोह का पर्दाफाश

नकली सोना बेचकर करते थे लाखों की ठगी!

भीलवाडा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा शहर में प्रतापनगर थाना ने एक बड़ी और सनसनीखेज धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुए अंतरराज्यीय ठग गिरोह की पोल खोल दी है. पुलिस ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए असली सोना बताकर नकली सोना बेचने वाले गिरोह के एक सदस्य को कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजपाल सिंह के अनुसार, थाने में दर्ज प्रकरण में पीड़ित की दुकान पर दो मजदूर जैसे दिखने वाले व्यक्ति पहुंचे और उन्होंने खुद को पुराने राजा-महाराजाओं के समय का सोना रखने वाला बताया, जिसके बाद उन दोनों ने सोने की चेन का एक छोटा टुकड़ा दिखाया. प्रारंभिक जांच करने के बाद सोने की 78 प्रतिशत शुद्धता सामने आई, जिससे पीड़ित का भरोसा जीता गया. दोनों व्यक्तियों ने बताया कि उनके पास ऐसा ही 30 तोला सोना ओर है, जिसकी कीमत 23 लाख रुपये बताई गई।

पीड़ित को पैसे लेकर कुंभा सर्किल पर बुलाया

पीड़ित ने उनसे सौदा पक्का करने के बाद उन्हें अपनी दुकान पर बुलाया था. इसके बाद राजू नामक व्यक्ति ने फोन कर पीड़ित को कुंभा सर्किल पर पैसे लेकर आने को कहा, जैसे ही पीड़ित वहां पहुंचा तो राजू अपने साथी और एक महिला साथी के साथ वहां पहुंचा। फिर महिला ने सोने के आभूषणों से भरी एक थैली पीड़ित को सौंपी और राजू ने उससे 23 लाख रुपये ले लिए. पैसे देने के बाद जब पीड़ित ने आभूषणों की पुनः जांच करवाई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ, जिसमें पता चला की थैली में रखा सारा सोना नकली (पीतल) था।

पुलिस ने कर्नाटक से गिरोह के सदस्य को किया गिरफतार

घटना सामने आते ही पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसके बाद तकनीकी व गोपनीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने कर्नाटक से गिरोह के एक सदस्य खीमाराम को गिरफ्तार किया. पूछताछ के दौरान गिरोह के ठगी के तरीके और उनके नेटवर्क की कई परतें भी खुलीं। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य देश के विभिन्न राज्यों में फूल या गमले बेचने का काम करते हुए रेकी करते हैं. जिसमें वे किसी सम्पन्न व्यक्ति को चिह्नित कर उसे "पुराना सोना" बताकर कम दाम में नकली सोने (पीतल) की माला बेचते हैं. गिरोह के लोग माला में कुछ असली सोने के मोती लगाकर प्रारंभिक जांच कराते हैं, जिससे पीड़ित का विश्वास जीत लिया जा सके. इसके बाद नकली सोना थमाकर बड़ी रकम लेकर गिरोह मौके से फरार हो जाते हैं। पुलिस की पूछताछ के दौरना गिरोह के सदस्यों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने कई राज्यों में इस तरह की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया गया है. जिसमें राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित अन्य राज्य शामिल है।

राजस्थान के छात्रों का जीके ज्ञान बढ़ाएगी भजनलाल सरकार

'पेपर' वाला नियम किया लागू

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों की प्रार्थना सभाओं में नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ने की व्यवस्था लागू की जा रही है। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। ने सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ने की व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। शिक्षा विभाग का मानना है कि विद्यार्थियों को देश-दुनिया की घटनाओं, सामाजिक गतिविधियों और समसामयिक विषयों की जानकारी होनी चाहिए। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए ये फैसला लिया गया है। इसके तहत अब सभी सीनियर सेकेण्डी सरकारी विद्यालयों की प्रार्थना सभा में प्रतिदिन 10 मिनट का समय समाचार पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित किए गए हैं। इस पहल के जरिए छात्रों में नियमित रूप से अखबार पढ़ने की रुचि और आदत विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।

करंट अफेयर और जीके नॉलेज बढ़ेगी

शिक्षा विभाग से मिले निर्देशों के अनुसार हर उच्च माध्यमिक सरकारी स्कूल में कम से कम दो अखबार मंगवाना अनिवार्य होगा। हिंदी माध्यम स्कूलों में दो हिंदी अखबार रखे जाएंगे, जबकि इंग्लिश मीडियम सरकारी स्कूलों में एक हिंदी और एक अंग्रेजी अखबार मंगवाए जाएंगे। प्रेयर मीट पूरी होने के बाद राष्ट्रीय स्तर के हिंदी और अंग्रेजी अखबारों से समाचार पढ़े जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों को दोनों भाषाओं में समझ विकसित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही उनकी करंट अफेयर और जीके नॉलेज भी बढ़ेगी। इसके अलावा प्रार्थना सभा के दौरान प्रतिदिन अखबार से पांच नए शब्द चुनकर विद्यार्थियों को बताए जाएंगे। ताकी स्टूडेंट्स की शब्दावली मजबूत हो। भाषा पर पकड़ भी बेहतर हो।

दर्शन करके लौट रही कार पलटी, 18 वर्षीय युवती की मौत

बालोतरा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बालोतरा जिले के सिवाना थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। मवड़ी गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार एसयूवी कार के अनियंत्रित होकर पलट जाने से 18 वर्षीय युवती की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के पांच अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जालौर जिले के केसवना गांव निवासी एक ही परिवार के कुल नौ सदस्य बालोतरा जिले के खेड़ क्षेत्र में स्थित जसोल माजीसा के दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे। करीब चार बजे जैसे ही उनकी एसयूवी कार सिवाना थाना क्षेत्र के मवड़ी गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंची, तभी अचानक वाहन चालक का संतुलन बिगड़ गया।

पुलिस-बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई, 20 करोड़ की हेरोइन जब्त; ड्रोन के जरिए लाई गई थी

श्रीगंगानगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे श्रीगंगानगर जिले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। एसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में रावला पुलिस ने बीएसएफ के सहयोग से हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 20 करोड़ रुपये कीमत की 4 किलो 88 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उनके पास से चीन निर्मित DJI कंपनी का ड्रोन भी जब्त किया गया है।

घड़साना में शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि रावला थाना क्षेत्र में सीमा पर बसे गांवों के मुखबिरों से हेरोइन तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर अतिरिक्त एसपी रामेश्वर लाल और डीएसपी प्रशांत कौशिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में नाकाबंदी कर गश्त शुरू की। गश्त के दौरान 15 केएनडी पुलिया के पास नहर किनारे तीन संदिग्ध युवक प्लास्टिक के कट्टे के साथ दिखे। पुलिस वाहन देखकर वे भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी में आरोपियों के पास से 4 किलो 88 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 20 करोड़ रुपये आंकी गई है। जांच में पता चला कि यह हेरोइन 29-30 दिसंबर की रात पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारत लाई गई थी। आरोपियों के पास से बरामद ड्रोन का इस्तेमाल इसी तस्करी में किया गया था।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगनदीप सिंह उर्फ लब्बू सिंह (26), पुत्र कुलवंत सिंह, निवासी चक 10 के, (अनूपगढ़), नीटू सिंह उर्फ रवनीत सिंह (21), पुत्र हरबंश सिंह, निवासी डबली राठान (हनुमानगढ़), सतपाल सिंह (27), पुत्र कृष्ण सिंह, निवासी चक 04 एसटीआर, घड़साना के रूप में हुई है। एसपी ने बताया- जगनदीप सिंह के पास से 1019 ग्राम, नीटू सिंह से 2048 ग्राम और सतपाल सिंह से 1021 ग्राम हेरोइन मिली। ड्रोन सतपाल ने अपने प्लास्टिक के बैग में छिपा रखा था। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर गहन पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में बड़े खुलासे होने की संभावना है। इस बरामदगी से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सीमा पर ड्रोन से तस्करी के बढ़ते मामलों को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में सर्च अभियान और नाकाबंदी शुरू कर दी है। एसपी डॉ. अमृता दुहन ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में नशे की तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

भारतीय सीमा में घुसपैठ कर ड्रोन से गिराई हेरोइन की खेप

वापस उड़ान नहीं भर पाया तो गिरा

श्रीगंगानगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय सीमा पार पाकिस्तान की नापाक हरकतों का दौर थमा नहीं है। पाकिस्तानी ड्रोन ने भारतीय सीमा में घुसपैठ कर गुरुवार देर रात ड्रोन पर हेरोइन की खेप भेजी। इस साल में पहली बार पाक से आई यह खेप ज्यादा वजनी बताई जा रही है। खेप गिराकर यह ड्रोन वापस पाकिस्तान के लिए उड़ान भरा लेकिन असफल रहा। इस बीच भनक लगने पर पुलिस और बीएसएफ ने ऑपरेशन चलाकर रावला थाना क्षेत्र गांव 15 केएनडी के पास बॉर्डर से सटे खेत में इस ड्रोन को जब्त किया है। इस ड्रोन पर अटैक किए गए चार पैकेट बरामद किए गए है। इन चारों पैकेट का वजन किया गया तो यह चार किलोग्राम से अधिक का निकला।

इस हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब बीस करोड़ रुपए बताई जा रही है। अनूपगढ़ के सीओ प्रशांत कौशिक ने बताया कि इन पैकेटों में चार किलो हेरोइन को पुलिस ने जब्त कर लिया है। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। उन्होंने बताया कि इस हेरोइन की डिलीवरी लेने के लिए पंजाब के ड्रग्स माफिया के गुर्गे इलाके में सक्रिय हो सकते हैं। इस लिहाज से तलाश की जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ महीने तक पाक ड्रोन की आवाजाही नहीं हो पाई, लेकिन इसके बाद ड्रोन के आवाजाही का दौर फिर शुरू हो गया।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड का असर, 20 जिलों में घना कोहरा

4 जनवरी से कोल्ड वेव का अलर्ट

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान में सर्दी का असर और तेज हो गया है। अब हालात ऐसे हैं कि दिन में भी कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने शुक्रवार को राज्य के 20 जिलों में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 4 जनवरी से प्रदेश में कोल्ड वेव चलने और न्यूनतम तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की संभावना जताई गई है। गुरुवार को कई जिलों में दिन और रात के तापमान में खास अंतर नहीं रहा। श्रीगंगानगर में सीजन का अब तक का सबसे कम अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। जयपुर, अलवर, बीकानेर और चूरू में भी दिन का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। शाम होते ही उत्तरी जिलों में घना कोहरा छाने लगा।

राजसमंद झील गुरुवार सुबह पूरी तरह कोहरे की चादर में लिपटी नजर आई। दोपहर तक धूप नहीं निकली और पूरे दिन ठंड का असर बना रहा। जयपुर संभाग के साथ-साथ भरतपुर और आसपास के इलाकों में सुबह बादल छाए रहे और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश भी हुई। जयपुर, भरतपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में दोपहर तक आसमान में बादल छाए रहे, जिससे दिन में भी रात जैसी ठंड महसूस हुई। गुरुवार को श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 14.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि जयपुर में दिन का तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस रहा। बाड़मेर में सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता 50 मीटर से भी कम हो गई।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार, 4 जनवरी से प्रदेश में सर्दी और तेज होगी। रात के न्यूनतम तापमान में करीब 4 डिग्री तक गिरावट हो सकती है। फिलहाल अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से ऊपर बना हुआ है, जबकि गुरुवार को सबसे कम न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस अलवर में दर्ज किया गया।

टोंक पुलिस की चौथी बड़ी कार्रवाई

जखीरा कॉलोनी में अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़; अभियान जारी

टोंक, 2 जनवरी (एजेंसियां)। टोंक शहर में पुलिस अधीक्षक राजेश मीना के नेतृत्व में नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। जिले की स्पेशल टीम (डीएसटी) ने बीती रात जखीरा कॉलोनी में अवैध हुक्का बार पर छापेमारी की। यह टीम की पिछले एक महीने में चौथी बड़ी कार्रवाई है। पुलिस ने मौके से नशीला सामान बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

डीएसटी टीम प्रभारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने 10 फ्लेवर युक्त हुक्के, 14 नलिकाएं, 8 फ्लेवर पैकेट, चार मोबाइल, दो म्यूजिक सिस्टम और एक स्कूटी जब्त की। गिरफ्तार तीन युवकों से मामले की गहन पूछताछ की जा रही है।

डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि टीम नशे के काले कारोबार की कमर तोड़ने में जुटी हुई है। पिछले एक महीने में कोतवाली थाना क्षेत्र के सुभाष बाजार स्थित पठान अंपायर कैफे पर भी छापेमारी की गई थी, जिसमें 16 फ्लेवर वाले हुक्के, 20 चिलम, 17 मोबाइल, 15 हुक्का पाइप, एक धारदार चाकू, एक मोटरसाइकिल और 23 व्यक्तियों को डिटेन किया गया था।

भारतमाला हाईवे पर मौत का तांडव 10 को कुचला, 4 की मौत

बीकानेर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी और घनी धुंध ने शुक्रवार सुबह भारतमाला हाईवे को मौत का हाईवे बना दिया। बीकानेर और जोधपुर में हुए दो अलग-अलग भीषण सड़क हादसों में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बीकानेर की घटना हिट एंड रन जैसी बताई जा रही है, जहां तेज रफ्तार ट्रेलर लोगों को कुचलने के बाद फरार हो गया। बीकानेर जिले के नापासर थाना क्षेत्र में देशनोक-नौरंगदेसर मार्ग पर गुरुवार देर रात भयंकर ठंड के बीच बड़ा हादसा हो गया। भारतमाला हाईवे पर एक ऑटो पलट गया था। ऑटो को सीधा करने के लिए पिकअप बुलाई गई। मौके पर मौजूद 8 लोग ऑटो को उठाने का प्रयास कर ही रहे थे कि तभी तेज रफ्तार ट्रेलर ने ऑटो और पिकअप को टक्कर मारते हुए लोगों को रौंद दिया। इस भीषण हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत बीकानेर के पीबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया, जिससे घटना ने हिट एंड रन का रूप ले लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,हादसे में मृतकों की पहचान राजूराम पुत्र रामप्रसाद जाट, निवासी लूणासर (चूरू), सुनील पुत्र लिच्छूराम गोदारा, निवासी बादडिया (चूरू), सुनील पुत्र भंवरलाल बिश्नोई, निवासी रासीसर (बीकानेर), राजेश पुत्र पूरणमल जांगिड़, निवासी जीणी (झुंझुनूं) रूप में हुई है। चारों की मौत से बीकानेर और शेखावाटी अंचल के चूरू और झुंझुनूं जिले में रहने वाले मृतक परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई।

दिव्यांग राठौड़ दंपति ने राज्य स्तरीय पैरा खेलों में रचा इतिहास, जीते दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक

जोधपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बी.जे.एस. कॉलोनी निवासी दिव्यांग दंपति मूल सिंह राठौड़ और उनकी धर्मपत्नी किरण कंवर ने श्रीगंगानगर के महाराजा गंगासिंह स्टेडियम में आयोजित 15वीं राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में मूल सिंह राठौड़ ने जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जबकि उनकी पत्नी किरण कंवर ने जैवलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो (तश्तरी फेंक) में स्वर्ण पदक हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि आईएएस अदिति यादव ने किया। दिव्यांग दंपति की इस उपलब्धि पर उनके कोच शेराराम एवं महिपाल बिश्नोई ने उन्हें बधाई दी। उल्लेखनीय है कि दोनों पति-पत्नी बचपन से ही लगभग 80 प्रतिशत दिव्यांग हैं, इसके बावजूद उन्होंने कभी परिस्थितियों के आगे हार नहीं मानी। दंपति का एक तीन वर्षीय पुत्र भी है और वर्तमान में मूल सिंह राठौड़ जोमैटो के माध्यम से कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। पीलवा गांव के मूल निवासी मूल सिंह राठौड़ वर्ष 2017 से लगातार पैरा खेलों में पदक जीतते आ रहे हैं। उन्हें राज्य और जिला स्तर पर कई बार सम्मानित किया जा चुका है। वीर दुर्गादास जयंती के अवसर पर जोधपुर महाराजा गज सिंह द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया था।

वहीं, किरण कंवर ने हाल ही में आयोजित 9वीं राज्य स्तरीय पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते थे तथा हैदराबाद में आयोजित नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में चौथा स्थान प्राप्त किया था। दिव्यांग दंपति की यह उपलब्धि समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और यह संदेश देती है कि मजबूत हौसलों के आगे कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

कविता ने केसीआर पर टिप्पणी की आलोचना की

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष के. कविता ने तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी से मुलाकात की और अपनी इस्तीफा स्वीकृति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस्तीफा स्वीकृत होने से पहले उन्हें सदन में इसके कारणों को स्पष्ट करने का अवसर दिया जाए। परिषद के अध्यक्ष ने उन्हें 5 या 6 जनवरी को बोलने का मौका देने की जानकारी दी, बाद में पुष्टि की कि वह 5 जनवरी को बोलेंगी। कविता ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह परिषद में लोगों को अपने इस्तीफे के कारण बताएंगी।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की तुलना आतंकवादी से करने वाली टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कविता ने कहा कि उनके खून में उबाल आ गया है और मुख्यमंत्री से कहा कि वे तुरंत अपनी भाषा और लहजा बदलें। कविता ने कहा कि यह बयान अस्वीकार्य और संवैधानिक पद के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में पलमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के जरिए एक भी एकड़ भूमि में पानी नहीं गया। कविता ने मांग की कि केसीआर स्वयं बताएं कि परियोजना का जलाशय जुराला से श्रीशैलम क्यों स्थानांतरित किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि गलत निर्णय और जिम्मेदारीहीन नेतृत्व ने परियोजना को मुश्किल में डाल दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केसीआर विधानसभा में उपस्थित नहीं हुए, तो भगवान भी बीआरएस को बचा नहीं सकते। कविता ने तेलंगाना नेताओं की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी की आलोचना की और कहा कि आंध्र प्रदेश के नेता, राजनीतिक मतभेद के बावजूद, अपने क्षेत्रीय हितों और जल संसाधनों की रक्षा में एकजुट हैं। कविता ने बताया कि भीमा, नेट्टमपाडु, सुंडिला और काल्वाकुरथी जैसी सिंचाई परियोजनाएं क्षमता से बहुत कम चल रही हैं।

उन्होंने पूछा कि काल्वाकुर्ती में मोटरों की मरम्मत के लिए एक पैसा क्यों नहीं मंजूर किया गया और भीमा आधी क्षमता पर चल रही है, जबकि नेट्टमपाडु को डिज़ाइन किए गए पानी का आधा भी नहीं मिल रहा। कविता ने वर्तमान सरकार पर दो महत्वपूर्ण वर्ष बर्बाद करने और विशेषकर मेडिगड्डा बैराज की अनदेखी के कारण किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने राजनीतिक हितों से परे पलमुरु-रंगारेड्डी परियोजना पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि 27 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहित होने के बावजूद एक भी नहर का निर्माण नहीं हुआ और लगभग 12 हजार फाइलें, जिनमें पलमुरु-रंगारेड्डी भी शामिल है, उपमुख्यमंत्री के पास लंबित हैं। कविता ने कहा कि तेलंगाना अंधा या मूर्ख नहीं है, लोग पूरी तरह से तथ्यों से अवगत हैं और राजनीतिक दोषारोपण से भ्रमित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना जागृति सत्य को जनता के सामने लाने का काम जारी रखेगी।

प्रो. टीपी राधाकृष्णन को डीएई-राजा रामन्ना चेयर मिला

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान संकाय के मानद प्रोफेसर, प्रो. टीपी राधाकृष्णन को परमाणु ऊर्जा विभाग की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय योजना, डीएई- राजा रामन्ना चेयर के लिए चुना गया है। यह पद तीन वर्ष के लिए है और 1 जनवरी से प्रभावी होगा।

प्रो. राधाकृष्णन 1989 से विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के सदस्य हैं। उन्होंने भौतिक और पदार्थ रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में शोध छात्रों का मार्गदर्शन किया है और आणविक कार्यात्मक सामग्री व नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डीएई-राजा रामन्ना चेयर का उद्देश्य सेवानिवृत्त, कुशल वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों की विशेषज्ञता का उपयोग परमाणु ऊर्जा से जुड़े अनुसंधान एवं विकास और मौलिक अनुसंधान में करना है। यह चेयर सामग्री विज्ञान, सेंसर और क्वांटम भौतिकी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देती है और राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं तथा विश्वविद्यालयों को लाभ पहुंचाती है।

माओवादी शीर्ष नेता बरसे देवा सहित 15 अन्य हिरासत में

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादी शीर्ष नेता बरसे देवा और उनके समूह के 15 अन्य सदस्य कथित रूप से तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। हालांकि, राज्य पुलिस ने इस मामले में अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार, वह फिलहाल तेलंगाना पुलिस की हिरासत में हैं। तेलंगाना पुलिस की ओर से एक आधिकारिक घोषणा अगले एक-दो दिनों में आने की संभावना है। बरसे देवा माओवादी पार्टी की गुरिल्ला लिबरेशन आर्मी (पीएलजीए) के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। हिड़मा के एनकाउंटर के बाद वे माओवादी पार्टी में एक प्रमुख नेता बन गए और पार्टी की सशस्त्र सेनाओं के प्रभारी थे। हिड़मा और बरसे देवा छत्तीसगढ़ के एक ही गांव से संबंधित हैं। देवा ने माओवादी को हथियारों की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चार राज्यों छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में से कहां आत्मसमर्पण किया जाए, इस पर लंबी विचार-विमर्श के बाद उन्हें कोत्तागुडेम जिला

पुलिस के संरक्षण में लाकर आत्मसमर्पण कराया गया। छत्तीसगढ़ पुलिस के सूत्रों ने बताया कि बरसे देवा ने हिड़मा के एनकाउंटर से पहले ही आत्मसमर्पण का निर्णय ले लिया था। हिड़मा के एनकाउंटर के बाद यह प्रक्रिया तेज हुई। उनके ऊपर 50 लाख रुपये का इनाम भी घोषित था।

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, बरसे देवा ने चारों राज्यों की पुलिस से मध्यस्थों के जरिए संपर्क किया और अंततः तेलंगाना में आत्मसमर्पण किया। बरसे देवा, सुकमा जिले के पुवर्ती गांव के निवासी, हिड़मा के साथ लगभग डेढ़ दशक तक काम कर चुके थे। हिड़मा के केंद्रीय समिति में पदोन्नति के बाद पार्टी ने उनके जिम्मेदारियों को बरसे देवा को सौंपा। बाद में उन्होंने राज्य सैन्य आयोग की जिम्मेदारियां भी संभाली। छत्तीसगढ़ पुलिस ने दावा कि बरसे देवा ने कई प्रमुख मुठभेड़ों में हिस्सा लिया, जिनमें सीआरपीएफ जवानों की मौत हुई। केंद्रीय सरकार के ऑपरेशन कगर, लगातार मुठभेड़, नेतृत्व हानि, आत्मसमर्पण और हथियार समर्पण जैसी कार्रवाइयों के बाद क्षेत्रीय स्तर की कमेटियां और स्क्वाड्स असमंजस में पड़ गए। हिड़मा के एनकाउंटर के बाद स्क्वाड कमांडर, क्षेत्रीय समिति सदस्य और मिलिशिया भ्रमित हो गए और उन्होंने आत्मसमर्पण को सर्वोत्तम विकल्प समझा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, तेलंगाना सिविल लिबर्टीज कमेटी के अध्यक्ष और महासचिव ने प्रेस विज्ञप्ति में मांग की कि सरकार बरसे देवा और उनके साथ हिरासत में 15 अन्य लोगों को तुरंत न्यायालय में पेश करे। उन्होंने याद दिलाया कि पुलिस ने उन्हें केवल दो दिन पहले तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा के पास हिरासत में लिया था।

मेडचल में ड्रग्स तस्करी के आरोप में आठ गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) पुलिस ने गुरुवार रात पेट बशीरबाद के सुचित्रा सर्कल में चेकिंग अभियान के दौरान ड्रग्स तस्करी के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया।

सूत्रों के अनुसार, ये संदिग्ध नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री में शामिल थे और स्थानीय आपूर्तिकर्ता मिथिलेश से ड्रग्स लेने आए थे। ऑपरेशन के दौरान लगभग 4.5 ग्राम हेरोइन और कोकीन जब्त की गई। पुलिस ने आरोपीयों के पास से एक स्कूटर और छह मोबाइल फोन भी जब्त किए।

गिरफ्तार व्यक्तियों और जब्त सामग्री को आगे की जांच के लिए पेट बशीरबाद पुलिस को सौंप दिया गया है।

बीआरएस का बहिष्कार पूर्व-नियोजित रणनीति : जूपल्ली

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति और आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने शुक्रवार को बीआरएस नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए विधानसभा के बहिष्कार को सच्चाई छिपाने की सोची-समझी चाल बताया। विधानसभा मीडिया प्वाइंट पर पशुपालन मंत्री वाकिटी श्रीहरि और कई विधायकों के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि विपक्ष अपने पिछले शासन से जुड़े तथ्यों का सामना करने से बचने के लिए सदन से भाग रहा है। मंत्री ने कहा कि बीआरएस नेतृत्व की अनुपस्थिति कोई वैध विरोध नहीं, बल्कि रणनीतिक पलायन है। उन्होंने इसे सदन के पटल पर चर्चा से बचने के लिए पूर्व-नियोजित और जानबूझकर किया गया कदम बताया। जूपल्ली कृष्णा राव ने आगे कहा कि केसीआर और उनकी टीम इसलिए दूर रह रही है क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वे विधानसभा आए तो राज्य से जुड़े तथ्य सामने आ जाएंगे। मंत्री के अनुसार, उनकी चूक, विफलताएं और गलतियां उजागर होंगी, और चूंकि वे आलोचना का सामना करने और तथ्यों को सुनने के लिए तैयार नहीं हैं, इसलिए चर्चा से बचने के बहाने बना रहे हैं। बीआरएस विधायक हरीश राव द्वारा माइक नहीं दिए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए मंत्री ने इन दावों को हास्यास्पद बताया।

विशेष अधिकारी ने रासायनिक दुकानों का निरीक्षण किया

मदनूर, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय मंडल में स्थित सरकारी और निजी रासायनिक खाद दुकान का निरीक्षण स्थानीय मंडल कृषि अधिकारी राजू और मंडल विशेष अधिकारी राममोहन द्वारा किया गया। उन्होंने सुझाव दिया कि किसानों को यूरिया उपलब्ध कराया जाना चाहिए और एक पशुधन बोर्ड और मूल्य सूची हर एक दुकान में स्थापित किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, यूरिया दो दिनों के भीतर केंद्रों पर पहुंच जाएगा। इस अवसर पर मंडल कृषि अधिकारी राजू, सोसायटी के सीईओ गंगाधर और बडी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

श्री आईमाता मंदिर में स्नेह मिलन संपन्न

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद स्थित श्री आईमाता मंदिर में आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रांतीय अध्यक्ष हरजीराम काग, गणपत काग, कृष्ण गोपाल पंवार, दिनेश पंवार, सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रभुराम हाम्बड़, शमशाबाद शिक्षा समिति सचिव भीखाराम काग, कोषाध्यक्ष राजूराम परिहार, उपाध्यक्ष चेलाराम काग, बाबूलाल पंवार सलाहकार भूराराम परिहार, वरिष्ठ सदस्य मलाराम पंवार, सीरवी समाज कोरेमुला अध्यक्ष कालुराम काग, सह सचिव राजाराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, सीरवी समाज वडेर संगा रेड्डी, अध्यक्ष रुघाराम परिहारिया, लिकमाराम, मोहनलाल, चंद्राराम, सीरवी समाज बडेर मनिकोंण्डा अध्यक्ष बाबूलाल भायल, सीरवी समाज बडेर शादनगर अध्यक्ष कैलाश बफा, भंवरलाल सैणचा, सीरवी समाज युवा संगठन से केसाराम सोलंकी, पुनाराम पंवार, मोहनलाल, जगदीश सीरवी आदि ने बडी संख्या में भाग लिया।

कुमावत प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित विजय आनन्द क्रिकेट ग्राउंड में कुमावत प्रीमियर लीग-10, 6 टीमोफ्क के मध्य आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाईनल मैच शुक्रवार 2 जनवरी प्रात: 9.15 बजे खेला गया। जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए कुमावत यंगस्टर की टीम विजेता रही।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक कार्यकर्ता नाथुराम लारणा, रमेश अडाणीया, वासुदेव दुबलदिया, ओमकार दुबलदिया ने संयुक्त रूप से बताया कि पाँच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन्न दिवस पर कार्यक्रम में पधारे बत्तौर मुख्यअतिथि विधायक टी. राजासिंह, भाजपा झुंझुनू जिला महामंत्री महेन्द्र कुमावत एवं टॉस के लाभार्थी दिनेश बांकरेचा द्वारा दीप प्रज्वलितकर फाईनल मैच कुमावत यंगस्टर व कुमावत महादेव 11 के मध्य खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए कुमावत यंगस्टर की टीम ने 154 रनोफ्क का सम्मानजनक स्कोर बनाया। रनोफ्क का पीछा करते हुए कुमावत महादेव 11 की टीम 17 ओवर में 117 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी।

कुमावत यंगस्टर की टीम ने ट्रोफी पर कब्जा जमाया। फाईनल मैच के पश्चात् सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पधारे सम्मानित अतिथियोफ्क, प्रतियोगिता का लाभार्थीयोफ्क एवं समाज के गणमान्योफ्क का बहुमान के लाभार्थी दीपककुमार जकिया द्वारा राजस्थानी साफे व मोमेन्टोफ्क से आयोजकोफ्क द्वारा सम्मान किया गया। मुख्यअतिथि राजासिंह ने केपीएल प्रतियोगिता के भव्य आयोजन की आयोजकों व समाज बन्धुओं को शुभकामनाएं दी। बेस्ट बॉलर महेन्द्र कुमावत, बेस्ट फील्डर प्रवीण कुमावत, बेस्ट बैटस्मैन, सर्वाधिक चौके व सिक्स एवं मैन ऑफ दी टूर्नामेन्ट का पुरुस्कार कुमावत महादेव 11 के कप्तान सुरेश कुमावत को दिया गया।

हजारों की संख्या में पधारे समाज बन्धुओं, अतिथियों व खिलाड़ियों के लिए भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। विजेता टीम कुमावत यंगस्टर व उपविजेता कुमावत महादेव 11 को ट्रॉफी व नगद पुरुस्कार से नवाजा गया। केपीएल प्रतियगिता के सफल आयोजन के लिए समाज बन्धुओं ने आयोजक कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी।

आयोजक नाथुराम लारणा ने आयोजक कार्यकर्ता रमेश अडाणीया, वासुदेव दुबलदिया, ओमकार दुबलदिया, प्रतियोगिता के लाभार्थीयों व समाज बन्धुओं द्वारा दिये गये सहयोग के लिए सभी का आभार प्रकट किया। मैच की हिन्दी कॉमेन्ट्री बाड़मेर की धरा से पधारे आनन्द लिम्बा ने की। मंच का संचालन नाथुराम लारणा ने किया।

अमीरपेट स्थित नववर्ष के पावन अवसर पर सनतनगर बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव का सम्मान कर उपस्थित युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, नारायणसिंह, बिरबलसिंह, राहुलसिंह राजपुरोहित व अन्य।

केबीआर पार्क के आसपास फ़्लाईओवर और अंडरपास निर्माण कार्य शुरू

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केबीआर पार्क के आसपास यातायात की समस्या को कम करने के लिए प्रस्तावित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम शुरू हो गया है। ये परियोजनाएं पिछली बीआरएस सरकार के तहत रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी) के हिस्से के रूप में प्रस्तावित थीं और अब राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की मंजूरी मिलने के बाद लागू की जा रही हैं।

जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने बताया कि फ़्लाईओवर और अंडरपास को दो वर्षों के भीतर दो चरणों में पूरा करने का लक्ष्य है। परियोजना के तहत प्रस्तावित वाई-टाइप अंडरपास और फ़्लाईओवर के लिए मिट्टी परीक्षण चल रहा है। परियोजना का उद्देश्य केबीआर पार्क के आसपास सिग्नल-मुक्त जंक्शन बनाना और आईटी कॉरिडोर की ओर जाने वाले यातायात को सुचारू करना है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद दक्षिणावर्त दिशा का यातायात अंडरपास से और वामावर्त दिशा का यातायात फ़्लाईओवर से गुजरेंगे। बरसात के मौसम में समस्या न हो, इसके लिए अंडरपास में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी की गई है। जीएचएमसी ने यातायात अधिकारियों से अनुरोध किया है कि निर्माण कार्य के दौरान केबीआर पार्क के आसपास यातायात को सुचारू रूप से नियंत्रित किया जाए।

जीएचएमसी ने सभी कर भुगतान में नकद बंद करने की घोषणा की

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसके क्षेत्र में संपत्ति कर, व्यापार लाइसेंस शुल्क और खाली भूमि कर के लिए अब नकद भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हाल ही में 27 शहरी स्थानीय निकायों के जीएचएमसी में विलय के बाद निगम ने कहा कि सभी सर्किलों में एक समान कर संग्रह प्रणाली लागू की जाएगी। मौजूदा 30 सर्किलों में नकद वसूली पहले ही बंद की जा चुकी थी, और अब इसे नए विलय किए गए क्षेत्रों में भी लागू किया गया है। विस्तारित जीएचएमसी क्षेत्र में संपत्ति मालिक अब बिल संग्राहक और नागरिक सेवा केंद्रों पर चेक, डिमांड ड्राफ्ट, यूपीआई, क्रेडिट/डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग जैसे गैर-नकद माध्यमों से ही भुगतान करेंगे। निगम ने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य जवाबदेही बढ़ाना, मैन्युअल नकद लेन-देन कम करना और डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करना है। जीएचएमसी ने नागरिकों से नई प्रणाली में सहयोग करने की अपील की है।

सीएम ने मूर्तिकार रमणा रेड्डी पर आधारित पुस्तक उद्यम शिल्पी का विमोचन किया

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रजा भवन में प्रसिद्ध मूर्तिकार एम.वी. रमणा रेड्डी के जीवन और कृतियों पर आधारित पुस्तक उद्यम शिल्पी का विमोचन किया। इस अवसर पर योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ.जी. चिन्ना रेड्डी और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ उपस्थित थे। वक्ताओं ने रमणा रेड्डी की यात्रा पर प्रकाश डाला, जो ग्रामीण तेलंगाना की पृष्ठभूमि से निकलकर वैश्विक पहचान तक पहुंचे, और तेलंगाना आंदोलन में उनके कलात्मक योगदान को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने रमणा रेड्डी की प्रमुख कृतियों की सराहना की, जिनमें अमरज्योति शहीद स्मारक, तेलंगाना तल्लि प्रतिमा, राजीव गांधी प्रतिमा तथा भारत और विदेशों में स्थापित कई महत्वपूर्ण मूर्तियाँ शामिल हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जामबाग के नगर सेवक राकेश जायसवाल गौलीगुडा, राममंदिर में श्री अयप्पा स्वामी इरुमुडी पूजा में शामिल हुए। श्री राजू गुरु स्वामी ने पूजा का आयोजन किया। सुरेंदर स्वामी, संतोष स्वामी, साई स्वामी, कृष्णा स्वामी, सतीश स्वामी, प्रदीप स्वामी, लहरीश स्वामी, भानु स्वामी, वेंकट दास स्वामी और अन्य अयप्पा स्वामी भक्त पूजा में शामिल हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

मुसी परियोजना जल्दी ...

मुसी प्रदूषण का स्थायी समाधान गोदावरी जल का मोड़कर किया जाएगा। हम 20 टीएमसी में से 15 टीएमसी पानी को पीने के लिए और 5 टीएमसी को मुसी नदी में लगातार साफ पानी बनाए रखने के लिए उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। बापू घाट पर तीन नदियों के संगम पर गांधी सरोवर स्थित है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि मुसी नदी घाटी में स्थित प्राचीन शिव मंदिर का विकास, गुरुद्वारा, मस्जिद और चर्च का निर्माण धार्मिक सद्भाव बढ़ाने के लिए मुसी परियोजना का हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने गांधी सरोवर के निर्माण के लिए रक्षा भूमि देने की भी सहमति दी है। डीपीआर तैयार होने के बाद हम सभी से सुझाव लेंगे। मुख्यमंत्री ने खुद को रियल एस्टेट दलाल कहे जाने का कड़ा विरोध किया। रियल एस्टेट भी एक उद्योग है। जब हाइटेक सिटी का विकास हुआ था, तब भी इसी तरह की आलोचना हुई थी। अगले 20 वर्षों में शहरीकरण 75 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। कुछ लोगों के दिलों में जहर मुसी नदी के प्रदूषण से कहीं अधिक खतरनाक है। जब मैं विवरण समझा रहा हूं तो वे क्यों विष फैलाते हैं? वे सच्चाई जनता तक पहुंचने से रोकना चाहते हैं। यहां तक कि उनके बीआरएस विधायक भी मुसी नदी की सफाई की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने 55 किमी लंबा गंडिपेट से गौरेला तक ऊँचा कोरिडोर बनाने की सरकार की योजना का विवरण भी दिया। पुराने शहर के विकास का जिक्र करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार इसे दुनिया के सबसे महान शहरों में बदल देगी। उन्होंने ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र के विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास के लिए प्रस्ताव लाने का सुझाव दिया। हम गरीबों के लिए अच्छे मकान बनाने और उन्हें बेहतर सुविधाएं देने के लिए तैयार हैं। हमारा संकल्प है कि हैदराबाद को विश्व-स्तरीय शहर में बदल दें।

सऊदी अरब जा ...

सऊदी अरब ने जो नई व्यवस्था की है, उसके तहत व्यक्तिगत उपयोग के लिए दवाओं की मंजूरी लेनी होगी। इसके लिए पूर्व अनुमति प्राप्त करने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक सेवा मंच शुरू किया गया है।

एनसीबी के अनुसार, भारतीय यात्री, अपने साथ ले जाने वाली दवाओं की अनुमति की पुष्टि कर लें। यात्रा से पहले, जहां भी लागू हो, आवश्यक मंजूरी प्राप्त कर लें। इस संबंध में, सऊदी अरब स्थित भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल निदेशालय (जीडीएनसी) के कार्यालय ने सऊदी अरब द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सेवा मंच के शुभारंभ के संबंध में भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को औपचारिक रूप से सूचित किया है। https://cds.sfda.gov.sa पर उक्त मंजूरी ली जा सकती है। इस प्लेटफार्म पर व्यक्तिगत उपयोग वाली दवाओं की मंजूरी के लिए आवेदन और संबंधित विवरण जमा करने की सुविधा है।

निर्यातकों के लिए ...

यह घोषणा नवंबर 2025 में सरकार द्वारा मंजूर किए गए 25,060 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी 'एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन' (ईपीएम) का दूसरा प्रमुख घटक है। इससे पहले, 31 दिसंबर 2025 को इस मिशन का पहला हिस्सा- 4,531 करोड़ रुपये का 'मार्केट एक्सेस सपोर्ट'- लॉन्च किया गया था।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अनुसार, ब्याज सहायता और कोलेटरल सपोर्ट का लाभ केवल उत्पादों की एक चयनित 'पॉजिटिव लिस्ट' पर ही लागू होगा। रक्षा उत्पाद और एससीओएमईटी (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकियां) आइटम इस योजना के दायरे में आएंगे। प्रतिबंधित वस्तुएं, वेस्ट और स्क्रैप, और पीएलआई योजना के तहत लाभान्वित होने वाले उत्पाद इन उपायों के दायरे से बाहर रहेंगे। वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने बताया कि ये हस्तक्षेप निर्यातकों की वित्तीय बाधाओं को दूर करेंगे।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30256956A, दिनांक: 29.12.2025

कार्य का नाम : संलग्न तकनीकी विनिर्देश के सेक्शन V के अनुसूची I में दिए गए विनिर्देश सं. ECoR/ELS/VSKP/EOTC/15/6 के अनुसार वायर रोप स्लिंग्स (Wire Rope Slings) (शेड्यूल-I (1) के साथ 15/6T क्षमता वाली इलेक्ट्रिक ओवरहेड ट्रैवलिंग क्रेन का डिजाइन, उत्पादन, आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण, शुरुआत एवं प्रमाणन, मात्रा : 01 संख्यक।

(वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने), RDSO द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 180 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 28.01.2026 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-967/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-ADVTD-015

(1) लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-VSKP-OH-234-25-1 (Advertising-Out of Home)

विवरण : इस कार्य में ई-नीलामी नीति एवं 2022 के CC-14 के अनुबंध की विशेष शर्तों के अनुसार विज्ञापन के प्रदर्शन (1600 वर्ग फुट) के लिए एक यूनिपोल (Unipole) का संस्थापन एवं रख-रखाव शामिल है।

(2) लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-VSKP-OH-235-25-2 (Advertising-Out of Home)

विवरण : इस कार्य में ई-नीलामी नीति एवं 2022 के CC-14 के अनुबंध की विशेष शर्तों के अनुसार ईस्ट प्वाइंट रेस्ट हाउस (नोवा एवं क्लासिक) में विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए डिजिटल डिस्प्ले यूनिट (Digital Display Unit) का संस्थापन एवं रख-रखाव शामिल है।

(3) लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-VSKP-OH-236-25-2 (Advertising-Out of Home)

विवरण : इस कार्य में ई-नीलामी नीति एवं 2022 के CC-14 के अनुबंध की विशेष शर्तों के अनुसार डाबा गार्डन्स सर्कल (Daba Gardens Circle) में विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए डिजिटल डिस्प्ले उपकरण (200 वर्ग फुट) का संस्थापन एवं रख-रखाव शामिल है।

(4) लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-VSKP-OH-237-25-2 (Advertising-Out of Home)

विवरण : इस कार्य में ई-नीलामी नीति एवं 2022 के CC-14 के अनुबंध की विशेष शर्तों के अनुसार रॉयल पैलेस (Royal Palace) जंक्शन में विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए डिजिटल डिस्प्ले यूनिट (400 वर्ग फुट) का संस्थापन एवं रख-रखाव शामिल है।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.01.2026 को 1100 बजे (सभी क्रम सं. हेतु)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.01.2026 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु), 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु) एवं 1200 बजे (क्रम सं. 4 हेतु)।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-964/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

रोहित और विराट के बाद वनडे का क्या होगा?

बीसीसीआई और आईसीसी को मिली खास सलाह

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कुछ साल पहले तक बात हो रही थी कि टेस्ट क्रिकेट खत्म हो रहा है। 5 दिन का होने की वजह से फैंस का सपोर्ट नहीं मिल रहा था। लेकिन अब कहानी बदल चुकी है। कोविड काल के बाद वनडे क्रिकेट की संख्या में तेजी से गिरावट आई है। 5 मैचों की वनडे सीरीज को देखने को ही नहीं मिलती। वनडे में सिर्फ विश्व कप ही फोकस में रहता है। पहले बड़ी संख्या में ट्राई सीरीज के आयोजन होते थे। अब तीन मैचों की वनडे सीरीज ही खेली जाती है।

भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेतावनी दी है कि 2027 विश्व कप के बाद वनडे के लिए सरवाइव करना मुश्किल होगा क्योंकि तब रोहित शर्मा और विराट कोहली संन्यास ले लेंगे। अश्विन ने अपने चैनल ऐश की बात में कहा, 'मुझे 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे के भविष्य के बारे में पक्का नहीं पता। मैं इसे लेकर थोड़ा चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी फॉलो कर रहा हूं, लेकिन जिस तरह से मैंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी को फॉलो किया था, उस तरह से इसे फॉलो करना थोड़ा मुश्किल लग रहा है।' रोहित शर्मा और विराट कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने उतरे तो काफी भीड़ देखने को मिली। हर तरफ इसी की चर्चा थी। अश्विन ने कहा- रोहित और विराट विजय हजारे ट्रॉफी में लौटे तो लोगों ने देखना शुरू कर दिया। हम जानते हैं कि खेल हमेशा खिलाड़ी से बड़ा होता है लेकिन कई मौकों पर खेल को बनाए रखने के लिए ऐसे खिलाड़ियों का लौटना जरूरी होता है। विजय हजारे ट्रॉफी एक डोमेस्टिक कॉम्पिटिशन है जिसे ज्यादा लोग फॉलो नहीं करते, लेकिन उन्होंने किया क्योंकि विराट और रोहित खेल रहे थे। फिर क्या होगा जब वे वनडे खेलना बंद कर देंगे?

आईसीसी को अश्विन ने दी सलाह

आर अश्विन ने कहा, 'आईसीसी को देखना चाहिए कि वे ये वर्ल्ड कप कैसे करवा रहे हैं। हर साल रेवेन्यू कमाने के लिए आईसीसी का कोई न कोई टूर्नामेंट होता है, लेकिन देखिए फिफा इसे कैसे करता है। वहां लीग होती हैं और वे हर चार साल में एक बार वर्ल्ड कप करवाते हैं। वर्ल्ड कप की वैल्यू है क्योंकि यह एक बड़ा टूर्नामेंट है। बहुत ज्यादा बाइलेटरल सीरीज़, बहुत ज्यादा फॉर्मेट, बहुत ज्यादावर्ल्ड कप, इसलिए यह थोड़ा ज्यादा हो गया है। अगर आप सच में वनडे को जरूरी बनाना चाहते हैं, तो बस ये लीग खेलें और हर चार साल में एक बार वनडे वर्ल्ड कप खेलें, ताकि जब लोग इवेंट देखने आएं।

इरफान पठान भी वनडे को लेकर चिंतित

इरफान पठान भी वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उनका कहना है कि ट्राई सीरीज का आयोजन करवाना चाहिए। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा- मैं बार-बार एक ही बात कह रहा हूं। तीन की जगह पांच वनडे क्यों नहीं हो सकते? हम ट्रायंगुलर या क्वाड्रेनगुलर सीरीज क्यों नहीं करवा सकते? हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते, क्योंकि ये दोनों महान खिलाड़ी (रोहित और विराट) सिर्फ एक ही फॉर्मेट खेलते हैं? यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर वनडे में दिलचस्पी वापस आई है तो ये दोनों ही उसे वापस लाए हैं।

शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। टोक्यो ओलंपिक में शोर्ड मारिन की कोचिंग में ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के खेल प्रेमियों का दिल जीता था और चौथे स्थान पर रही थी। शोर्ड मारिन ने बतौर कोच नियुक्ति के बाद कहा, वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद, मैं टीम के विकास में मदद करने और खिलाड़ियों को वैश्विक स्टेज पर अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने का हौसला और मौका देने के सपने के साथ लौटा हूं।

मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच रह चुके हैं। हॉलैंड के शोर्ड मारिन 14 जनवरी को भारत आएंगे। नेशनल कोचिंग कैंप 19 जनवरी को साई, बेंगलुरु में शुरू होने वाला है। हेड कोच के तौर पर मारिन की पहली बड़ी चुनौती हैदराबाद में होने वाली हॉकी महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर होगा, जो 8-14 मार्च, 2026 तक होने वाला है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, हम शोर्ड मारिन और पूरे सपोर्ट स्टाफ का इंडियन हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और साई का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने नियुक्ति में तेजी लाई ताकि आने वाले विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम की तैयारियों में कोई रुकावट न आए। उन्होंने आगे कहा, "टीम की फिटनेस पर जोर दिया गया है, जो टोक्यो में इंडियन विमेंस के ऐतिहासिक प्रदर्शन का एक मुख्य कारण था। हम एक अच्छे समय की उम्मीद करते हैं।" शोर्ड मारिन को एनालिटिकल कोच के तौर पर मटियास विला मदद करेंगे।

डॉ. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और एथलेटिक परफॉर्मेंस के हेड के तौर पर भारतीय महिला कोचिंग सेटअप में लौट रहे हैं। उन्हें साइंटिफिक एडवाइजर की भूमिका में रोडेट थिला और सियारा थिला का सपोर्ट मिलेगा। मटियास विला अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर हैं। 1997 में डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी ने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 एथेंस ओलंपिक में हिस्सा लिया था और लगभग दो दशकों से कोचिंग से जुड़े हुए हैं।

रविचंद्रन अश्विन को आईसीसी पर आया गुस्सा

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की पूरी प्लानिंग को बताया बकवास!

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज अगले महीने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने जा रहा है और लगभग सभी टीमों ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है. इसी बीच, पूर्व भारतीय गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने वर्ल्ड कप 2026 के लिए आईसीसी की प्लानिंग पर अपनी निराशा जाहिर की है. अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात में बताया कि इस बार टी20 वर्ल्ड कप देखने कोई भी नहीं जाएगा. आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही है. टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसे पांच ग्रुप में बांटा गया है. भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप ए में हैं. इस ग्रुप में भारत के अलावा पाकिस्तान, अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड्स की टीमें मौजूद है।

आईसीसी की प्लानिंग पर रविचंद्रन अश्विन ने दिया बयान

रविचंद्रन अश्विन ने आईसीसी की प्लानिंग को लेकर कहा, 'इस बार का टी20 वर्ल्ड कप कोई नहीं देखने जाएगा. भारत-अमेरिका और भारत-नामीबिया जैसे मैच आपको टूर्नामेंट से दूर कर देंगे. साल 1996, 1999 और 2003 विश्व कप में जब मैं स्कूल में था तो ये टूर्नामेंट में कितना खास होता था. हम शेड्यूल का कार्ड कलेक्ट करके रखते थे. क्योंकि टूर्नामेंट चार साल में एक बार आता था, लेकिन अब सब बदल गया है.' अश्विन ने कहा कि अगर टीम इंडिया का मैच अमेरिका और नामीबिया जैसी टीमों से होता है तो फैंस उसके लिए उतना एक्साइटेड नहीं होंगे. उन्होंने आगे कहा, 'अगर पहले राउंड में टीम इंडिया की भिड़ंत इंग्लैंड और श्रीलंका जैसी टीमों से होती तो शायद ये टूर्नामेंट का रोमांच शुरू में ही बिल्ड अप हो जाता, जैसे कि पहले हुआ करता था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन-2026

वीनस विलियम्स को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली

मेलबर्न, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन 45 साल की वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। 2021 के बाद यह मेलबर्न पार्क में उनकी पहली मौजूदगी होगी और 2023 के बाद यह पहली बार होगा जब वह यूनाइटेड स्टेट्स के बाहर खेलेंगी। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन मेन ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनेंगी। इससे पहले जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड टूट जाएगा, जो 44 साल की थीं जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2015 के पहले राउंड में हार गई थीं।

वीनस ने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया वापस आकर बहुत खुश हूं और ऑस्ट्रेलियन गर्मियों में मुकाबला करने का इंतजार कर रही हूं। वहां मेरी बहुत सारी शानदार यादें हैं, और मैं उस जगह पर लौटने के मौके के लिए शुक्रगुजार हूं जो मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखती है। 16 महीने के ब्रेक के बाद, वीनस पिछले जुलाई में टेनिस में लौटीं और 2025 में तीन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। उन्होंने मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में पहले राउंड में हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया, इससे पहले वह मैग्डेलेना फ्रेच से हार गईं। अगस्त में, विलियम्स सिनसिनाटी के पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बौज़ास-मनेरो से 4-6, 4-6 से हार गईं और यूएस ओपन के पहले राउंड में 11वीं सीडेड कैरोलिन मुचोवा को तीन सेट तक ले गईं।

डबल्स में, लेयला फर्नांडीज के साथ खेलते हुए, विलियम्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, जहां वे फाइनलिस्ट कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हार गईं।

वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की तैयारी होबार्ट इंटरनेशनल में करेंगी, जहां उन्हें वाइल्डकार्ड भी मिला और वे साथी मेजर चैंपियन बारबोरा क्रेजसिकोवा और एम्मा राडुकानू के साथ शामिल होंगी। वीनस 7 एकल ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं, जिसमें 5 विंबलडन और 2 यूएस ओपन हैं। वाइल्ड कार्ड मिलने के बाद वीनस के पास ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने और ये उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनकर इतिहास रचने का मौका है। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का मेन ड्रॉ 18 जनवरी से शुरू होगा।

भारतीय टीम कर सकती है बांग्लादेश दौरा, बीसीसीआई को आमंत्रण

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारतीय टीम इस साल सितंबर में बांग्लादेश का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और इतने ही मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेली जाएगी। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए यह अभी स्पष्ट नहीं है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस दौरे के लिए अंतिम मंजूरी देगा या नहीं, क्योंकि बांग्लादेश में फिलहाल स्थिर सरकार नहीं है।

सितंबर में खेली जानी है वनडे और टी20 सीरीज

बीसीबी द्वारा जारी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों टीमों के बीच 1, 3 और 6 सितंबर को वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद 9, 12 और 13 सितंबर को भारत और बांग्लादेश की टक्कर टी20 सीरीज में होगी। भारतीय टीम 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। बता दें कि, पिछले साल जुलाई में भारत का बांग्लादेश दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की सीरीज को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। उस समय बीसीसीआई ने बयान जारी कर कहा था, 'बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में होने वाली तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज को सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया है।' बयान में यह भी कहा गया था कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और शेड्यूल की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। साथ ही बीसीबी ने सितंबर 2026 में भारत का स्वागत करने की उम्मीद जताई थी और संशोधित कार्यक्रम बाद में जारी करने की बात कही थी।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में नस्लीय सोच पर उस्मान ख्वाजा ने उठाए सवाल

सिडनी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सिडनी में खेले जाने वाले एशेज सीरीज के आखिरी टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का ऐलान कर चुके उस्मान ख्वाजा ने अपने विदाई भाषण में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में नस्लीय सोच पर टिप्पणी की है।

उस्मान ख्वाजा ने दावा किया कि उनकी जाति और धर्म की वजह से उनके साथ करियर के दौरान अलग तरह का बर्ताव किया गया है। ख्वाजा ने पर्थ टेस्ट से पहले तीन दिन गोल्फ खेलने के लिए हुई आलोचना के बारे में कहा, पीठ में ऐंठन की वजह से वह दोनों पारियों में ओपनिंग नहीं कर पाए थे। यह कुछ ऐसा था जिसे मैं नियंत्रित नहीं कर सकता था, जिस तरह से मीडिया और पुराने खिलाड़ी बाहर आए और मुझ पर हमला किया। मैं दो दिन तक इसे झेल सकता था, लेकिन मैंने उसे लगभग पांच दिन तक लगातार झेला।

उन्होंने कहा, ये वही नस्लीय सोच हैं जिसके साथ मैं अपनी पूरी जिंदगी बड़ा हुआ हूं। जाहिर है, हम उनसे पूरी तरह आगे नहीं बढ़ पाए हैं, क्योंकि मैंने पहले कभी ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट टीम में किसी के साथ ऐसा बर्ताव होते नहीं देखा। उन बेकाबू लोगों के लिए नहीं जिस तरह से तुम लोगों ने मुझ पर हमला किया। ख्वाजा ने कहा, अभी भी थोड़ा बहुत है, जिससे मुझे हर दिन लड़ना पड़ता है, जो मेरे लिए सबसे निराशाजनक बात है। मैं आपको ऐसे अनगिनत लोगों के बारे में बता सकता हूं जिन्होंने (टेस्ट से) एक दिन पहले गोल्फ खेला हो और चोटिल हो गए हों, लेकिन उनके बारे में कुछ नहीं कहा गया। मैं आपको और भी ऐसे लोग बता सकता हूं जिन्होंने पिछली रात 15 स्कूनर खाए हों और फिर चोटिल हो गए हों, लेकिन किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा।

उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में जगह बनाना मुश्किल है। 11 जगहें हैं। यह आसान नहीं है, और हम लोगों को बस जगहें गिफ्ट नहीं करना चाहते।

अभी भी चुनौतियों का सामना करना बाकी है। मैं 'अगले उस्मान ख्वाजा' की जिंदगी आसान बनाना चाहता हूं।

भारत-न्यूजीलैंड पहले वनडे के टिकट 8 मिनट में हुए सोल्ड आउट

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी 2026 से होने जा रही है. इससे हाईवोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. बड़ौदा में खेले जाने वाले पहले वनडे मैच के ऑनलाइन टिकट महज 8 मिनट में पूरी तरह बिक गए, जिससे साफ हो गया कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैदान पर देखने की दीवानगी आज भी बरकरार है. भारत और न्यूजीलैंड पहले वनडे के लिए ऑनलाइन टिकटों की बिक्री 1 जनवरी को Book-MyShow वेबसाइट और ऐप पर शुरू हुई थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, टिकट बिक्री शुरू होते ही फैंस टूट पड़े और देखते ही देखते 8 मिनट के अंदर सभी ऑनलाइन टिकट सोल्ड आउट हो गए.

अपमानित किया, पैसे भी नहीं दे रहा

जेसन गिलेस्पी ने ट्रॉफी चोर पाकिस्तान की पोल खोली

कराची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान के मुख्य कोच के रूप में अपने नौ महीने के छोटे कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कई मुद्दों पर उन्हें अपमानित किया। इसमें हाई परफार्मेंस कोच टिम नीलसन को बर्खास्त करना भी शामिल था। पीसीबी ने अप्रैल 2024 में गिलेस्पी को टेस्ट क्रिकेट के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया था। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी गैरी कर्स्टन को सफेद गेंद के प्रारूपों के लिए मुख्य कोच बनाया गया था।

गैरी कर्स्टन ने हालांकि उसी वर्ष अक्टूबर में अपना पद छोड़ दिया था और फिर इसके बाद दिसंबर में गिलेस्पी ने भी इस्तीफा दे दिया था। तब पीसीबी ने नीलसन को बताया था कि टीम को दक्षिण अफ्रीका के सेवाओं की आवश्यकता नहीं होगी। नीलसन को अगस्त 2024 में यह भूमिका सौंपी गई थी। गिलेस्पी से एक्स पर जब एक यूजर ने पाकिस्तान की टीम का मुख्य कोच पद छोड़ने के कारण के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'मैं पाकिस्तान टेस्ट टीम को कोचिंग दे रहा था। पीसीबी ने बिना मुझसे बात किए बिना सीनियर सहायक कोच को बर्खास्त कर दिया। मुख्य कोच के रूप में मुझे यह स्थिति बिल्कुल अस्वीकार्य लगी। कई अन्य मुद्दे भी थे जिनसे मुझे पूरी तरह से अपमानित होना पड़ा।'

आईपीएल में बांग्लादेशी प्लेयर विवाद, सरकार की रोक नहीं

खेल मंत्रालय बोला-बीसीसीआई स्टैंड ले; शाहरुख की केकेआर ने मुस्तफिजुर को 9 करोड़ में खरीदा

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के आईपीएल खेलने पर विवाद जारी है। इस बीच खेल मंत्रालय के सूत्र ने भास्कर से कहा- भारत की स्पोर्ट्स पॉलिसी में बांग्लादेश के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलने या बांग्लादेशी खिलाड़ियों के आईपीएल खेलने पर कोई रोक नहीं है। इस तरह की रोक सिर्फ पाकिस्तान की टीम और उसके खिलाड़ियों के ऊपर ही है। मुस्तफिजुर आईपीएल 2026 में खेलेंगे या नहीं इस पर फैसला बीसीसीआई को लेना है, सरकार को नहीं। इधर, बीसीसीआई के अधिकारी ने आईएएनएस से कहा- 'यह हमारे हाथ में नहीं है। बांग्लादेशी खिलाड़ियों को लीग में खेलने से रोकने को लेकर सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है। हम ज्यादा कुछ नहीं कह सकते।'

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के बीच रहमान के आईपीएल में खेलने का विरोध हो रहा है। वहां पिछले 13 दिन में 3 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी। जबकि लीग का फाइनल मैच 31 मई को खेला जाएगा।

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने केकेआर के मालिक शाहरुख खान से बांग्लादेशी क्रिकेटर मुश्तफिजुर रहमान को टीम से हटाने की अपील की है। निरुपम ने कहा- 'जब पूरा देश बांग्लादेश को लेकर गुस्से और नाराजगी में है। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे उस बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम से हटा दें।' वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा- बांग्लादेशी खिलाड़ियों को आईपीएल में भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। क था वा च क देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं का बेरहमी से कत्ल किया जा रहा है, उनके घर जलाए जा रहे हैं और उनकी बहनों और बेटियों का रेप किया जा रहा है। ऐसी बेरहम हत्याएं देखने के बाद कोई इतना पत्थर दिल कैसे हो सकता है, खासकर वह जो खुद को एक टीम का मालिक कहता है? वह इतना क्रूर कैसे हो सकता है कि उसी देश के क्रिकेटर को अपनी टीम में शामिल करे? तुम इस देश का कर्ज कैसे चुकाओगे? एक बांग्लादेशी क्रिकेटर को लाकर और उसे हमारी जमीन पर खिलाकर? हम केकेआर मैनेजमेंट और उनके बॉस से कहेंगे, इस बात को समझो और उस क्रिकेटर को टीम से निकालो। माफी और पछतावे के तौर पर, 9.2 करोड़ रुपए जो उस क्रिकेटर को दिए जा रहे हैं। उन्हें वहां मारे जा रहे हिंदू बच्चों के परिवारों को दिए जाने चाहिए। भाजपा नेता संगीत सोम बोले-शाहरुख कभी पाकिस्तान का समर्थन करते कभी बांग्लादेश का भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुनकर मारा जा रहा है।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए क्या होगी भारत की वनडे टीम

कप्तान शुभमन वापसी करेंगे, श्रेयस अनफिट; क्या हार्दिक और बुमराह को फिर मिलेगा आराम?

स्पोर्ट्स डेस्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम 3 या 4 जनवरी को अनाउंस होनी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज इसमें खेलते नजर आएंगे, लेकिन हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका से वनडे नहीं खेल सके कप्तान शुभमन गिल भी वापसी करने वाले हैं। हालांकि, उप कप्तान श्रेयस अय्यर अब भी अनफिट हैं और उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलना भी मुश्किल ही लग रहा है।

कप्तान शुभमन गिल पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल सके थे। वे टेस्ट सीरीज में इंजर्ड हो गए थे, लेकिन उन्होंने टी-20 सीरीज में वापसी कर ली थी। ऐसे में वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में वापसी करने के साथ टीम की कमान भी संभालते नजर आएंगे। इसी साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर भी इंजर्ड हो गए थे। उन्हें कंधे में चोट लगी थी, इस कारण वे पिछले 3 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। वे फिलहाल बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें अब तक फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला है, इसलिए वे न्यूजीलैंड सीरीज से भी बाहर रहेंगे। टी-20 वर्ल्ड कप की टीम में शामिल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है। दोनों ही प्लेयर्स लगातार इंजरी से जूझते रहते हैं, इसलिए वर्ककलोड मैनेज करने के लिए उन्हें वनडे सीरीज से ब्रेक दिया जा सकता है। हालांकि, दोनों न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज की टीम का हिस्सा हैं, ऐसे में वे टी-20 खेलते नजर आएंगे।

विधानसभा में सत्ता और विपक्ष में गर्मागर्म बहस- बीआरएस का वाकआउट

मुख्यमंत्री के अपमानजनक भाषा का हवाला देते हुए बीआरएस ने विधानसभा से वॉकआउट किया

किसी को व्यक्तिगत रूप से निशाना नहीं बनाया : श्रीधर बाबू

हाउस लीडर को जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करना चाहिए : हरीश राव

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक शुक्रवार को विधानसभा से बाहर चले गए, यह विरोध जताने के लिए कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के सदस्यों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की। विधानसभा का आरंभ प्रश्नकाल के साथ हुआ और कांग्रेस के विधायक, जिनमें बालू नाइक, शंकरैया और मालेड्डी रंगाराव ने मूसी पुनरुद्धार परियोजना पर प्रश्न उठाए।

अन्य पार्टी के विधायक, जिनमें पूर्व मंत्री टी. हरीश रेड्डी एआईएमआईएम के फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन ओवैसी और भाजपा विधायक पायल शंकर ने भी अनुवर्ती प्रश्नों के साथ स्पष्टीकरण मांगा। जब विधान मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने इन सवालों का जवाब देना शुरू किया, मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप किया और कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से परियोजना का आकलन किया है और सदस्यों के सवालों का जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अभी तैयार हो रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, डीपीआर अंतिम रूप लेने के बाद, हम इसे सभी विधायकों, विशेषकर ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र के विधायकों को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।

उन्होंने कहा कि पहला चरण, जो उस्मानसागर से बापू घाट और हिमायतसागर से बापू घाट तक 21 किमी और गोदावरी से जल मोड़ने के काम को कवर करेगा, की लागत 7,000 करोड़ रुपये होगी। यह काम तीन महीनों में शुरू होगा और दो वर्षों में पूरा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में तेजी से हो रहे शहरीकरण पर जोर दिया, नोटिंग कि तेलंगाना की 55 प्रतिशत आबादी आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर रहती है। उन्होंने विरोधियों की आलोचना की कि वे परियोजना को रियल एस्टेट के उद्देश्य से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। विरोधियों को निशाना बनाते हुए रेवंत रेड्डी ने तीखी टिप्पणियाँ कीं, जिसने तुरंत प्रतिक्रिया उत्पन्न की। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी सदस्यों के पेट में जहर है, जो प्रदूषण से अधिक खतरनाक है, और सुझाव दिया कि उन्हें उपचार के लिए विकराबाद भेजा जाए। उन्होंने स्पीकर से कहा कि मूसी नदी किनारे विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए सभी विधायकों से सुझाव एकत्र करें। बीआरएस विधायकों ने तुरंत विरोध जताया। विधायक हरीश रेड्डी ने स्पीकर से सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करने और बोलने का अवसर देने का आग्रह किया। जबकि स्पीकर ने एआईएमआईएम के अकबरुद्दीन ओवैसी को विधानसभा में बोलने की अनुमति दी, बीआरएस विधायकों ने अपनी बारी का अनुरोध किया, लेकिन स्पीकर ने इसे अस्वीकार कर दिया। बाद में, मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने मुख्यमंत्री का बचाव किया और कहा कि उन्होंने किसी को व्यक्तिगत रूप से निशाना नहीं बनाया। इसके जवाब में हरीश राव ने जोर देकर कहा कि हाउस लीडर को जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करना चाहिए और अपमानजनक टिप्पणियों से बचना चाहिए। स्पीकर ने हरीश राव को रोकते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की और आलोचना नहीं की जाएगी, जिससे गर्मागर्म बहस हुई। विरोध जारी रहने पर और अगले प्रश्न पर

जाने के दौरान, बीआरएस विधायकों ने वॉकआउट किया।

प्रदर्शन के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने प्रश्नोत्तर सत्र जारी रखा

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिन की शुरूआत में बीआरएस विधायक विधानसभा प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन कर रहे थे, प्लेकार्ड दिखा रहे थे और कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें प्लेकार्ड लेकर प्रवेश करने से रोका, जिससे गर्मागर्म बहस हुई। वरिष्ठ बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने कहा कि यूरिया की उपलब्धता को लेकर किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है और यह मुद्दा केवल तभी हल होगा जब सरकार चर्चा के लिए सहमत होगी। इसके बाद बीआरएस ने यूरिया की कमी के कारण तेलंगाना किसानों को हो रही कठिनाइयों पर तत्काल बहस के लिए स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

भट्टी ने कर्मचारियों के समर्थन की पुष्टि की, बकाया भुगतान व्यवस्थित रूप से निपटाने का वादा किया

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और वित्तीय व्यवस्था को सुधारने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के लंबित बिलों का भुगतान यथासंभव शीघ्र किया जाएगा। शुक्रवार को विधान परिषद् में एवीएन रेड्डी समेत अन्य सदस्यों के सवालों का विस्तृत जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सरकारी कर्मचारियों द्वारा लिए गए विभिन्न ऋणों की ईएमआई हर महीने की पहली तारीख को नहीं चुकाई जाती, तो बैंक उनके खाते को डिफॉल्टर के रूप में दर्ज कर लेते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली सरकार के दौरान ऐसे मामले थे जहाँ कर्मचारियों की तनख्वाह 18 तारीख को जमा की जाती थी, जिससे कर्मचारियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। वर्तमान सरकार ने कार्यभार संभालने के बाद कर्मचारी संघों के साथ चर्चा की और कर्मचारियों को भागीदार मानते हुए नीति निर्णय लिया कि किसी भी वित्तीय कठिनाई के बावजूद हर महीने की पहली तारीख को तनख्वाह का भुगतान किया जाएगा। तब से तनख्वाह एक दिन की भी देरी के बिना हर महीने पहली तारीख को दे दी जाती है। उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने वित्तीय बोझ टालने के लिए कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु तीन साल बढ़ा दी थी, जबकि उनके वैध लाभ नहीं दिए गए। यदि सेवानिवृत्ति आयु नहीं बढ़ाई जाती, तो 2021 से 2023 के बीच 26,854 कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होना चाहिए था, लेकिन आयु बढ़ने के कारण केवल 6,354 कर्मचारी ही सेवानिवृत्त हुए। भट्टी विक्रमार्का ने बताया कि दिसंबर 2023 तक, पिछली सरकार ने विभिन्न मदों के तहत 43,154 करोड़ रुपए के लंबित बिल छोड़े थे, जिनमें से केवल कर्मचारियों के बकाया 4,575 करोड़ रुपए थे। नई सरकार के सत्ता में आने के बाद 1,752 करोड़ रुपए पेंशन लाभ के रूप में भुगतान किए गए। वर्तमान में कर्मचारियों से संबंधित लंबित बिल 6,244 करोड़ रुपए हैं, जिन्हें हर महीने प्राथमिकता के आधार पर बिना किसी असुविधा के चुकाया जा रहा है। हर महीने कम से कम 700 करोड़ रुपए केवल कर्मचारियों के बकाया निपटाने के लिए जारी किए जा रहे हैं। भट्टी ने कहा कि स्वास्थ्य और कर्मचारियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उन्हें स्वयं एक उपयुक्त स्वास्थ्य योजना बनाने के लिए कहा है। कर्मचारियों से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए एक संयुक्त स्टाफ काउंसिल का गठन किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान वित्तीय स्थिति में भी हर महीने पहली तारीख को तनख्वाह सुनिश्चित करना एक बड़ी उपलब्धि है। समय पर भुगतान न होने पर कर्मचारी निजी लोगों से उच्च ब्याज दर पर उधार लेने के लिए मजबूर हो जाते हैं, जिससे उनकी कठिनाइयाँ और बढ़ जाती हैं।

रबी फसल के लिए यूरिया की कमी पर बीआरएस विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायकों ने तेलंगाना विधानसभा के परिसर में यसंगी (रबी) मौसम के दौरान यूरिया की गंभीर कमी के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने किसानों को हो रही कठिनाइयों को उजागर करते हुए प्लेकार्ड उठाए और राज्य और केंद्र सरकार पर समय पर यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित न करने की आलोचना की। बीआरएस विधायक यूरिया की उपलब्धता पर संदेह व्यक्त करते हुए यह सवाल उठाया कि क्या इसे मोबाइल ऐप्स के जरिए खरीदा जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस सरकार को इस संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया। जब पुलिस ने विधायकों को उनके पोस्टर विधानसभा में लाने से रोका, तो थोड़ी देर के लिए वहां झड़प हुई। बीआरएस के उपफ्लोर लीडर टी. हरीश राव ने कहा कि विपक्ष द्वारा उठाए जाने पर ही समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। हरीश रेड्डी ने यह भी कहा कि पुलिस कर्मचारियों के अवकाश के लिए धन जारी करने की प्रक्रिया केवल उनके उठाने के बाद पूरी हुई। उन्होंने कहा, यदि हम यूरिया के मुद्दे पर किसानों के लिए आवाज उठाते हैं, तो यूरिया उपलब्ध कराई जाएगी। पूर्व में, बीआरएस ने उर्वरक की कमी पर तत्काल चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया था। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष और सिरसिल्ला विधायक के.टी. रामा राव, अन्य विधायकों के साथ, स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार से अनुरोध किया कि निर्धारित एजेंडा को अलग रखकर किसानों की समस्याओं पर चर्चा का समय दिया जाए।

52.82 लाख लाभार्थियों को गृह ज्योति योजना के तहत सुविधा: भट्टी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि गृह ज्योति योजना के तहत लाभार्थियों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है। यह जानकारी उन्होंने शुक्रवार को विधान परिषद में सदस्य एमएलसी विजयशांति द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए दी। भट्टी विक्रमार्का ने बताया कि राज्य में अब तक गृह ज्योति योजना के कुल लाभार्थियों की संख्या 52,82,498 है, और उनकी ओर से राज्य सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों को <3,593.17 करोड़ का भुगतान किया है। इन लाभार्थियों में से 25,35,560 एसपीडीसीएल क्षेत्राधिकार में आते हैं, जबकि 27,46,938 एनपीडीसीएल क्षेत्राधिकार में हैं। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि गृह ज्योति योजना के माध्यम से सरकार ने 52.82 लाख परिवारों के लिए 3,593.17 करोड़ रुपए का खर्च उठाया, जिससे उन्हें महत्वपूर्ण लाभ मिला। इस योजना से परिवारों की सामाजिक, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में भी मदद मिली है।

नए साल में फिटनेस, आधुनिक पुलिसिंग और जन सुरक्षा पर रहेगा फोकस

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने नए साल के लिए अपने संकल्प साझा करते हुए शारीरिक फिटनेस, आधुनिक पुलिसिंग और जन सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि बदलती चुनौतियों के बीच एक स्वस्थ और मानसिक रूप से मजबूत पुलिस बल समय की आवश्यकता है। शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संदेश में आयुक्त ने कहा कि पुलिसकर्मियों की शारीरिक और मानसिक फिटनेस को मजबूत करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने स्वयं भी अनुशासित और नियमित फिटनेस दिनचर्या अपनाने की प्रतिबद्धता जताई।

सज्जनार ने साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और अन्य उभरते अपराधों की रोकथाम पर विशेष ध्यान देने की बात कहते हुए कहा कि जागरूकता और सख्त प्रवर्तन के जरिए हैदराबाद को और अधिक सुरक्षित शहर बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक पुलिसिंग के लिए नए अपराध रुझानों के अनुरूप खुद को लगातार अपडेट रखना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने पेशेवर जिम्मेदारियों और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया और कहा कि परिवार के साथ समय बिताना तथा आत्म-विकास भी उनके महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं। अंत में उन्होंने शहरवासियों को सुरक्षित, स्वस्थ और सफल नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

घना कोहरा, यातायात प्रभावित

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आसपास के इलाकों में आज सुबह घने कोहरे की चादर छाई रही, जिससे जनजीवन और यातायात प्रभावित हुआ। पिछले 48 घंटों से सुबह के समय कोहरा लगातार परेशानी का कारण बना हुआ है। सबसे अधिक कोहरा प्रमुख परिवहन मार्गों पर देखा गया, खासकर हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एलबी नगर से चौटुप्पल तक और आउटर रिंग रोड पर। कुछ स्थानों पर दृश्यता 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आदिलाबाद, मेडचल, संगारेड्डी और विकाराबाद जिलों में भी घना कोहरा छाया रहा, जिसके कारण स्थानीय परिवहन में देरी हुई और राजमार्गों पर सफर जोखिम भरा हो गया।

मौसम विभाग, आईएमडी-हैदराबाद के अनुसार, जमीन से करीब एक किलोमीटर की ऊंचाई तक नमी जमा होने के कारण यह स्थिति बनी हुई है। विभाग ने संकेत दिया है कि 4 जनवरी तक घने कोहरे की स्थिति जारी रह सकती है। इस बीच, राज्य में न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखी गई है और कई इलाकों में तापमान एकल अंक से बढ़कर दो अंकों में पहुंच गया है। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे फॉग लाइट का प्रयोग करें, धीमी गति से वाहन चलाएं और हाई-बीम हेडलाइट्स का उपयोग न करें, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

हैदराबाद में खराब मौसम के कारण दो इंडिगो उड़ानें विजयवाड़ा डायवर्ट

विजयवाड़ा, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को खराब मौसम के कारण हैदराबाद में उतरने वाली दिल्ली और मुंबई से आने वाली इंडिगो की दो उड़ानों को गन्नावरम हवाई अड्डे (विजयवाड़ा) की ओर डायवर्ट कर दिया गया। विजयवाड़ा हवाई अड्डे के निदेशक लक्ष्मीकांत रेड्डी ने बताया कि हैदराबाद में घना कोहरा और खराब मौसम की वजह से उड़ानें वहां सुरक्षित रूप से नहीं उतर सकती थीं, इसलिए एहतियात के तौर पर मार्ग परिवर्तन किया गया। प्रत्येक विमान में लगभग 200 यात्री सवार थे, जो सुरक्षित रूप से गन्नावरम हवाई अड्डे पर उतरे। रेड्डी ने कहा कि आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद इन उड़ानों को हैदराबाद के लिए रवाना किया जाएगा।

इंजीनियरिंग छात्रों की बस पलटी, कई घायल

कोत्तागुडेम, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को कोत्तागुडेम में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कई छात्र घायल हो गए। यह हादसा अश्वपुरम मंडल के मोंडीकुंटा वन क्षेत्र में उस समय हुआ, जब बस मानुगुर से पालोंचा जा रही थी। बस में पालोंचा स्थित केएलआर इंजीनियरिंग कॉलेज के करीब 50 छात्र सवार थे।

बताया गया कि बस चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिससे बस सड़क से उतरकर किनारे खाई में पलट गई। दुर्घटना में एक छात्रा का हाथ सीटों के बीच फंस जाने से टूट गया, जबकि कई अन्य छात्रों को हल्की चोटें आईं और खून बहने लगा। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस की मदद से सभी घायलों को भद्राचलम के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल छात्रा को बेहतर इलाज के लिए खम्मम रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मलकपेट सड़क हादसे में दंपति की मौत

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार देर रात मलकपेट इलाके में एक सड़क दुर्घटना में एक दंपति की दर्दनाक मौत हो गई। टीजीएसआरटीसी की एक बस ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े और बस के पिछले पहिए के नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सूर्यापेट जिले के रहने वाले तिरुपति राव और उनकी पत्नी वेंकटम्मा के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि दोनों अपनी बेटी से मिलने हैदराबाद आए थे। सूचना मिलते ही मलकपेट पुलिस मौके पर पहुंची, शवों को कब्जे में लेकर मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी।

सिरगापुर छात्रावास में खराब सुविधाओं के विरोध में छात्रों ने किया प्रदर्शन

संगारेड्डी, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिरगापुर स्थित सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालय के छात्रों ने गुरुवार रात छात्रावास में खराब सुविधाओं और अस्वस्थ भोजन पर आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। छात्रावास कडपाल-सिरगापुर मार्ग पर स्थित वन क्षेत्र में छात्रों ने अचानक रास्ता रोको आंदोलन शुरू किया।

छात्रों ने बताया कि पिछले 15 दिनों से छात्रावास में बिजली नहीं है और बोरवेल काम न करने के कारण उन्हें रात में शौच के लिए बाहर जाना पड़ता है। साथ ही, उन्हें वही पानी पीना पड़ता है जिसका इस्तेमाल अन्य कामों के लिए किया जाता है। छात्रों का आरोप है कि वार्डन नशे की हालत में आकर उन्हें पीटता था और कमरों में उचित खिड़कियां न होने के कारण सर्दियों में परेशानी और बढ़ जाती है। छात्रों ने प्रशासन से तुरंत व्यवस्था सुधारने की मांग की है, जबकि छात्र संगठनों ने वार्डन को निलंबित करने की मांग भी की है। विरोध प्रदर्शन शुक्रवार सुबह भी जारी रहा।

विधानसभा में मुख्यमंत्री पर अपशब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाया बीआरएस ने

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के विधायकों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर विधानसभा में शासन संबंधी अहम मुद्दों के बजाय अपशब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाया। बीआरएस प्रमुख और विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

विधायक डॉ. के. संजय ने कहा कि नए साल की शुरुआत मुख्यमंत्री की मौखिक बदसलूकी से हुई और वे केवल बयानबाजी पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी को नदी जल बंटवारे और सिंचाई परियोजनाओं की बुनियादी जानकारी नहीं है, जिसके कारण राज्य के जल अधिकारों पर गैर-जिम्मेदाराना बयान दिए जा रहे हैं। बीआरएस विधानसभा के सचेतक केपी विवेकानंद ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व राजनीतिक नाटकबाजी कर रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सवालों को नजरअंदाज किया जा रहा है, माइक्रोफोन बंद किए जा रहे हैं और असहमति को सुनियोजित तरीके से दबाया जा रहा है।

हैदराबाद को नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंतजार

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे जल्द ही असम के गुवाहाटी और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच पहली बार वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेवा शुरू करने जा रहा है, लेकिन हैदराबाद निवासी अभी भी शहर से शुरू होने वाली ऐसी ही ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर चर्चाओं के अनुसार, सिकंदराबाद-नई दिल्ली मार्ग को पहले बैच में शामिल किए जाने की संभावना है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यात्रियों को तेज़ और आरामदायक रात्रीकालीन यात्रा का अनुभव देने का वादा करती है। इस ट्रेन से राजधानी एक्सप्रेस और दुरंतो एक्सप्रेस की तुलना में यात्रा का समय 3-4 घंटे तक कम होने की उम्मीद है। स्लीपर संस्करण में आलीशान बर्थ, आधुनिक इंटीरियर, बेहतर सस्पेंशन, वाई-फाई, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और स्वचालित दरवाजे जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह सेवा उन यात्रियों के लिए खास फायदेमंद होगी जो काम, शिक्षा या व्यक्तिगत कारणों से नियमित रूप से दिल्ली की यात्रा करते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.